अनमोल वचन

अभिमान: अभिमान का बोझ और सामान का बोझ, दोनों ही इंसान को डुबो देते हैं।

RNI NO. BHHIN/25/A5267

सुपौल दस्तक मासिक अखबार

मासिक हिन्दी

website: https://www.supauldastaknews.com

ईमेल: rajeshkumarranjan4056@gmail.com

वर्ष:- 1 | अंक:- 6 | सुपौल, माह जून, 2026 (प्रत्येक माह की 15 तारीख को जारी) | पृष्ठ: 8 | मूल्य: 5/- रू.

एक नजर

एएन-32 क्रैश पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान, देश जवानों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दुखद AN-32 विमान दुर्घटना में भारतीय वायु सेना के पांच कर्मियों की मौत पर गहरा दुख जताया और कहा कि दुख की इस घड़ी में देश पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। सिंह ने कहा कि असम के जोरहाट में An-32 दुर्घटना में पांच वायु सैनिकों की मौत से गहरा दुख हुआ है। स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। देश उनके साहस और सेवा को हमेशा गर्व और कृतज्ञता के साथ याद रखेगा।

पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। दुख की इस घड़ी में देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

अवैध इमिग्रेशन से बदल रही आबादी पर अमित शाह सख्त, कमेटी को अध्ययन का निर्देश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने आज आबादी में बदलाव पर एक बैठक की अध्यक्षता की और आयोग को सीमावर्ती ज़िलों में आबादी में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान, श्री शाह ने आयोग को हालात का जायजा लेने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। इससे पहले पिछले महीने, केंद्र सरकार ने अवैध आप्रवासन और अन्य असामान्य कारणों से आबादी में होने वाले बदलावों का अध्ययन करने और उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया था।

जोरहाट में एएन-32 विमान क्रैश

आईएएफ के 5 जवान शहीद, हादसे की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को असम के जोरहाट में राउरिया एयर फोर्स स्टेशन पर एएन-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ़्ट के क्रैश होने से वायु सेना के पाँच कर्मियों की मौत हो गई। को-पायलट इस हादसे में बच गया और अभी उसका इलाज चल रहा है। भारतीय वायु सेना ने '' पर एक पोस्ट में कहा कि आईएएफ को जान-माल के नुकसान पर गहरा अफसोस है और दुख की इस घड़ी में वह पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है।

एएन-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट ऊपरी असम में रणनीतिक रूप से अहम एयर बेस के इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि यह एयरक्राफ्ट अरुणाचल प्रदेश से जोरहाट जा रहा था, तभी यह हादसा हुआ। हादसे के बाद, भारतीय वायु सेना ने दुर्घटना की वजह का पता लगाने के लिए 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' के आदेश दिए। इससे पहले, आईएएफ ने पुष्टि की थी कि जोरहाट में लैंडिंग के दौरान एक एएन-32

विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया। आगे की जानकारी का इंतजार है।

असम में आईएएफ के एएन-32विमान हादसे पर एयर मार्शल संजीव कपूर (रिटायर्ड) ने कहा कि असली वजह तभी पता चलेगी जब और जानकारी सामने आएगी या 'कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी' की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। उन्होंने कहा कि एएन-32 एक बहुत सुरक्षित विमान है जो पिछले 40 सालों से भारतीय वायु सेना में उड़ान भर रहा है। यह उत्तर में सियाचिन, लेह, लद्दाख और ड्रॉप जोन में काम करने वाले ट्रांसपोर्ट बेड़े की रीढ़ रहा है। यह अंडमान और निकोबार में समुद्र के ऊपर और लक्षद्वीप और पोर्ट ब्लेयर जैसे हमारे द्वीपीय इलाकों में भी काम करता रहा है। उन्होंने कहा कि यह दक्षिण-पश्चिमी एयर कमांड के रेगिस्तानी इलाकों में भी काम करता रहा है। यह हमारे तटीय इलाकों में समुद्री भूमिकाओं में भी काम करता रहा है। कुल मिलाकर, चाहे पैरा-जंपिंग हो, हमला हो, लोगों को सुरक्षित निकालना हो, स्पेशल ऑपरेशन हो या सामान्य कम्युनिकेशन हो, ये विमान भारतीय वायु सेना के लिए हर कसौटी पर खरे उतरे हैं। इन्हें अपग्रेड किया गया है। पुराने होने के बावजूद, ये बिल्कुल अच्छी हालत में हैं।

प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

समाहरणालय परिसर, सुपौल से श्री सावन कुमार, भा०प्र०से०, जिलाधिकारी, सुपौल द्वारा आगामी प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सभी प्रखंडों के लिए प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि दिनांक 17 एवं 18 जून, 2026 को आयोजित होने वाले प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक एक ही स्थान पर पहुँचाया जाएगा। उन्होंने आमजनों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुँचकर उपलब्ध सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की।

प्रचार रथों के माध्यम से जिले के सभी प्रखंडों में शिविर की तिथि, स्थान एवं उपलब्ध सेवाओं की जानकारी व्यापक रूप से आमजन तक पहुँचाई जाएगी, ताकि अधिकाधिक लोग इस अभियान से लाभान्वित हो सकें।

उक्त अवसर पर श्री विकास कुमार कर्ण, जिला जन संपर्क पदाधिकारी, सुपौल सहित जिला जनसंपर्क कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।

जान से प्यारा सुहाग हमारा और 'सुगंधा' के साथ फिर बड़ा धमाका करने को तैयार हैं निर्देशक गोपाल पाठक

भोजपुरी, मैथिली और नेपाली सिनेमा में अपनी अलग पहचान बना चुके चर्चित फिल्म निर्देशक गोपाल पाठक एक बार फिर अपने नए प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच आने की तैयारी में हैं। वर्षों की मेहनत, संघर्ष और रचनात्मक सोच के दम पर उन्होंने क्षेत्रीय फिल्म जगत में एक मजबूत मुकाम हासिल किया है। उनकी फिल्मों की खासियत सामाजिक सरोकार, पारिवारिक मूल्यों और मनोरंजन का संतुलित समावेश रही है, जिसने उन्हें दर्शकों का पसंदीदा निर्देशक बनाया है।

बिहार की धरती से निकलकर फिल्म जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाले गोपाल पाठक ने भोजपुरी, मैथिली और नेपाली फिल्मों के साथ-साथ वेब सीरीज के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने अपनी रचनात्मक दृष्टि और प्रभावशाली निर्देशन के माध्यम से कई ऐसी कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिन्हें दर्शकों ने भरपूर प्यार और सराहना दी। यही कारण है कि आज उनका नाम क्षेत्रीय सिनेमा के सफल और भरोसेमंद निर्देशकों में गिना जाता है।

मैथिली फिल्मों में छोड़ी गहरी छाप

मैथिली सिनेमा के विकास में गोपाल पाठक का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके निर्देशन में बनी चर्चित फिल्मों 'ममता', 'प्रीतम' और 'आहा छी हमरा लग' ने दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई। इन फिल्मों में सामाजिक रिश्तों, पारिवारिक मूल्यों और मानवीय भावनाओं को बेहद संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिसकी वजह से दर्शकों और समीक्षकों दोनों ने इनकी प्रशंसा की। उनकी फिल्मों ने यह साबित किया कि क्षेत्रीय भाषा की फिल्में भी मजबूत कहानी और प्रभावशाली प्रस्तुति के दम पर बड़ी सफलता हासिल कर सकती हैं।

भोजपुरी सिनेमा में भी बनाई अलग पहचान

भोजपुरी फिल्म उद्योग में भी गोपाल पाठक ने अपने निर्देशन कौशल का लोहा मनवाया है। उनके निर्देशन में बनी फिल्मों 'देवो न जाने प्रिया चरित्र', 'अपनी ताकत जिंदाबाद' और 'प्यार भईल हिंदुस्तान से' जैसी फिल्मों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इन फिल्मों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक संदेशों और मनोरंजन को संतुलित रूप से प्रस्तुत कर अपनी अलग पहचान स्थापित की। भोजपुरी सिनेमा में उनकी रचनात्मक शैली और विषय चयन को विशेष रूप से सराहा जाता है।

नई फिल्मों और वेब सीरीज को लेकर बढ़ी उत्सुकता

इन दिनों गोपाल पाठक अपने कई महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में हैं। उनकी आगामी भोजपुरी फिल्म 'जान से प्यारा सुहाग हमारा' को लेकर दर्शकों में खास उत्साह देखा जा रहा है। पारिवारिक और सामाजिक मूल्यों पर आधारित यह फिल्म रिश्तों की संवेदनशीलता और पारिवारिक भावनाओं को नए अंदाज में प्रस्तुत करेगी। फिल्म से जुड़े सूत्रों का मानना है कि यह दर्शकों को एक अलग और यादगार अनुभव देने में सफल होगी। इसके साथ ही नेपाली फिल्म 'स्योदोमा सिंदूर' भी जल्द दर्शकों के बीच आने वाली है, जिसकी तैयारी अंतिम चरण में बताई जा रही है। वहीं बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'सुगंधा' को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। माना जा रहा है कि यह वेब सीरीज अपने विषय और प्रस्तुति के कारण डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अलग पहचान बना सकती है।

नई सोच और दर्शकों का विश्वास ही सबसे बड़ी पूंजी

गोपाल पाठक का मानना है कि किसी भी कलाकार और निर्देशक की सबसे बड़ी ताकत दर्शकों का विश्वास होता है। उनका कहना है कि वे हमेशा ऐसी कहानियों को प्राथमिकता देते हैं जो समाज से जुड़ी हों और दर्शकों के दिलों को छू सकें। नई सोच, नए विषय और बेहतर प्रस्तुति के साथ वे लगातार अपने काम में नवाचार करने का प्रयास करते हैं।

युवा फिल्मकारों के लिए प्रेरणा बने गोपाल पाठक

लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ रहे गोपाल पाठक आज क्षेत्रीय सिनेमा से जुड़े युवा कलाकारों और फिल्मकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं। उनका सफर यह संदेश देता है कि यदि प्रतिभा, मेहनत और धैर्य के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ा जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। अब दर्शकों की निगाहें उनकी आगामी प्रस्तुतियों 'जान से प्यारा सुहाग हमारा', 'स्योदोमा सिंदूर' और 'सुगंधा' पर टिकी हैं, जिनसे एक बार फिर बड़े धमाके की उम्मीद की जा रही है।

जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित बाल देखरेख संस्थानों का निरीक्षण किया गया

जिलाधिकारी, सुपौल श्री सावन कुमार, भा.प्र.से. की अध्यक्षता में बाल देखरेख संस्थानों के त्रैमासिक

निरीक्षण के लिए गठित जिलास्तरीय निरीक्षण समिति द्वारा आज दिनांक 13.06.2026 को सुपौल जिले में समाज कल्याण विभाग अन्तर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा संचालित बाल देखरेख संस्थानों का निरीक्षण किया गया।

सबसे पहले सुखपुर में स्थित पर्यवेक्षण गृह का निरीक्षण किया गया। विधि विवादित बच्चों के आवासन, देखरेख एवं संरक्षण के लिए संचालित इस गृह का निरीक्षण करने के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा इस गृह के बेहतर संचालन के लिए आवश्यक निदेश दिया गया।

इसके बाद पिपरा रोड के यादव कॉम्प्लेक्स में संचालित विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान का निरीक्षण कर दत्तक ग्रहण से संबंधित मामलों की समीक्षा की गई। विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान के निरीक्षण के पश्चात जिला निरीक्षण समिति द्वारा चैनसिंह पट्टी स्थित वृहद आश्रय गृह में देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बालकों के लिए संचालित दो बाल गृहों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी महोदय द्वारा वृहद आश्रय गृह एवं इसके दोनों बाल गृहों की स्वच्छता एवं बच्चों के आवासन के लिए समुचित व्यवस्था की प्रशंसा की गई। इन दोनों बाल गृहों में आवासित कुल 59 बच्चों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया गया तथा बच्चों से इनकी नियमानुसार उपलब्धता के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। विदित हो कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के प्रावधानानुसार अनाथ, बेसहारा, घर से भागे हुए एवं परित्यक्त बालकों की देखरेख एवं संरक्षण के लिए बाल गृह का संचालन किया जाता है। इन बच्चों के बरामद होने के पश्चात इन्हें बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है तथा ऐसे बच्चों को तब तक के लिए इन बाल गृहों में संरक्षित रखा जाता है जब तक कि उनके परिवार का पता नहीं चल जाए। इनके माता-पिता या परिवार का पता चलने पर इन्हें इनके परिवार में पुनर्वासित कर दिया जाता है। निरीक्षण के दौरान इन बाल गृहों में बच्चों के लिए लिए आवासन, भोजन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए समुचित व्यवस्थाओं की जिलाधिकारी महोदय द्वारा सराहना की गई तथा इनके कर्मियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को

यह निदेश दिया गया कि बाल गृहों में आवासित बच्चों में से वैसे बच्चे, जिनके माता-पिता का पता चल गया है, उनकी काउंसलिंग कर यथाशीघ्र ऐसे बच्चों का पुनर्वासन सुनिश्चित किया जाए। अन्य जिलों के ऐसे बच्चों के माता-पिता की काउंसलिंग के साथ-साथ संबंधित बाल कल्याण समिति से समन्वय कर ऐसे बच्चों का यथाशीघ्र पुनर्वासन करवाने का भी निदेश दिया गया। निरीक्षण समिति के सदस्य के रूप में जिलाधिकारी के साथ सहायक निदेशक बाल संरक्षण, सिविल सर्जन, रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमैन, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य आदि उपस्थित थे।

जनता दरबार में सावन कुमार द्वारा कुल 69 आवेदन लिए गए

समाहरणालय, सुपौल में आयोजित जिला जनता दरबार में श्री सावन कुमार, भा0प्र0से0, जिलाधिकारी, सुपौल द्वारा कुल 69 आवेदन लिए गए।

जिला जनता दरबार में उक्त आवेदनों से संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने निर्देश दिया गया। उक्त अवसर पर श्री अनित कुमार, निदेशक, NEP DRDA, सुपौल, श्री विकास कुमार कर्ण, जिला नजारत उप समाहर्ता, सुपौल, श्री अमित कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, गोपनीय शाखा, सुपौल, श्रीमती पुष्पा कुमारी, वरीय उप समाहर्ता, सुपौल, श्री मुकेश कुमार, वरीय उप समाहर्ता, सुपौल एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे अगले सीओएएस, 30 जून को संभालेंगे कमान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार ने एक बयान में कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को शनिवार को अगला सेना प्रमुख (COAS) नियुक्त किया गया है और वे 30 जून को अपना पद संभालेंगे।

रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि मुझे राष्ट्रपति की मंजूरी से यह बताने का निर्देश दिया गया है कि लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ (PVSM, UYSM, AVSM) को 30 जून, 2026 से जनरल के पद पर अगला 'चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ' (थल सेना प्रमुख) नियुक्त किया गया है। वे जनरल उपेंद्र द्विवेदी (PVSM, AVSM) की जगह लेंगे और उनका कार्यकाल 31 अगस्त, 2028 तक होगा।

सहयोग शिविर कार्यक्रम त्रिवेणीगंज (16.06.2026)

सहयोग शिविर कार्यक्रम

त्रिवेणीगंज (16.06.2026)

बिहार सरकार

क्र0	ग्राम पंचायत का नाम	सहयोग शिविर स्थल
1	कुशहा	पंचायत सरकार भवन, कुशहा
2	बरहकुरवा	पंचायत भवन, बरहकुरवा

संबंधित पंचायतों के सभी नागरिक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएँ।

आयोजक: जिला प्रशासन, सुपौल

आपकी समस्या - हमारा संकल्प, समाधान आपके द्वार

Supaul Dastak News

सहयोग शिविर कार्यक्रम प्रतापगंज (16.06.2026)

सहयोग शिविर कार्यक्रम

प्रतापगंज (16.06.2026)

बिहार सरकार

क्र0	ग्राम पंचायत का नाम	सहयोग शिविर स्थल
1	सुखानगर	पंचायत सरकार भवन, सुखानगर
2	चिलौनी द0	पंचायत भवन-सह-ग्राम कचहरी, चिलौनी दक्षिण
3	चिलौनी उत्तर	पंचायत सरकार भवन, चिलौनी उत्तर
4	टेकुना	पंचायत भवन, टेकुना

संबंधित पंचायतों के सभी नागरिक अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएँ।

आयोजक: जिला प्रशासन, सुपौल

आपकी समस्या - हमारा संकल्प, समाधान आपके द्वार

Supaul Dastak News

राजस्व महा-अभियान के दौरान प्राप्त 46 लाख आवेदनों की स्कैनिंग, अपलोडिंग एवं निष्पादन के कार्य को पूरा करने के लिए 11 जून से लेकर 17 जून तक चलेगा विशेष अभियान।

संक्षिप्त खबरें

पटना से चोरी की गई बाइक रजौली के गढ़ दिबौर से हुआ बरामद, युवक गिरफ्तार

संवाददाता

रजौली। 27 अप्रैल 2026 को पटना के रामकृष्ण नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बाइक की चोरी अज्ञात चोरों के द्वारा कर ली गई थी। पटना में चोरी हुई बाइक शनिवार को पटना पुलिस ने रजौली के गढ़ दिबौर से बरामद किया है। रामकृष्ण नगर थाना के एसआई मिथुन कुमार ने बताया कि 27 अप्रैल 2026 को पटना के नीतीश प्रसाद यादव सब्जी खरीदने के लिए बाजार गए हुए थे। सब्जी खरीदने के दौरान उनकी बाइक को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई थी। बाइक चोरी होने के बाद नीतीश प्रसाद यादव के द्वारा रामकृष्ण नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। उक्त थाने में 429/26 कांड दर्ज किया गया। दर्ज प्राथमिकी के बाद पटना पुलिस ने शनिवार को रजौली थाना क्षेत्र के गढ़ दिबौर से सुरेश यादव के बेटे सुधीर कुमार के पास से उक्त चोरी की गई बाइक को बरामद किया और चोरी की बाइक के साथ उक्त युवक को गिरफ्तार कर लिया। चोरी की गई बाइक उजले रंग की है।

जिसका रजिस्ट्रेशन संख्या जे एच 12 एच 5393 है, जिसे पटना पुलिस के द्वारा बरामद कर लिया गया तथा गिरफ्तार किए गए युवक को पटना पुलिस अपने साथ पटना ले गई।

मारपीट मामले का नामजद प्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा न्यायालय

संवाददाता

रजौली। 16 मई 2026 को रजौली थाना क्षेत्र के करिगांव टोल प्लाजा स्थित एदल बिगहा मोड़ के पास उत्पल कांत के साथ कुछ लोगों के द्वारा मारपीट की गई थी। मारपीट मामले का नामजद प्राथमिकी अभियुक्त को रजौली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि 16 मई को रात के 8 बजे उत्पल कांत अपने विद्यालय रजौली से अपना घर मुरहेना जा रहे थे। इसी दौरान रजौली थाना क्षेत्र के एदल बिगहा मोड़ के पास कुछ ज्ञात एवं कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा उत्पल कांत के साथ मारपीट की गई थी।

मारपीट के बाद उत्पल कांत के पिता उमेश कुमार ने 17 मई को रजौली थाने को आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी दर्ज कराने के बाद शुक्रवार की रात थाने के एसआई सचिन कुमार ने नामजद प्राथमिकी अभियुक्त हिसुआ थाना क्षेत्र के मुरकड़ा गांव निवासी जितेंद्र यादव के बेटे रवि शंकर कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद शनिवार को अनुमंडलीय अस्पताल रजौली में स्वास्थ्य जांच कराने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

रजौली में 40 अनुसूचित जाति लाभुकों के बीच बकरियों का वितरण

संवाददाता

रजौली। राज्य योजनांतर्गत समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना के तहत शनिवार को रजौली प्रखंड में 40 अनुसूचित जाति लाभुकों के बीच पशुपालन विभाग द्वारा बकरियों का वितरण किया गया। योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि करना तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देना है।

वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक विमल राजवंशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला पशुपालन पदाधिकारी नवादा डॉ. दीपक कुमार कुशवाहा ने लाभुकों को बकरी पालन के महत्व एवं वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन करने की जानकारी दी। जिला नोडल पदाधिकारी (बकरी विकास) डॉ. जे. के. दीपक ने योजना के उद्देश्यों एवं पशुपालन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी रजौली डॉ. रेषु कुमार एवं भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी अंधरवारी डॉ. अभय कुमार ने लाभुकों को बकरियों के स्वास्थ्य प्रबंधन, टीकाकरण एवं पोषण संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में जीविका रजौली के बीपीएम मनीष कुमार तथा एरिया कोऑर्डिनेटर चंदन कुमार भी उपस्थित रहे।

समारोह में बिंदु कुमारी, गायत्री देवी, कंचन देवी, कमला देवी, मनोरमा देवी, लक्ष्मीनिया देवी, रीना देवी, रिंकू देवी, सीता देवी, शोभा देवी, बरती देवी, जयंती देवी, मानती देवी, कमली देवी, पार्वती देवी समेत 40 लाभुकों को तीन-तीन बकरियां प्रदान की गईं। लाभुकों ने सरकार एवं पशुपालन विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्रम में सभी लाभुकों सहित पशुपालन विभाग एवं जीविका के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रजौली पुलिस ने खोया हुआ 2 मोबाइल किया बरामद, मालिक के चेहरे पर आया मुस्कान

संवाददाता

रजौली। ऑपरेशन मुस्कान के तहत रजौली थाना क्षेत्र के अंतर्गत खोए हुए दो मोबाइल फोन को रजौली पुलिस ने बरामद कर लिया। शनिवार को थाने के एसआई सचिन कुमार ने खोए हुए दोनों मोबाइल को मोबाइल के मलिक को सौंप दिया। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि रजौली थाना क्षेत्र के अंधरवारी गांव निवासी मिंटू पासवान की पत्नी रीना देवी एवं सिमरकोल गांव निवासी योगेंद्र मिस्त्री के बेटे गुलशन कुमार का मोबाइल रजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत खो गया था। जिसके बाद दोनों मोबाइल के मालिक के द्वारा रजौली थाने में आवेदन देकर इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। उक्त आवेदन के आलोक में पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत तकनीकी सहायता (सीईआईआर) पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन को खोजने का काम किया। इसके बाद दोनों मोबाइल फोन बरामद हुआ। मोबाइल बरामद होने के बाद मोबाइल के मालिक को इसकी सूचना दी गई। सूचना देने के बाद मोबाइल के दोनों मालिक ने मोबाइल के कागजात प्रस्तुत किया और अपना मोबाइल फोन वापस प्राप्त किया। खोया हुआ मोबाइल पाकर मोबाइल के मालिक के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। मोबाइल के दोनों मलिक ने कहा कि पुलिस के द्वारा यह एक सराहनीय कार्य किया गया है। हमारा खोया हुआ मोबाइल वापस मिल गया है। मोबाइल प्राप्त करने के बाद दोनों मलिक ने थानाध्यक्ष समेत सभी पुलिसकर्मियों को बधाई एवं धन्यवाद दिया।

सड़क दुर्घटना में घायल अधेड़ की इलाज के दौरान मौत, गांव में शोक

संवाददाता

वजीरगंज गया: प्रखंड क्षेत्र के पतेड़ मंगरावां पंचायत अंतर्गत मिसिरचक गांव निवासी 40 वर्षीय राजेश यादव की सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों एवं ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई है। सरपंच महेश कुमार सुमन ने बताया कि राजेश यादव, रामजन्म यादव के दूसरे पुत्र थे। दो दिन पूर्व गया-फतेहपुर मुख्य मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था, जहां शुक्रवार देर रात इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। राजेश यादव के निधन की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पत्नी और बच्चों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। ग्रामीणों ने दिवंगत के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।

झुग्गी-झोपड़ी को खाली करवाने से पूर्व वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराने की मांग

संवाददाता

सहरसा: सदर अस्पताल के पीछे सड़क किनारे बसें सफाईकर्मियों ने भारतीय सफाई मजदूर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुशाग्र कुमार गब्बर के नेतृत्व में झुग्गी-झोपड़ी को खाली करवाने से पूर्व वैकल्पिक जमीन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन सौपा ।दिए गए आवेदन में कहा कि हम मेहत्तर समुदाय से आने वाले लोग जो नगर निगम सहरसा सहित विभिन्न सरकारी एवं प्राईवेट संस्थाओं की साफ-सफाई का कार्य करते हैं। हमलोग लगभग एक सौ परिवार विगत डेढ दशक से सदर अस्पताल सहरसा उत्तर दिशा की ओर के पीछे सड़क किनारे फूस की झोपड़ी में किसी तरह अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ रह रहे हैं ।जबकि 10 जून को प्रातः नगर निगम सहरसा के द्वारा उपरोक्त झुग्गी-झोपड़ी को दिनांक 17 जून के पूर्व खाली करने को सुचित किया गया है ।श्री गब्बर ने कहा कि वैकल्पिक व्यवस्था के अनुसार स्थायी जमीन उपलब्ध किये बिना उक्त झुग्गी-झोपड़ियों को खाली कराये जाने से हम गरीब एवं असहाय लगभग 200 लोग अपने छोटे-छोटे बच्चों समेत सड़क पर आ जाऐंगें। विदित हो कि हमलोगों के पास रहने योग्य खुद की एक इंच भी नीजी भूमि नहीं है। ताकि हम अपने बच्चों को भवदीय के स्तर से उपलब्ध कराये गये भूमि में झोपड़ी बनाकर जीवन यापन कर सके। उन्होंने कहा कि श्रीमान् से निवेदन है कि समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े हम गरीब एवं असहाय लोगों को वर्णित स्थान पर अवस्थित झुग्गी-झोपड़ी को हटाने से पूर्व वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत स्थायी भूमि उपलब्ध कराने कि कृपा की जाए। ताकि हम अपने बच्चों के साथ उपलब्ध कराये गये भूमि में झोपड़ी बनाकर जीवन यापन कर सकें। साथ ही नगर एवं अन्य विभागों की नियमित रूप से साफ-सफाई कर स्वच्छ स्वस्थ व सुन्दर सहरसा निर्माण में अपना योगदान दे सके। इस मौके पर ईशा देवी, सीता देवी, नेहा देवी, खुशबू देवी, रूबी देवी, रीना देवी, ज्योति देवी, गुड़िया देवी, रेणु देवी, सोनी देवी, अनीता देवी, गीता देवी, पीवी देवी, साबो देवी, सीता देवी, रोशनी देवी, रूबी देवी, पायल कुमारी, नूतन कुमारी, खुशबू कुमारी सहित अन्य मौजूद रहे।

गैरमजरूआ खास पोखर पर अतिक्रमण का आरोप, ग्रामीणों ने सीओ को दिया आवेदन

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा: प्रखंड क्षेत्र के सरोजा पंचायत वार्ड संख्या 11 श्यामनगर स्थित गैरमजरूआ खास पोखर को अतिक्रमण किए जाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने सिमरी अंचलाधिकारी को आवेदन देकर जांच कर अतिक्रमण हटाने की मांग की है। शनिवार को ग्रामीणों पोखर स्थित विरोध प्रदर्शन करते हुए अजय यादव, बिभाष यादव, मिस्टर कुमारी, पप्पू साह, जोगेश्वर यादव, उमेश यादव, विष्णु साह, रामप्रवेश यादव, नरेश यादव, सुभाष यादव, प्रमोद यादव, सोनी साह, दीपक कुमार आदि का आरोप लगाया कि गांव के सार्वजनिक उपयोग के लिए दर्ज गैरमजरूआ खास पोखर की भूमि पर गांव के कुछ लोगों द्वारा धीरे-धीरे कब्जा किया जा रहा है।

उक्त पोखर वर्षों से गांव की सार्वजनिक संपत्ति रही है

इससे पोखर का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है तथा ग्रामीणों को जल संरक्षण, पशुओं के पानी सहित अन्य पारंपरिक उपयोगों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वही आवेदन में ग्रामीणों ने कहा है कि उक्त पोखर वर्षों से गांव की सार्वजनिक संपत्ति रही है, लेकिन हाल के दिनों में उस पर मिट्टी भराई एवं निर्माण कार्य किए जाने की कोशिश की जा रही है। यदि समय रहते प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं की गई तो पोखर पूरी तरह अतिक्रमण की चपेट में आ सकता है। ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी से स्थल निरीक्षण कर भूमि की वास्तविक स्थिति की जांच कराने तथा अतिक्रमण के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए पोखर को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की है। इस संबंध में अंचल अधिकारियों शुभम वर्मा ने बताया कि आवेदन के आलोक मे मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि सार्वजनिक जलस्रोतों का संरक्षण पर्यावरण एवं गांव के हित में आवश्यक है। यदि पोखर को अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया गया तो भविष्य में जल संकट की समस्या और गंभीर हो सकती है।

दिशा केंद्र पटआहा के 20 लाभार्थियों के बीच मासिक परिवहन भत्ता की राशि का वितरण

संवाददाता

सहरसा: शनिवार को राष्ट्रीय न्यास भारत सरकार द्वारा संचालित कोशी दिशा केंद्र पटआहा सहरसा के 20 लाभार्थियों के बीच माह मई 2026 का मासिक परिवहन भत्ता की राशि का वितरण संस्थान के अध्यक्ष राष्ट्रीय न्यास मोहन कुमार के द्वारा शनिवार को वितरण किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष के द्वारा मानसिक मंडता श्रेणी के दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के बीच राष्ट्रीय न्यास के निरमाया योजना के अंतर्गत एक लाख का स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया। साथ ही साथ उनके द्वारा जानकारी दिया गया कि आप लोग अपने इस बच्चों का इलाज करवा कर उनका बिल भोचर डॉक्टर की सहमति पर कोसी दिशा केंद्र में जमा करें ताकि आपके बच्चे के इलाज में जो राशि खर्च किया गया है। वह राशि आपके बच्चे के खाते में राष्ट्रीय न्यास द्वारा प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर कोशी दिशा केंद्र के फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर अबुशालेह द्वारा सभी बच्चों का फिजियो कर उनके अभिभावकों को घर पर भी एक्सरसाइज व्यायाम करवाने का सलाह दिया गया ताकि बच्चों में उनके शारीरिक गतिविधि मानसिक गतिविधि का विकास हो सके। विशेष प्रशिक्षक दयानंद कुमार के द्वारा बाल्कालिक हस्तक्षेप काल के माध्यम से बच्चों को वास्तु ज्ञान शब्द ज्ञान की शिक्षा दिया जा रहा है । इस कार्यक्रम में काउंसलर सुनीलकुमार ठाकुर विशेष शिक्षक शिवराम शर्मा आया पूनम देवी ने सहयोग प्रदान किया धन्यवाद।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स के जिलाध्यक्ष की माता के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

संवाददाता

सहरसा: बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं कोशी चैम्बर ऑफ कॉमर्स के संयुक्त तत्वाधान में शंकर चौक स्थित महिला सत्संग भवन में शनिवार को एक भावभीनी श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया ।यह श्रद्धांजलि सभा मारवाड़ी समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं समाजसेवी अर्जुन दहलान की पूज्य माताजी स्व. परमेश्वरी देवी के दुखद निधन पर आयोजित की गई। मातृशक्ति के रूप में स्व. परमेश्वरी देवी जी ने अपने संस्कार, सरलता और स्नेह से न केवल अपने परिवार को, बल्कि पूरे समाज को प्रेरित किया।

सभा में उपस्थित समाज के गणमान्यजनों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। वक्ताओं ने स्व.परमेश्वरी देवी जी के जीवन, उनके संस्कारों और समाज के प्रति उनके स्नेह को याद करते हुए कहा कि "माँ का जाना केवल एक परिवार की क्षति नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उनकी सादगी और ममता सदैव हमें प्रेरणा देती रहेगी। इस शोक सभा में निकुं तुलस्यान, आदित्य मित्तल, रणजीत दास, नितेश दहलान चिक्कू, गोपाल दहलान, गौतम दहलान, मितेश भीमसेरिया, अमित संघाई, सुनील जालान, सुनील भीमसेरिया, विजय बाजोरिया, पंकज तुलस्यान, विष्णु दहलन, नितेश दहलन, सौरभ दहलान गुड्डु, नीरज केशरी, आलोक जैन, मोहम्मद अम्मार, सुधीर सर्राफ, कृष्ण सुरेखा, किशन सिरोहीवाल, गौरव तुलस्यान, संजय यादुका, समीर केडिया एवं संजय कुमार

वर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं कोशी चैम्बर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा समाज अर्जुन दहलान एवं उनके परिवार के साथ खड़ा है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और शोकाकुल परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे ।सभा के अंत में सभी उपस्थितजनों ने स्व. प्रेमेश्वरी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की।

23 जुलाई को लगेगा पंडित चंद्रशेखर आजाद की भव्य कांस्य की प्रतिमा स्थापना

संवाददाता

सहरसा: एक अमर शहीद, किसी भी राष्ट्र कि वो धरोहर है जो आनेवाले पीढीयों के लिए खुद पर गर्व करने का अवसर प्रदान करती है। एक अमर शहीद कि शौर्य गाथाओं, उसके स्मृतियों को सहेजना हम-सभी की न सिर्फ जिम्मेदारी है बल्कि कर्तव्य भी होता है ।अमर बलिदानी चंद्रशेखर आजाद जी कि प्रतिमा निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। चंद्रशेखर आजाद जी कि जयंती 23 जुलाई, कोशी प्रमंडल के लिए एक गौरवशाली दिन होगा जब ब्रोंज कि 7.5 फिट की प्रतिमा का अनावरण कोशी प्रमंडल मुख्यालय के आजाद स्मृति स्थल पर होगा। वह दिन एक ऐसा गौरवशाली दिन होगा जब आम जनमानस द्वारा आपसी सहयोग के माध्यम से एक अमर बलिदानी कि प्रतिमा स्थापना करते हुए उसे श्रद्धांजलि अर्पित कि जाएगी। शहीद चंद्रशेखर आजाद जी के

प्रतिमा निर्माण के कड़ी में मुर्तिकार द्वारा उनके चेहरे का निर्माण पूर्ण कर भेजा गया है जो काफी उत्साहित करने वाला है।

हम-सभी अवश्य सफल होंगे बस इस ऐतिहासिक नेक मुहिम मे इसी तरह सभी का सहयोग, सभी के हौसलों एवं आशीर्वाद कि आवश्यकता है। आज जरुरत है सभी को संगठनात्मक रुप से अपने निजी भावनाओं से थोड़ा ऊपर उठकर सोचने कि। फिर निश्चित ही हम-सभी के लिए यह जिवन भर के यादगार पलों में से एक होगा। निःसंदेह एक यादगार पल के साक्षी बनेंगे वे सभी जिनकी थोड़ी सी भी भावनाएं एक अमर बलिदानी के इस नेक मुहीम के प्रति जुड़ी हुई है, चाहे वो संवेदनात्मक हो, भावनात्मक हो, शारीरिक हो, मानसिक हो, या आर्थिक।

''वही शाहे शहीदां है, वही है रौनके आलम ।
वतन पर देके जां जो जंग के मैंदा में सोता है ।।
उसीका नाम रोशन हैं, उसीका नाम बाकी है ।
कि जिसकी मौत पर दुनियाँ का हर इंसान रोता है ।।
जरा बेदार हो, अब खवाबे गफलत से जवानो तुम ।
कि जिसमें जोरें बाजू है, वही "आजाद" होता है ।।
यही दुनियाँ से अब इस सुरमा की रूह कहती है ।
गरीबों को मिले रोटी तो मेरी जान सस्ती है ।।''

(अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी द्वारा स्वरचित कविता)

संविदा शर्तों के उल्लंघन पर दो फर्मों का कायार्देश रद्द, पांच साल के लिए ब्लैकलिस्ट

सरकारी आदेशों की अनदेखी व संविदा शर्तों के उल्लंघन, जीईएम पोर्टल की निविदाओं में नहीं लेगे भाग

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर सहरसा: नगर परिषद सिमरी बख्तियारपुर के द्वरा संविदा शर्तों एवं सरकारी निदेर्शों के उल्लंघन के आरोप में दो संवेदक फर्मों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नगर परिषद ने दोनों फर्मों के कायार्देश तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए उन्हें पांच वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर दिया है। इस दौरान दोनों फर्में नगर परिषद तथा जीईएम पोर्टल की किसी भी निविदा में भाग नहीं ले सकेंगी। कार्यपालक पदाधिकारी रामविलास दास द्वारा जारी आदेश के अनुसार राजस्थान के हनुमानगढ़ स्थित एम/एस श्री राम इंटरप्राइजेज को जीईएम पोर्टल के माध्यम से 60 हाई मास्ट टावर लाइट लगाने का कार्य दिया गया था। नगर परिषद का आरोप है कि फर्म ने कई पत्रों और निदेर्शों की अनदेखी की तथा संविदा की शर्तों का पालन नहीं किया। इसके बाद 25 मार्च 2025 को जारी कायार्देश संख्या 254 को रद्द कर दिया गया। नगर क्षेत्र के कई वार्डों में खंभे लगाए जाने के बावजूद अब तक हाई मास्ट लाइट नहीं लगाई गई है। वहीं राजस्थान की एम/एस पांडव मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को 490 रेट्रो रिफ्लेक्टिव शीट साइन बोर्ड आपूर्ति का कार्य सौंपा गया था। नगर परिषद के अनुसार कंपनी ने भी कार्यालय के निदेर्शों एवं संविदा शर्तों की अनदेखी की। इसके चलते कायार्देश संख्या 255 को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया। नगर परिषद द्वारा जारी आदेश में दोनों फर्मों को आगामी पांच वर्षों तक सभी प्रकार की निविदाओं और कार्यों में भाग लेने से प्रतिबंधित करते हुए ब्लैकलिस्ट घोषित किया गया है। इससे नगर क्षेत्र में लंबित योजनाओं को लेकर नई निविदा प्रक्रिया का रास्ता साफ होने की उम्मीद जताई जा रही है।

समग्र शिक्षा एवं विकास संस्थान द्वारा गांव-गांव में चलाया गया जागरुकता अभियान

संवाददाता

सहरसा: विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर श्रम संसाधन विभाग एवं, समग्र शिक्षक एवं विकास संस्थान सुपौल द्वारा बाल श्रम उन्मूलन एवं बाल अधिकारों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को बाल श्रम के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा बच्चों को शिक्षा एवं सुरक्षित बचपन का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाना था ।कार्यक्रम में श्रम अधीक्षक, सुपौल सुशील कुमार यादव ने कहा कि बाल श्रम एक सामाजिक बुराई है। जिसके उन्मूलन के लिए सरकारी विभागों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने सभी से बाल श्रम की रोकथाम एवं बच्चों को शिक्षा से जोड़ने में सहयोग करने की अपील की। इस अवसर पर

बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने का लिए निर्णय

जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक देवेश शर्मा सुपौल ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बाल संरक्षण तंत्र को मजबूत बनाने और प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने कहा जो बच्चा स्कूल से बाहर है वह बाल श्रम का शिकार हो जाएगा इसलिए हर बच्चों को स्कूल से जोड़ना आवश्यक है। कार्यक्रम में समग्र शिक्षण एवं विकास संस्थान के कार्यक्रम प्रबंधक भगवान जी पाठक ने कहा कि बाल श्रम के विरुद्ध जन-जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने बाल श्रम से मुक्त समाज के निर्माण के लिए सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा पंचायत डायरी को हर पंचायत में लागू करना आवश्यक है जिसके लिए सरकारी एवं गैर सरकारी प्रयास जरूरी है जब तक बच्चा बाल श्रम में रहेगा तब तक उनका विकास सब रूद्र रहेगा। इस कार्यक्रम में श्रम संसाधन विभाग के सभी श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, सुपौल, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, श्रमिक, ग्रामीण कर्मी एवं सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान बाल श्रम उन्मूलन एवं बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प भी लिया।

मानसून से पहले रेलवे अलर्ट, ट्रैक किनारे पेड़-पौधों की कटाई शुरू

सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन से बाबा रघुनी हाल्ट तक चला विशेष अभियान, आंधी-तूफान में रेल परिचालन सुरक्षित रखने की कवायद

संवाददाता

सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा): मानसून के आगमन और हाल के दिनों में आए तेज आंधी-तूफान तथा बारिश को देखते हुए पूर्व मध्य रेलवे ने सहरसा-मानसी रेलखंड पर विशेष सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। यात्रियों की सुरक्षा और रेल परिचालन को निर्बाध बनाए रखने के उद्देश्य से रेलवे द्वारा ट्रैक के किनारे उगे पेड़-पौधों, झाड़ियों एवं खतरनाक शाखाओं की कटाई-छंटाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन और बाबा रघुनी हाल्ट के बीच रेलवे ट्रैक के आसपास उगी झाड़ियों तथा पेड़ों की शाखाओं को हटाने का कार्य तेज गति से किया जा रहा है। रेलवे कर्मियों की टीम जेसीबी एवं अन्य आधुनिक मशीनों की सहायता से ट्रैक के दोनों ओर सफाई और कटाई-छंटाई में जुटी हुई है। रेल सूत्रों के अनुसार हाल में आए तेज आंधी-तूफान और बारिश के कारण कई स्थानों

पर पेड़ों की शाखाएं रेलवे की ओवरहेड विद्युत तारों और ट्रैक के लिए खतरा बनती जा रही थीं। खराब मौसम के दौरान ऐसी शाखाओं के टूटकर गिरने से बिजली आपूर्ति बाधित होने और रेल परिचालन प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। यही कारण है कि रेलवे ने संभावित जोखिम वाले स्थलों की पहचान कर वहां प्राथमिकता के आधार पर अभियान शुरू किया है ।अधिकारियों के अनुसार मौसम विभाग द्वारा मानसून के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है, इसलिए पहले से ही एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। रेलवे प्रशासन ने स्थानीय लोगों से भी सहयोग की अपील की है। अधिकारियों ने कहा है कि जिन लोगों के निजी परिसर में ऐसे पेड़ हैं जिनकी शाखाएं रेलवे लाइन या ओवरहेड बिजली तारों की ओर बढ़ रही हैं, वे समय रहते उनकी कटाई-छंटाई करा लें। इससे किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को कम किया जा सकेगा। साथ ही रेलवे ने नागरिकों से आग्रह किया है कि यदि ट्रैक के आसपास कोई खतरनाक पेड़, सूखी शाखा अथवा अन्य जोखिमपूर्ण स्थिति दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल रेलवे अधिकारियों को दें। रेलवे का मानना है कि प्रशासन और आम लोगों के संयुक्त प्रयास से संभावित खतरों को कम करते हुए रेल सेवाओं की सुरक्षा और सुचारु संचालन सुनिश्चित किया जा सकता है।

डीएम की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्यान्वित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

संवाददाता

सहरसा: जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में योजनाओं की वर्तमान प्रगति, क्रियान्वयन की स्थिति तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान योजनाओं के प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन पर बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने, निर्धारित समयसीमा का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुँचाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी योजनाओं की नियमित निगरानी एवं सतत अनुश्रवण कर अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त गौरव कुमार, निदेशक डीआरडीए सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अपहरण के आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

गौनाहा. मटियरिया पुलिस ने शिकारपुर थाना की मदद से शनिवार की सुबह शिकारपुर थाना क्षेत्र के चमुआ गांव से फरार अपहरण कर्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दी है.

गिरफ्तार आरोपी शिकारपुर थाना के चमुआ गांव निवासी भिखारी राम के पुत्र सत्येंद्र राम है. थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार की गई है.आरोपी बहुत दिनों से फरार था.

सिसवनिया चौक के पास दो बाइकों की आमने सामने टक्कर, चार घायल; दो की हालत गंभीर

संवाददाता

लौरिया: बगहा मुख्य सड़क पर सिसवनिया चौक के समीप रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में चार लोग घायल हो गए। इनमें दो घायलों की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस और एंबुलेंस की टीम मौके पर पहुंची तथा सभी घायलों को उपचार के लिए लौरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया।

सीएचसी में तैनात चिकित्सक डॉ. दिलीप कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया। घायलों की पहचान नवलपुर थाना क्षेत्र के खैरटिया बलुआ गांव निवासी स्वर्गीय लबेदु पटेल के 60 वर्षीय पुत्र सुभा पटेल, सुनरमन शर्मा के 20 वर्षीय पुत्र मंटू शर्मा, स्वर्गीय उमेश प्रसाद के 22 वर्षीय पुत्र रितिक रोशन कुमार तथा बथुवरिया थाना क्षेत्र के मानपुर मकरी गांव निवासी कलाम अंसारी के 24 वर्षीय पुत्र मेराज अंसारी के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में घायल रितिक रोशन कुमार ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ लौरिया बाजार से सामान खरीदकर बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक सिसवनिया चौक से आगे हाई स्कूल के सामने पहुंची, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइकों पर सवार सभी लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। इधर, लौरिया थानाध्यक्ष इन्द्रजीत पासवान ने बताया कि दुर्घटना में शामिल दोनों बाइकों को जब्त कर थाना लाया गया है। मामले की जांच की जा रही है तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस आगे की आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

गैस एजेंसी की मनमानी बिना गैस दिए ही कर दिया डिलीवर

संवाददाता

नरकटियागंज। प्रखंड डीके शिकारपुर स्थित सम्राट गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं के साथ धोखाधड़ी और मनमानी करने का गंभीर आरोप लगा है। बरवा बरौली गांव निवासी उपभोक्ता खुर्शीद आलम ने अनुमंडल पदाधिकारी और आपूर्ति पदाधिकारी को लिखित शिकायत देकर एजेंसी प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में पीड़ित उपभोक्ता खुर्शीद आलम जिसका उपभोक्ता संख्या 602730 है।उसने अपनी शिकायत में बताया कि वह पिछले करीब 4 महीनों से गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी के चक्कर काट रहे थे। बार-बार दस्तावेज जमा करने के बाद, 7 जून को एजेंसी के मैनेजर ने उनका कार्ड चालू कर गैस बुकिंग की। बुकिंग के बाद उनके मोबाइल पर आए डीएसी नंबर का मैनेजर ने स्क्रीनशॉट लिया और फिर उनके मोबाइल से उस मैसेज को डिलीट कर दिया। इसके बाद उन्हें घर भेज दिया गया। जब काफी समय बीतने के बाद भी गैस सिलेंडर की आपूर्ति नहीं हुई, तो पीड़ित ने ऐप के माध्यम से स्थिति की जांच की। ऐप पर स्टेटस देखने पर उन्हें पता चला कि उनका गैस सिलेंडर पहले ही डिलीवर दिखाया जा रहा है, जबकि वास्तव में उन्हें गैस मिली ही नहीं थी।

जब उपभोक्ता ने इसकी शिकायत करने एजेंसी के मैनेजर के पास पहुंचा, तो कथित तौर पर मैनेजर ने उन्हें धमकाया। पीड़ित के अनुसार मैनेजर ने कहा, की जहां जाना है जाओ, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इतना ही नहीं, मैनेजर ने उपभोक्ता का गैस कार्ड भी ब्लॉक कर दिया है। मामले पर एमओ दीपक कुमार ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद एजेंसी प्रबंधन पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मोदी सरकार के 12 वर्ष विश्वास, विकास एवं जनकल्याण को समर्पित : रामकृपाल यादव

संवाददाता

दरभंगा। जिला अतिथि गृह, दरभंगा में बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री श्री रामकृपाल यादव ने भाजपा दरभंगा जिला पश्चिमी द्वारा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया। संवाददाताओ को संबोधित करते हुए मंत्री रामकृपाल यादव ने केंद्र सरकार के पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा देश के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, आधारभूत संरचना और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। विशेष रूप से दरभंगा एवं मिथिलांचल क्षेत्र में हुए विकास कार्यों को रेखांकित करते हुए बताया गया केंद्र सरकार की योजनाओं, सहयोग से क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति मिली है। इनमें दरभंगा एम्स की स्थापना की दिशा में पहल, दरभंगा हवाई अड्डा के संचालन से क्षेत्र की हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार, रेल ओवर ब्रिज निर्माण कार्यों से यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने का प्रयास, तारामंडल (प्लैनेटेरियम) जैसी आधुनिक शैक्षणिक, वैज्ञानिक सुविधाओं का विकास तथा एलिवेटेड रोड परियोजना के माध्यम से शहरी यातायात को बेहतर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास प्रमुख रूप से शामिल हैं। इसके साथ ही कृषि, ग्रामीण विकास, सड़क एवं परिवहन, डिजिटल सेवाओं के विस्तार, महिला सशक्तिकरण, युवाओं के लिए अवसरों का सृजन तथा गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं की भी चर्चा की। कृषि मंत्री, रामकृपाल यादव ने कहा केंद्र सरकार की नीतियों का उद्देश्य केवल योजनाएँ बनाना नहीं, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने सेवा, सुशासन, जनकल्याण के माध्यम से आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुक्त राशन, 58 करोड़ से अधिक जनधन खाते, 11 करोड़ से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि, 4 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के आवास, 60 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत कार्ड, 11 करोड़ से अधिक उज्जवला गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस अवसर पर सांसद डॉ गोपाल जी ठाकुर, बेनीपुर के विधायक सह सचेतक प्रो विनय कुमार चौधरी, पूर्व मंत्री हरि सहनी, जिला अध्यक्ष आदित्य नारायण मन्ना, जिला प्रभारी उमेश कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी मुकुंद चौधरी, अमरनाथ सिंह, जिला महामंत्री, संतोष पोद्दार सुजीत मल्लिक, सुनील चौधरी, श्रवण महतो, श्रवण मिश्र, विजय पोद्दार, ब्रह्मानंद यादव, राकेश झा, प्रेम कुमार मिश्र रिंकू, कृष्ण भगवान झा, प्रतीक कुमार, अभिषेक कर्ण उपस्थित थे।

विशुनपुरवा में नव निर्वाचित एमएलसी शिवरानी देवी का भव्य अभिनंदन

पटना से बगहा जाने के दौरान जदयू नेताओं व कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से किया स्वागत

संवाददाता

लौरिया / रामनगर: प्रखंड के सिसवनिया पंचायत स्थित पंचायत भवन विशुनपुरवा में नव निर्वाचित विधान परिषद सदस्या एवं पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शिवरानी देवी का जदयू कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। पटना से बगहा जाने के दौरान आयोजित स्वागत समारोह में पार्टी नेताओं और कार्यकताओं ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया तथा मिठाई खिलाकर जीत की शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में जदयू के जिलाध्यक्ष कन्हैया कुशवाहा, प्रखंड अध्यक्ष हिमांशु कुमार सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान पूरे परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। स्वागत समारोह को संबोधित करते हुए नव निर्वाचित एमएलसी शिवरानी देवी ने कहा कि उन्हें जो सम्मान और जिम्मेदारी मिली है, उसके लिए वह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभार व्यक्त करती हैं।

उन्होंने कहा, "यह मेरे लिए गर्व और सम्मान का विषय है कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा जताया है। बिहार की चार सीटों में से दो सीटों पर अति पिछड़ा वर्ग की महिलाओं का निर्विरोध निर्वाचित होना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं के अधिकार, सम्मान और भागीदारी को बढ़ाने के लिए जो संकल्प लिया गया है, उसे आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।" जदयू जिलाध्यक्ष कन्हैया कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ने हमेशा महिलाओं के अधिकार, सम्मान और भागीदारी को मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा, "पंचायती राज संस्थाओं से लेकर सरकारी नौकरियों तक महिलाओं को आरक्षण देकर उन्हें मुख्यधारा में लाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया है। अति पिछड़ा वर्ग की दो महिलाओं को विधान परिषद भेजकर पार्टी ने सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर साबित किया है। कार्यक्रम में प्रखंड जदयू अध्यक्ष हिमांशु कुमार, अमर लाल सिन्हा, डिप्टी राम, सुनीता चौरसिया, युवा नेता राजू मल, टाइगर सहित दर्जनों जदयू कार्यकर्ता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नव निर्वाचित एमएलसी को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। नव निर्वाचित एम एल सी शिवरानी देवी का रामनगर मे भी कार्यकर्त्ताओ ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। जिसमे प्रखंड अध्यक्ष संजय मिश्रा, हिरा पटेल, प्रभु नाथ कुशवाहा, विश्वनाथ पटेल, विरू पटेल, प्रदीप गुप्ता, राधेश्याम यादव, तबरेज आलम, समेत भारी संख्या मे जदयू के कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर मंत्री ने नियुक्त किए विभागीय प्रतिनिधि

संवाददाता

रामनगर: डेयरी एवं मत्स्य संसाधन विभाग तथा पशु संसाधन विभाग के मंत्री सह रामनगर विधायक नंदकिशोर राम ने अपनी अनुपस्थिति में आम जनता की समस्याओं के त्वरित निष्पादन और विभागीय समन्वय बनाए रखने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के लिए प्रतिनिधियों को मनोनीत किया है. इस संबंध में संबंधित वरीय पदाधिकारियों को भी सूचित कर दिया गया है.जारी मनोनयन के अनुसार प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय एवं बाल विकास परियोजना विभाग के लिए विरेन्द्र तिवारी को प्रतिनिधि बनाया गया है. वहीं जन वितरण प्रणाली से संबंधित मामलों के लिए उमेश राम, शिक्षा विभाग के लिए

प्रमोद साह, स्वास्थ्य विभाग के लिए मुन्ना सिंह तथा वन एवं कृषि विभाग के लिए अजय खतईत को प्रतिनिधि मनोनीत किया गया है. ये प्रतिनिधि संबंधित विभागों से जुड़ी जनसमस्याओं को सुनकर उन्हें मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों तक पहुंचाने तथा समाधान की दिशा में समन्वय स्थापित करने का कार्य करेंगे. इससे आम लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण में सुविधा मिलेगी और विभागीय कार्यों की निगरानी भी बेहतर ढंग से हो सकेगी. मंत्री नंदकिशोर राम की इस पहल को लेकर नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में खुशी का माहौल है. स्थानीय लोगों का कहना है कि विभिन्न विभागों के लिए अलग-अलग प्रतिनिधियों की नियुक्ति से जनता और प्रशासन के बीच संवाद मजबूत होगा तथा लोगों की समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगा. इस निर्णय पर हर्ष व्यक्त करने वालों में पंकज झुनझुनवाला, श्रीकांत गुप्ता, गगन प्रसाद, संजय मिश्र, सुनील पटेल, उपेन्द्र श्रीवासत्व, दीपू श्रीवासत्व, सुरेश गुप्ता, सुनील सोनी, आनंद सिंह समेत अनेक स्थानीय लोग शामिल हैं. उन्होंने मंत्री के इस कदम को जनहित में उठाया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताया.

सकरी चीनी मिल का पुनः संचालन क्षेत्र के किसानों, मजदूरों एवं युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा : ईश्वर मंडल

संवाददाता

दरभंगा। बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत सकरी चीनी मिल को पुनः चालू करने की दिशा में तेजी से तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में दरभंगा ग्रामीण विधायक सह जदयू जिलाध्यक्ष राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने सकरी चीनी मिल परिसर पहुंचकर वहा चल रही शुरूआती तैयारियों का समुचित निरीक्षण एवं जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान श्री मंडल ने मिल परिसर में उपलब्ध संसाधनों, आधारभूत संरचनाओं तथा पुनः संचालन से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मिल के पुनरुद्धार शुरूआती कार्यों की प्रगति, तकनीकी आवश्यकताओं एवं भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। श्री मंडल ने कहा बंद पड़ी शकरी के इस औद्योगिक इकाई को पुनः चालू

कर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की जाएगी। सकरी चीनी मिल का पुनः संचालन क्षेत्र के किसानों, मजदूरों एवं युवाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इससे गन्ना उत्पादक किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा क्षेत्र के समग्र आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। सरकार के प्रयासों से सकरी चीनी मिल शीघ्र ही पुनः संचालित होगी और यह दरभंगा सहित पूरे मिथिला क्षेत्र के औद्योगिक विकास का एक नया अध्याय लिखेगी। निरीक्षण में आज देव नारायण ठाकुर, भोला पासवान, चंदन कुमार झा, मुरारी मोहन मिश्रा, प्रकाश चंद्र मिश्र, अब्दुल कलाम, गंगा राम मंडल, प्रमोद ठाकुर राघवेन्द्र पासवान, दीपक झा, भवनाथ झा, वीरेन्द्र साहनी, सन्नी महतो, आनंद मंडल, धर्मेंद्र यादव, चैती सदाय, राम बच्चन मंडल, आदि लोग उपस्थित थे।

सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव को सांसद ने सौंपा पत्र, दरभंगा सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक को शीघ्र चालू करने का किया आग्रह

दरभंगा सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक का शीघ्र शुरू होना आवश्यक : डा गोपाल जी ठाकुर

संवाददाता

दरभंगा। जिला में सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक के बंद होने से जिला के किसानों को केंद्र, राज्य सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से वंचित होना पर रहा है। दरभंगा जिला में स्थित दरभंगा जिला केंद्रीय सहकारी बैंक, जो कभी किसानों, छोटे व्यापारियों एवं आमजनों के लिए एक सशक्त वित्तीय आधार रहा है, विगत कई दशकों से बंद पड़ा हुआ है। इसके लंबे समय से निष्क्रिय रहने के कारण क्षेत्र के कृषकों, मजदूरों एवं आम नागरिकों को भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है इसलिए इसके संबंध में सभी औपचारिकताओं को पूरा कर इसे शीघ्र प्रारंभ किया जाय।

स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री श्री रामकृपाल यादव को इस संबंध में एक पत्र को सौंपने के बाद उपरोक्त बातें कही। सहकारिता मंत्री श्री यादव को सौंपे पत्र में सांसद ने लिखा है कि दरभंगा सेंट्रल कॉपरेटिव बैंक के माध्यम से पूर्व में कृषि ऋण, अल्पकालिक वित्तीय सहायता तथा विभिन्न सहकारी योजनाओं का लाभ स्थानीय जनता को सुलभ रूप से प्राप्त होता था। इसके बंद हो जाने से सहकारिता तंत्र अत्यंत कमजोर हुआ है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर

भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। सांसद डा ठाकुर ने इस संबंध में मंत्री का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा है दरभंगा जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के पुनरुद्धार एवं पुनः संचालन हेतु आवश्यक प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रक्रिया अविलंब प्रारंभ कराने की आवश्यकता है जिसके लिए संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के मध्य समुचित समन्वय स्थापित कर ठोस एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित कर इस संबंध में जिलाधिकारी दरभंगा को आवश्यक निर्देश प्रदान करें।

अभियुक्त के निशानदेही पर औरंगाबाद पुलिस एवं एसटीएफ टीम ने घटना में प्रयुक्त हथियार को किया बरामद

संवाददाता

औरंगाबाद : बंदेया थानान्तर्गत ग्राम-चपरा में तालाब में चल रहे खुदाई के काम को सुचारू रूप से चलाने हेतु अज्ञात अपराधियों नक्सलियों के द्वारा यादी और उनके साथियों को थमकी भरा पत्र देते हुए लेवी/रंगदारी की मांग करने के संबंध में बंदेया थाना कांड संख्या-53/25, दिनांक-26.05.2025 के अन्तर्गत सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुनः दिनांक-27.05.2026 की समय रात्रि करीब 1 बजे ग्राम-चपरा से तालाब में खुदाई कर रहे कर्मियों द्वारा बंदेया थानाध्यक्ष को सूचना दी गई थी कि अज्ञात अपराधियों नक्सलियो के द्वारा हमलोगों को धमकी देते हुए काम रोकने एवं समान जलाने की बात कहीं गई। दिनांक-30.05.2026 को औरंगाबाद पुलिस द्वारा उक्त कांड में संलिप्त कुल 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है एवं अवैध हथियार बरामदगी के संबंध में बंदेया थाना कांड संख्या-57/26, दिनांक-30.05.2026 के अन्तर्गत सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस दबिश के कारण कांड संख्या-57/26 के अप्राथमिकी अभियुक्त मंटू पासवान ने माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण किया एवं औरंगाबाद पुलिस द्वारा दिनांक 12.06.2026 को अभियुक्त से पुछताछ हेतू माननीय न्यायालय से 24 घंटे के लिए पुलिस हिरासत में लिया गया। पूछताछ के क्रम में अभियुक्त मंटु पासवान के निशानदेही पर ग्राम मायापुर स्थित घर से औरंगाबाद पुलिस एवं एसटीएफ टीम द्वारा संयुक्त रूप से देशी कर्याइन-1 एवं जिंदा कारतुस-4 बरामद किया गया। अग्रतर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही हैं।

दो अवैध और चार बिना आइएसटीपी के पकड़े गए हाइवा कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप

संवाददाता

औरंगाबाद : जिले में अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध खनन विभाग ने अपनी सख्ती बढ़ा दी है। शनिवार को जिला खनन पदाधिकारी हरेश कुमार के निर्देश पर देव थाना क्षेत्र के भवानीपुर के समीप एक विशेष और सघन जांच अभियान चलाया, जिसमें विभाग को बड़ी सफलता मिली है। कार्रवाई के फलस्वरूप 2 अवैध गिट्टी लदा हाइवा तथा इंटर स्टेट ट्रांजिट पास (आइएसटीपी) के बिना 4 हाइवा पकड़े गए है। इस कार्रवाई से अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त लोगों के बीच हड़कंप मच गया है। खनन ने साफ कर दिया है कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ उनका अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई में खनन निरीक्षक कुमार प्रत्यूष एवं इकबाल हुसैन के साथ अन्य पुलिस बल के जवान शामिल थे। इस कार्रवाई को लेकर खनन निरीक्षक कुमार प्रत्यूष ने बताया कि पिछले कुछ समय से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कई वाहन चालक नियमों की अनदेखी कर अवैध तरीके से

औरंगाबाद की सीमा में प्रवेश कर रहे है। इस दौरान कुछ गाड़ियां बिना इंटर स्टेट ट्रांजिट पास के भी सीमा में प्रवेश कर रहे हैं। चेकिंग अभियान के दौरान दो अवैध गिट्टी लदा हाइवा तथा चार हाइवा बिना आइएसटीपी के पकड़े गए। विभाग द्वारा इन पर लाखों रुपये का भारी-भरकम जुमार्ना लगाया गया है, साथ ही स्थानीय थाने में संबंधित नियमों के तहत एक लिखित प्राथमिकी भी दर्ज करा दी गई है ताकि दोषियों पर कानूनी शिकंजा कसा जा सके। खनन निरीक्षक ने साफ कर दिया है कि जिला अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्रों में ओवरलोडिंग, अवैध खनन तथा बिना चालान के होने वाले अवैध परिवहन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी इस प्रकार का औचक चेकिंग अभियान पूरी कड़ाई के साथ लगातार जारी रहेगा ताकि राजस्व की चोरी और सड़कों को नुकसान पहुंचाने वाले माफियाओं पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके। खनन निरीक्षक इकबाल हुसैन ने बताया कि 10 जून को जारी आदेश के तहत अन्य राज्यों से खनिज लेकर आने वाले वाहनों के लिए ट्रांजिट पास अनिवार्य है। अब झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों से बिहार आने वाले खनिज वाहनों को आनलाइन पंजीकरण कराकर ट्रांजिट पास प्राप्त करना होगा। उन्होंने बताया कि इससे अवैध खनन, फर्जी चालान और अनियमित खनिज परिवहन पर प्रभावी रोक लगेगा। विभाग ने समय रहते सभी संबंधित लोगों से प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है। विभाग द्वारा ट्रांजिट पास शुल्क भी निर्धारित कर दिया गया है। भुगतान केवल आनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। नए नियम के अनुसार खनिज स्रोत स्थल से परिवहन चालान जारी होने के छह घंटे के भीतर वाहन पर लदे खनिज के अनुरूप ट्रांजिट पास लेना अनिवार्य होगा। इसकी वैधता परिवहन चालान की अवधि के बराबर होगी। परिवहन के दौरान वाहन चालक के पास संबंधित राज्य का वैध चालान और आईएसटीपी दोनों दस्तावेज होना आवश्यक होगा।

सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक आहूत की गई

संवाददाता

बेगुसराय: जिला पदाधिकारी बेगूसराय श्री श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कारगिल विजय सभा भवन में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा नियमों के अनुपालन, प्रवर्तन कार्रवाई तथा पूर्व में दिए गए निदेशों की अनुपालना की समीक्षा की गई।

बैठक में बताया गया कि सड़क सुरक्षा नियमों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने हेतु परिवहन विभाग एवं पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। मई 2026 के दौरान परिवहन विभाग द्वारा विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में कुल 96.48 लाख रुपये से अधिक

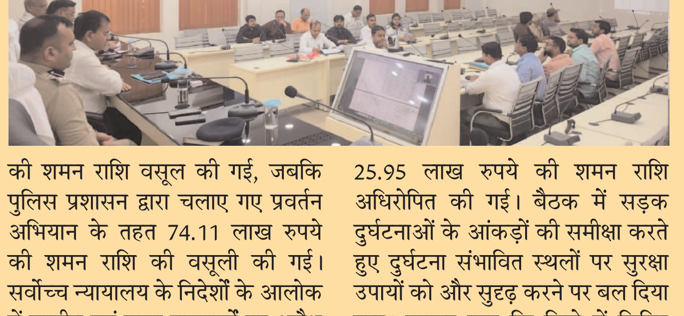

की शमन राशि वसूल की गई, जबकि पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए गए प्रवर्तन अभियान के तहत 74.11 लाख रुपये की शमन राशि की वसूली की गई। सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के आलोक में राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर अवैध पार्किंग एवं यातायात अवरोध उत्पन्न करने वाले वाहनों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि 3 जून से 10 जून 2026 तक कुल 394 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 25.95 लाख रुपये की शमन राशि अधिरोपित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों की समीक्षा करते हुए दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा उपायों को और सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। बताया गया कि जिले में चिह्नित 36 ब्लैक स्पॉट्स पर चेतावनी संकेतक, रंबल स्ट्रिप, रिफ्लेक्टर तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय स्थापित किए जा रहे हैं। जिला पदाधिकारी ने संबंधित निर्माण एजेंसियों को इन स्थलों के शीघ्र सुधार हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान एनएच-31 एवं एसएच-55 सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों पर जलजमाव, अतिक्रमण, अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं यातायात जाम की समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी ने नगर निगम, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सड़क निर्माण विभाग एवं अन्य संबंधित एजेंसियों को समन्वय स्थापित कर समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में सड़क दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के लिए संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता करने वाले गुड सेमेरिटन को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू है।

रेलकर्मी का पुत्र इंडियन आर्मी में मेजर बनाए जाने में गढ़हरा के लोगों में हर्ष

संवाददाता

बरौनी बेगुसराय: पूर्व मध्य रेल के बरौनी स्थित रेलवे सामान्य भंडार डिपो गढ़हरा में चीफ ऑफिस सुप्रिटेंडेंट के पद पर कार्यरत गंगाब्रिज रेलवे कॉलोनी गढ़हरा में रहने वाले रेलकर्मी टीएन सिंह का पुत्र आशीष कुमार को इंडियन आर्मी में प्रोन्नति होने पर शनिवार को मेजर के पद पर सुशोभित किया गया। इससे आशीष के परिवार सदस्यों, मित्रों और समाज के बीच काफी उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर उनके माता पिता को नासिक आर्मी सेंटर बुलाया गया। माता पिता के हाथों आशीष को अशोक स्तंभ

स्टार बेच लगाने की परंपरा पूरी की गई। मेजर आशीष कुमार के पिता श्री सिंह ने बताया कि आशीष लेफ्टिनेंट 13जून 2020को बने। उसके बाद कैप्टन 13जून 2022को बनाए गए। मेजर पद पर प्रोन्नति 13जून 2026को हुई है। सारण जिला के दाउदपुर जिला अंतर्गत मांझी प्रखंड के स्थाई रहने वाले आशीष कुमार की प्रारंभिक शिक्षा बरौनी के केंद्रीय विद्यालय गढ़हरा में हुई। यहां प्रथम से अष्टम तक की पढ़ाई की।

संपादकीय

युद्ध और ट्रम्प के बदलते दांव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की अस्थिर मानसिकता और ईरान के अड़ियल रवैये का खामियाजा पूरी दुनिया भुगत रही है। कल तक ईरान ने तेल भंडार खार्ग द्वीप पर कब्जा कर और भीषण हमले का ऐलान करने वाले ट्रम्प ने फिर कलाबाजी खाते हुए समझौता जल्द होने संबंधी बयान देकर दुनिया की उम्मीदें जगा दी हैं। यह स्पष्ट है कि अमेरिका अंतहीन युद्ध में उलझने का जोखिम नहीं उठा सकता लेकिन तनातनी के चलते पूरी दुनिया में हालात बदतर हो रहे हैं। तेल और ऊर्जा संकट गहरा रहा है। ट्रम्प अपना दांव लगातार बदलते जा रहे हैं। पश्चिम एशिया युद्ध के दौरान भारत को लेकर अमेरिका के दोहरा चरित्र उजागर हो रहा है। होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका में तीन भारतीय जहाजों पर अटैक कर चुका है जिसमें तीन भारतीयों की मृत्यु हो चुकी है। भारत ने इसको लेकर अमेरिका के सामने कड़ा प्रतिरोध दर्ज कराया है। भारत ने इस मामले को यूएनओ में भी उठाया है। चिंता की बात यह है कि वैश्विक समुद्री कार्यबल में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक कार्यरत हैं और ऐसे हमलों में भारतीय नागरिकों की जान गई है या वे लापता हुए हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष के बढ़ने और अन्य देशों तक फैलने से गंभीर चिंता पैदा हुई है। बढ़ती तबाही, मौतों तथा सामान्य जीवन और आर्थिक गतिविधियों के बाधित होने का भारत पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है, क्योंकि भारत इस क्षेत्र का निकटवर्ती पड़ोसी है और क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। अमेरिका एक तरफ हिन्द प्रशान्त क्षेत्र में शांति की बात करता है, इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त करता है। वहीं दूसरी ओर होर्मुज पर जलसंधि को लेकर अमेरिका की नीति अपने प्रभाव को बढ़ाने की है। इधर अब यह भी सवाल उठने लगे हैं कि भारत को क्या अमेरिका के साथ क्वाड में रहना चाहिए या नहीं। मार्च से लेकर जून तक इस युद्ध में अब तक 9 भारतीयों की मृत्यु हो चुकी है। युद्ध के कारण खाड़ी देश में रहने वाले भारत के लोग भी बहुत प्रभावित हुए हैं। खाड़ी देश में भारत की एक बहुत बड़ी आबादी रहती है। युद्ध के कारण उनके रोजगार पर खासा असर पड़ा है।

अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमलों की शुरूआत को 100 दिन से अधिक वक्त हो गया। इन हमलों को क्रमशः एपिक फ्यूरी और राइजिंग लॉयन का नाम दिया गया था। अब यह युद्ध पहले विश्व युद्ध की लड़ाई के उस हिस्से की तरह हो गया है जहां दोनों ही पक्ष बिना किसी उल्लेखनीय सफलता के लगातार लड़ रहे हैं। अयातुल्ला खामेनेई सहित कुछ शीर्ष नेताओं के मारे जाने, अहम बुनियादी ढांचे को व्यापक तौर पर नष्ट किए जाने और करीब 3,500 मौतों के बावजूद ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम समाप्त करने और हिजबुल्लाह जैसे राजनीतिक साझेदारों को त्यागने की अमेरिका और इजराइल की मांग के समक्ष नहीं झुका है। यह संघर्ष पूरे पश्चिम एशिया में फैल गया है जहां अमेरिका के क्षेत्रीय सहयोगी कतर, बहरीन और यूएई अपने तेल और गैस बुनियादी ढांचे के विनाशकारी नुकसान का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान द्वारा कराई गई युद्ध विराम वार्ता में कोई प्रगति नहीं हुई क्योंकि दोनों पक्ष अपनी अधिकतम मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इस बीच शेष विश्व को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है क्योंकि ईरान और अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के दोनों सिरों को अवरुद्ध कर रखा है। यही वह मार्ग है जहां से दुनिया के कुल कच्चे तेल और गैस का करीब 40 फीसदी आता-जाता है। लड़ाई के पहले जहां इस मार्ग से रोज करीब 100 से अधिक पोत निकलते थे वहीं अब इनकी संख्या घटकर 7 रह गई है। इसके चलते असाधारण वैश्विक तेल संकट उत्पन्न हुआ है यूक्रेन और ईरान में चल रहे संघर्षों से दो मूलभूत सबक मिलते हैं कि महाशक्तियों की भी अपनी सीमाएं होती हैं और लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों में घातक हथियारों के विशाल भंडार से कहीं अधिक लचीलापन मायने रखता है। दोनों संघर्षों में कमजोर देशों ने मजबूत विरोधियों का सामना करने में असाधारण लचीलापन दिखाया है।

राजनीति का नासूर 'परिवारवाद'

स्वतन्त्र भारत की राजनीति शुरू से ही अन्तर्विरोधों से ग्रस्त रही है। आजादी के बाद जब कांग्रेस पार्टी से समाजवादी गुट टूट कर अलग हुआ तो आचार्य कृपलानी, डा. राम मनोहर लोहिया व आचार्य नरेन्द्र देव ने दो अलग पार्टियों का गठन किया। इनमें से आचार्य कृपलानी की पार्टी कृषक-मजदूर पार्टी थी और डा. लोहिया व आचार्य जी की समाजवादी पार्टी थी। बाद में समाजवादी पार्टी भी दो टुकड़ों संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी व प्रजा समाजवादी पार्टी में विभक्त हुई। मगर यह विभाजन विशुद्ध सैद्धान्तिक व वैचारिक आधार पर था। मगर जब 1967 के आम चुनावों में नौ राज्यों में कांग्रेस के पूर्ण बहुमत से दूर रहने के कारण बगावत हुई तो कारण सैद्धान्तिक से अधिक सामाजिक बुनावट के राजनीति पर पड़ने वाले असर से था। इस क्रम में पहली बगावत उत्तर प्रदेश से हुई जहां से स्व. चौधरी चरण सिंह ने 14 विधायकों के साथ अपना अलग गुट जन कांग्रेस बनाने की घोषणा की। उनकी देखा-देखी मध्य प्रदेश से लेकर हरियाणा व प. बंगाल तक भी यह क्रम चला और कांग्रेसियों की बगावत की वजह से आठ राज्यों में गैर कांग्रेसी संविद (संयुक्त विधायक दल) की सरकारों का गठन हुआ जिनकी कमान विद्रोही कांग्रेस नेताओं के हाथों में ही थी। मगर संविद सरकारों का प्रयोग असफल रहा क्योंकि इन सरकारों में धुर विरोधी कम्युनिस्ट व जनसंघी एक साथ शामिल थे। केवल पंजाब में अकाली दल व भारतीय जनसंघ का गठजोड़ चुनावों के बाद बना जिसके संयुक्त विधायकों की संख्या कांग्रेसी विधायकों से ज्यादा थी। मगर इसमें भी बीच में ही अकाली दल में बगावत हो गई और इसका एक गुट टूट कर अलग हो गया और उसने जोड़तोड़ करके नई सरकार बना ली। मगर यह दौर सैद्धान्तिक राजनीति को तिलांजली देकर विशुद्ध सत्ता के लिए गठजोड़ करने का प्रथम प्रयास था जिसके परिणाम अच्छे नहीं निकले। मगर 1969 में इन नौ राज्यों में से अधिसंख्यक में मध्यावधि चुनाव हुए जिनमें सबसे प्रमुख उत्तर प्रदेश के चुनाव रहे क्योंकि इस राज्य में चौधरी चरण सिंह ने अपनी अलग से भारतीय क्रान्ति दल पार्टी गठित करके सम्पूर्ण ग्रामीण समाज को एक धर्म व जाति से निरपेक्ष रखते हुए एक मजबूत वोट बैंक की तरह खड़ा किया और कांग्रेस व जनसंघ दोनों ही पार्टियों की जमीन खिसका दी। इसके बाद 1969 में ही राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस पार्टी का विघटन दो पार्टियों में हुआ और इंदिरा जी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी अन्ततः असली कांग्रेस के रूप में 1971 के लोकसभा चुनावों में प्रतिष्ठापित हो गई। इसके बाद 1974 में चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व की लोकप्रियता व उनके ग्रामीण वोट बैंक के समस्त उत्तर भारत में विस्तार को देखते हुए उनके गांधीवादी विचारों के छाते तले संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी, स्वतन्त्र पार्टी व बीजू पटनायक की पार्टी सहित कुछ अन्य छोटे दलों का भी भारतीय क्रान्ति दल में विलय हो गया और इसे नया नाम लोकदल दिया गया। लेकिन इसी वर्ष पूरे देश में स्व. जय प्रकाश नारायण का सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन शुरू हो गया जिसके तेवरों को देखते हुए देश में 1975 में इमरजेंसी लागू कर दी गई और सभी विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिया गया। इसी आन्दोलन के दौरान ग्रामीण पृष्ठभूमि के कई होनहार युवा नेता श्री चरण सिंह के सम्पर्क में आये और जब 1977 में इमरजेंसी उठने पर लोकसभा चुनाव हुए तो इनमें से अधिसंख्य को चौधरी साहब ने लोकसभा का टिकट नई बनी जनता पार्टी का दिया जो कि लोकदल व जनसंघ के साथ इन्दिरा विरोधी कांग्रेस के विलय से बनी थी। इन नेताओं में लालू प्रसाद यादव से लेकर मुलायम सिंह यादव व नीतीश कुमार व रामविलास पासवान आदि थे। साथ ही हरियाणा के चौधरी देवी लाल उनके निकट सहयोगी थे। मगर 1980 में जनता पार्टी के बिखर जाने और इन्दिरा गांधी के पुनः सत्तारूढ़ हो जाने से लोकदल पार्टी का नया नामकरण दलित मजदूर किसान पार्टी (दमकिपा) हुआ और ग्रामीण पृष्ठभूमि के सभी बड़े नेता इसके साथ जुड़े रहे। 1984 में अचानक प्रधानमन्त्री रहते हुए जब श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या हुई तो इसके तुरन्त बाद हुए लोकसभा चुनावों में उनके पुत्र स्व. राजीव गांधी को प्रधानमन्त्री बना दिया गया और उन्हीं के नेतृत्व में इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव लड़े गये जिनमें कांग्रेस को रिकार्ड बहुमत प्राप्त हुआ जबकि पंजाब व असम में ये चुनाव मुल्तवी रखे गये थे। 1984 के लोकसभा चुनावों मैं चौधरी चरण सिंह के साथ अपने तत्कालीन राष्ट्रीय हिन्दी अखबार की तरफ से चुनाव ब्यौरे के लिए भेजा गया था। चौधरी साहब ग्रामीण जनता के एकछत्र नेता थे जिन्हें किसान नेता कह कर भी पुकारा जाता था। चौधरी साहब का चुनाव प्रचार करने का अन्दाज निराला था। वह ग्रामीणों को समझाते थे कि जिस देश में किसान या खेती पर निर्भरता ज्यादा होगी वह देश गरीब होगा और जिस देश में लोग दूसरे धंधों में ज्यादा लगे होंगे वह अमीर होगा। इस सन्दर्भ में वह अमेरिका का उदाहरण दिया करते थे और कहते थे कि किसानों की नई पीढ़ियों को दूसरे धंधों में लगना चाहिए मगर इसके लिए किसानों की आमदनी बढ़ानी जरूरी है जो पैदावार बढ़ा कर और सरकारी उपायों से की जानी चाहिए क्योंकि जैसे-जैसे कालों की नई पीढ़ियां आती जायेंगी वैसे-वैसे ही उनके परिवारों की जमीनों का भी बंटवारा होता जायेगा।

गृहिणी राष्ट्रनिर्माता है तो हिंसा की शिकार क्यों

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिमार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है

भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के दावे लंबे समय से किए जाते रहे हैं। उन्हें 'आधी आबादी' और विकास की समान भागीदार कहा जाता है। शिक्षा, रोजगार, राजनीति और नेतृत्व के क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जाती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की प्रतिबद्धता जताई जाती है। सरकारें महिला सशक्तीकरण को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करती हैं और समाज भी महिलाओं की उपलब्धियों पर गर्व व्यक्त करता है। लेकिन इन सबके बीच कुछ ऐसे तथ्य सामने आते हैं, जो हमें इस सशक्तीकरण के वास्तविक स्वरूप पर पुनर्विचार करने के लिए विवश करते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें 'नेशन बिल्डर' अर्थात राष्ट्रनिमार्ता कहा। न्यायालय ने यह भी माना कि घरेलू कार्यों और परिवार की देखभाल में महिलाओं द्वारा किए जाने वाले श्रम का आर्थिक मूल्य है और उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरी ओर राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण क्षेत्रों की प्रत्येक चौथी तथा शहरी क्षेत्रों की प्रत्येक छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती है। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिमार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय भारतीय समाज में महिलाओं के अवैतनिक श्रम को मान्यता देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सदियों से गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को केवल कर्तव्य या प्रेम का विस्तार मान लिया गया। घर की सफाई, भोजन बनाना, बच्चों का पालन-पोषण, बुजुर्गों की सेवा, परिवार के स्वास्थ्य और संस्कारों की रक्षा, घरेलू प्रबंधन और सामाजिक संबंधों का निर्वहन-इन सभी कार्यों को महिलाओं का स्वाभाविक दायित्व माना गया। परिणामस्वरूप उनके श्रम को कभी आर्थिक दृष्टि से नहीं आंका गया। वास्तव में यदि किसी परिवार में गृहिणी द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों के लिए अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त किया जाए, तो उस पर भारी आर्थिक व्यय आएगा। इसके बावजूद गृहिणी के श्रम को न तो वेतन मिलता है और न ही सामाजिक मान्यता। वह चौबीस घंटे और वर्ष के तीन सौ पैंसठ दिन कार्यरत रहती है। उसका कोई अवकाश नहीं होता, कोई पदोन्नति नहीं होती और कोई सेवानिवृत्ति नहीं होती। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि गृहिणी केवल परिवार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी योगदान देती है, सामाजिक चेतना को नई दिशा देने वाला विचार है। न्यायालय ने मोटर दुर्घटना मुआवजा मामले में गृहिणी की सेवाओं का मूल्यांकन न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह के आधार पर करने की बात कही। यह केवल एक कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता को चुनौती है जो घरेलू श्रम को महत्वहीन समझती रही है। वास्तव में महिलाओं का यह अदृश्य श्रम देश की अर्थव्यवस्था की नींव है। यदि इस श्रम का आर्थिक मूल्यांकन किया जाए और उसे सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शामिल किया जाए, तो भारत की अर्थव्यवस्था की तस्वीर काफी बदल सकती है। लेकिन इसी संदर्भ में दूसरा पक्ष और भी अधिक चिंता पैदा करता है। जिस महिला के योगदान को सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्र निर्माण का आधार मान रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सफल 12 वर्ष के रिकार्ड प्रधानमंत्री शासन की आयोजनाओं के अवसर पर महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सम्मान की अधिकारी मान कर रहे हैं, क्या उसे वह सम्मान, सुरक्षा और गरिमा प्राप्त है जिसकी वह अधिकारी है? दुर्भाग्य से इसका उत्तर संतोषजनक नहीं है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा आज भी एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक चौथी महिला और शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक छठी महिला हिंसा का सामना करती है। 18 से 49 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित महिलाओं में लगभग 22 प्रतिशत ने स्वीकार किया है कि उन्हें वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा झेलनी पड़ी। यह स्थिति एक गहरे विरोधाभास को उजागर करती है। जिस महिला को राष्ट्रनिमार्ता कहा जा रहा है, वही महिला अपने घर, परिवार और समाज में असुरक्षा और हिंसा का सामना करने को विवश है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं की सुरक्षा के लिए अनेक कानून बनाए जा चुके हैं और महिला अधिकारों को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि यदि कानून मौजूद हैं, योजनाएं चल रही हैं और महिला सशक्तीकरण को राष्ट्रीय एजेंडा बनाया जा चुका है, तो फिर महिलाओं के खिलाफ हिंसा क्यों नहीं रुक रही? आखिर क्यों घर से लेकर कार्यस्थल तक महिलाएं स्वयं को पूर्णतः सुरक्षित महसूस नहीं कर पातीं? इसका उत्तर केवल कानूनी व्यवस्था में नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में छिपा है। भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी पितृसत्तात्मक सोच से प्रभावित है। महिलाओं को परिवार की धुरी तो माना जाता है, लेकिन निर्णय लेने की स्वतंत्रता और समान अधिकार देने में संकोच किया जाता है। एक ओर उनके श्रम पर परिवार की पूरी व्यवस्था निर्भर रहती है, दूसरी ओर उनके योगदान को पर्याप्त सम्मान नहीं मिलता। यही मानसिकता कई बार घरेलू हिंसा, आर्थिक शोषण और सामाजिक भेदभाव का कारण बनती है। आज भी दहेज प्रथा समाज पर कलंक बनी हुई है। अनेक शिक्षित परिवारों में भी दहेज की मांग और उससे जुड़े अपराध सामने आते हैं। हाल के वर्षों में दहेज हत्या और उत्पीड़न के अनेक मामले राष्ट्रीय चर्चा का विषय बने हैं। यह विडंबना ही है कि एक लड़की की शिक्षा, पालन-पोषण और विवाह पर भारी व्यय करने वाले माता-पिता को विवाह के समय अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाने के लिए मजबूर किया जाता है। यह केवल सामाजिक कुरीति नहीं, बल्कि महिलाओं के सम्मान पर सीधा आघात है। इसके अतिरिक्त कई क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बताकर प्रताड़ित करने, यौन हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और लैंगिक भेदभाव जैसी समस्याएं भी मौजूद हैं। विशेष रूप से ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में अंधविश्वासों तथा सामाजिक पिछड़ेपन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं अधिक दिखाई देती हैं। यह स्थिति दशार्ती है कि आर्थिक विकास के बावजूद सामाजिक चेतना का विकास अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। महिला सशक्तीकरण को केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व या आर्थिक अवसरों तक सीमित नहीं किया जा सकता। सशक्तीकरण का वास्तविक अर्थ है-सम्मान, सुरक्षा, समान अवसर और स्वतंत्र निर्णय क्षमता। यदि कोई महिला आर्थिक रूप से सक्षम है, लेकिन घर में हिंसा का शिकार है, तो उसे पूर्णतः सशक्त नहीं कहा जा सकता। इसी प्रकार यदि उसे राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल जाए, लेकिन सामाजिक सम्मान न मिले, तो भी सशक्तीकरण अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी दृष्टि से देखा जाए। महिलाओं के घरेलू श्रम को मान्यता देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विद्यालयों और परिवारों में लैंगिक समानता के संस्कार विकसित किए जाएं। पुरुषों और लड़कों को भी इस परिवर्तन प्रक्रिया का भाग बनाया जाए। केवल महिलाओं को जागरूक करने से समस्या का समाधान नहीं होगा, समाज की सोच में परिवर्तन लाना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। पुलिस और प्रशासन को महिलाओं से जुड़े मामलों में अधिक संवेदनशील और उत्तरदायी बनाना होगा। कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि अपराधियों में दंड का भय उत्पन्न हो और पीड़ित महिलाओं को न्याय प्राप्त हो सके। साथ ही यह भी आवश्यक है कि महिलाओं के अवैतनिक श्रम को राष्ट्रीय आर्थिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाए।

समय आ गया है कि घरेलू कार्यों को केवल निजी दायित्व न मानकर सामाजिक और आर्थिक योगदान के रूप में स्वीकार किया जाए। इससे न केवल महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना भी सुदृढ़ होगी। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र निर्माण केवल संसद, उद्योग, सेना या प्रशासन तक सीमित नहीं है। परिवार का निर्माण और उसका संरक्षण भी राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और इस कार्य की सबसे बड़ी वाहक महिला है। लेकिन यदि वही महिला हिंसा, भेदभाव और असुरक्षा का सामना करती रहे, तो राष्ट्र निर्माण का यह सपना अधूरा ही रहेगा। इसलिए आज आवश्यकता केवल महिलाओं के श्रम का मूल्यांकन करने की नहीं, बल्कि उनके जीवन का मूल्य समझने की है।

जसपाल राणा- अभी तो बहुत काम बाकी था

जसपाल ने कई अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं में अद्भुत व शानदार प्रदर्शन कर भारत का मस्तक गर्व से ऊंचा किया। 1994 मिलान विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में उनकी जीत यादगार रही। उन्होंने यह जीत दर्द से कराहते हुए प्राप्त की थी। प्रतियोगिता से एक दिन पहले उन्हें घुटने में फोड़ा हो गया था और डॉक्टरो ने उन्हें सर्जरी की सलाह देकर अस्पताल से छुट्टी देने से मनाकर दिया था किंतु उन्होंने राष्ट्रप्रथम की भावना को ध्यान में रखा और डॉक्टरों की सलाह को दरकिनार करते हुए प्रतियोगिता मे भाग लेने का निश्चय किया किंतु अस्पताल से निकलने के बाद उसी रात फोड़ा फूट गया और उनका दर्द बढ़ गया

भारतीय निशानेबाजी के महारथी और कोच जसपाल राणा के असामयिक निधन से सभी ओर शोक व्याप्त है। मात्र 49 वर्ष में चले जाना निश्चय ही ह्रदय विदारक है। देश के लिए अपूरणीय क्षति है। जसपाल निशानेबाजी के ऐसे पुरोधा थे जिन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों में 15 पदक जीतकर भारत का मान बढ़ाया, स्वयं एशियाई खेलों और ओलपिंक में देश का प्रतिनिधित्व करने के बाद नई पीढ़ी को तैयार करने में जुट गए। इस समय वे युवा निशानेबाज मनु भाकर के गुरु थे। जसपाल राणा को अर्जुन पुरस्कार, पद्मश्री और द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह भारतीय खेल इतिहास के सबसे चमकदार व होनहार निशानेबाज थे। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में जन्मे जसपाल राणा को उनके पिता नारायण सिंह राणा ने बीएसएफ अधिकारी द्वारा प्रशिक्षित करवाया था। 12 वर्षीय राणा ने अहमदाबाद में 31वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप से राष्ट्रीय निशानेबाजी में पदार्पण किया था। तब किसी ने यह नहीं सोचा था कि एक दिन यह छोटा बालक इतना करिश्माई निकलेगा। जसपाल ने आरम्भ में पिस्टल और राइफल दोनों से अभ्यास किया किंतु बाद में फेडरेशन ने एक इवेंट के लिए एक ही शूटर को चुनने का नियम लागू किया जिसके बाद उन्होंने पिस्टल शूटिंग को चुना। जसपाल 12 वर्ष की आयु तक आते आते राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने लगे थे। उन्होंने 1988 में 12 वर्ष की अवस्था में ही 31वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीत लिया था। जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ खेलों और एशियाई खेलों को मिलाकर कुल 23 पदक अपने नाम किए थे। जसपाल ने एशियाई खेलों में चार स्वर्ण पदक, दो रजत और दो कांस्य पदक जीते वहीं राष्ट्रमंडल खेलों में नौ स्वर्ण, चार रजत व दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। एशियाई चैंपियनशिप में एक स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता जबकि विश्व जूनियर चैंपियनशिप में एक स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जसपाल ने कई अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं में अद्भुत व शानदार प्रदर्शन कर भारत का मस्तक गर्व से ऊंचा किया। 1994 मिलान विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में उनकी जीत यादगार रही। उन्होंने यह जीत दर्द से कराहते हुए प्राप्त की थी। प्रतियोगिता से एक दिन पहले उन्हें घुटने में फोड़ा हो गया था और डॉक्टरो ने उन्हें सर्जरी की सलाह देकर अस्पताल से छुट्टी देने से मनाकर दिया था किंतु उन्होंने राष्ट्रप्रथम की भावना को ध्यान में रखा और डॉक्टरों की सलाह को दरकिनार करते हुए प्रतियोगिता मे भाग लेने का निश्चय किया किंतु अस्पताल से निकलने के बाद उसी रात फोड़ा फूट गया और उनका दर्द बढ़ गया। वे अपनी जींस तक नहीं उतार पा रहे थे। ऐसे में उन्होंने जीन्स को फाड़कर ही हाफ पैंट बनाई और उसे पहनकर ही अगली सुबह प्रतियोगिता में उतरे। राणा ने असहनीय दर्द में मैच खेला और जूनियर कैटेगरी में विश्व रिकार्ड के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। इसी वर्ष उन्होंने हिरोशिमा एशियाई खेलों में भी स्वर्ण पदक जीता था। 1994 में हिरोशिमा एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद जसपाल को इसी वर्ष मात्र 18 वर्ष की अवस्था में अर्जुन पुरस्कार मिला। जसपाल राणा का जीवन खेल व राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा। वह हर बार रेंज पर उतरते समय देश का गौरव अपने साथ लेकर चलते थे। एक खिलाड़ी के रूप में तो उनका कैरियर शानदार रहा। दूसरी पारी में वह एक अच्छे प्रशिक्षक बने। उनके मार्गदर्शन में मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीते।

उन्होंने सौरभ चौधरी, अनीश भानवाला और चिंकी यादव सहित कई अन्य निशानेबाजो के कैरियर को संवारने में अहम भूमिका निभाई । जसपाल राणा की उपलब्धियों ने देश को खुशी से झूमने का अवसर दिया। अगली पीढ़ी को गढ़ा। उनकी लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तराखंड के लोकप्रिय गीतकार नरेंद्र सिंह नेगी ने जसपाल के नाम से वर्ष 1999 में एक गीत बनाया था। मात्र 49 वर्ष की अवस्था में जसपाल का जाना एक शून्य उत्पन्न कर गया है। अभी तो बहुत कुछ करना था जसपाल.....इतनी जल्दी क्यों की जाने की ?

तृण तृण बिखरती तृणमूल

जब 4 मई 2026 को बंगाल जनता ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल सरकार की विदाई का जनादेश सुनाया तब किसी ने भी सपने नहीं सोचा था कि इस हार के बाद तृणमूल कांग्रेस तृण तृण होकर बिखरने लगेगी। बंगाल विधानसभा में तृणमूल के 80 विधायक जीतकर आए थे जिनमें से पहले 58 विधायक अलग हुए फिर उनकी संख्या बढ़कर 64 हो गई, नेता प्रतिपक्ष भी उन्होंने अपने मन का बना लिया। लोकसभा में 19 सांसदों ने बागी होकर अलग गुट बना लिया है, बागियों की संख्या आगे भी बढ़ सकती है। राज्यसभा सांसदों के त्यागपत्र भी आ रहे हैं। राज्यसभा सांसद सुखेदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव तथा प्रकाश चिक बराईक इस्तीफा दे चुके हैं। आश्चर्यजनक रूप से ममता के सबसे करीबी कल्याण बनर्जी भी बगावती तेवर दिखा रहे हैं।

जिला और पंचायत स्तर पर भी पार्टी की यही स्थिति है। मात्र एक महीना पहले तक यही सांसद और विधायक ममता दीदी के साथ साए की तरह लगे रहते थे। जैसे ही बंगाल की जनता ने सत्ता बदली इन नेताओं का रुख बदल गया। आज ये नेता जिन विषयों पर ममता और अभिषेक बनर्जी को कोस रहे हैं सत्ता में रहते हुए कभी उन विषयों पर मुंह नहीं खोला, आर.जी. कर और संदेशखाली तक ये लोग मुंह में दही जमाए थे। राजनैतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इनमें से कई लोग ऐसे भी हैं जिनके ऊपर कोई न कोई केस चल रहा है और सत्ता जाने के बाद ममता दीदी में इनको बचाने का सारथ्य नहीं रहे तो ये भविष्य में किसी जांच और सजा से बचने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

तृणमूल सांसदों व विधायकों की लगातार बगावत से यह संकेत भी जा रहा है कि क्या ममता दीदी का अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के प्रति अधिक झुकाव उनकी पार्टी की इस हालत का कारण है। इससे तृणमूल के बागी नेताओं के स्वार्थी चरित्र की भी पोल खुल रही है। दल में तानाशाही इनको तब दिखाई दी जब सत्ता की मलाई छीन गई, यदि अभिषेक बनर्जी की अगुआई में पार्टी जीत गई होती और इनका लूट खसोट का धंधा चलता रहता तो इनकी आज जागी हुई आत्मा सोई पड़ी रहती। आज जो सांसद बगावती तेवर अपना रहे हैं उनमें से दस पहली बार चुनकर आए हैं। ये तृणमूल नेताओं की वो पीढ़ी है जिसे ममता बनर्जी ने बीजेपी के खिलाफ लड़ाई का नया चेहरा बनाकर आगे बढ़ाया था। अब यही लोग अपना भविष्य सुधारने के लिए ममता दीदी के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, क्योंकि

ये जानते हैं बंगाल में सत्ता में आई पार्टियाँ कम से कम डेढ़-दो दशक सता में रहती हैं, इस तरह आने वाले 15-20 वर्षों तक इनका कोई भविष्य नहीं होगा। तृणमूल नेताओं के प्रति जनता के गुस्से का आलम ये है कि चुनाव में पार्टी को धूल चटाने के बाद भी उसका मन नहीं भरा है। आए दिन तृणमूल नेताओं की सड़कों पिटाई की जा रही है। तृणमूल नेता जहां भी जाते हैं जनता उन्हें चोर-चोर कहकर पुकारती है और उन पर टमाटर-अंडे फेंकती है। अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी जैसे नेताओ तक पर अंडे टमाटर फेंके जा चुके हैं और पिटाई हो चुकी है। यह भी संभव कि बंगाल की जनता में व्याप्त इस भयंकर आक्रोश से बचने के लिए भी तृणमूल नेता बगावती हो रहे हों। तृणमूल के जिला स्तरीय नामचीन नेता इस्तीफा दे रहे हैं। कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, चंदन नगर के मेयर राम चक्रवर्ती, बिधान नगर के मेयर कृष्णा चक्रवर्ती और कटवा म्युनिसिपलिटी चेयरमैन कमलकांता चक्रवर्ती ने सौ से अधिक पार्षदों सहित इस्तीफा दे दिया है। राज्यभर से तृणमूल से लगातार इस्तीफों व बगावत के समाचार आ रहे हैं। हुगली, नादिया, मुर्शिदाबाद और उत्तर व दक्षिण -24 परगना जैसे गढ़ों में प्रतिदिन पंचायत सदस्यों के पाला बदलने की खबरें आ रही हैं। टीएमसी में बगावत व इस्तीफों के बाद कोलकाता नगर निगम ही भंग कर दिया गया है। बंगाल में यह भी दावा किया जा रहा है कि इनमें से बहुत से लोग जेल जाने से बचने के लिए यह तरीका अपना रहे हैं। अभिषेक बनर्जी के डायमंड हार्बर मॉडल का कुख्यात चेहरा और चुनावों के दौरान अपने आप को पुष्पा कहने वाला फाल्टा विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार जहाँगीर खां के जेल जाने से अफरा तफरी का माहौल है। तृणमूल नेताओं के पाप जैसे उतरा रहे हैं। बंगाल पुलिस को संदेशखाली के तालाब से बड़ी मात्रा में हथियार मिले हैं, एक खेत से करोड़ों का कैश और हथियार मिले हैं। बमों व अन्य हथियारों की फैक्ट्रियां मिल रही हैं। हजारों की संख्या में सफेद साड़ियाँ मिली हैं जो तृणमूल ने चार मई के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं की विधवाओं को देने के लिए रखी थीं यदि गलती से भी तृणमूल जीत जाती तो वही लोग जो आज इस्तीफा देकर भाग रहे हैं भाजपा कार्यकर्ताओं के नर संहार का नेतृत्व करते। अपराधों की जो फेहरिस्त है उसे देखकर लगता है कि ममता दीदी और उनके चाटुकारों का शेष जीवन अब कोर्ट कचहरी का चक्कर लगाने या फिर जेल में ही बीतने वाला है।

एक समय वाराणसी लोकसभा से पीएम नरेंद्र मोदी को हराने और दिल्ली आकर इंडी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली ममता दीदी के लिए अपनी पार्टी का अस्तित्व बचा कर रखना भी मुश्किल हो चुका है।

संक्षिप्त खबरें

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीर परिवार सहायता योजनाएवं सितारास्क्रीन के बारे में जागरूकता शिविर

संवाददाता

जहानाबाद: सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष श्री विकास कुमार के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव बृजेश कुमार के नेतृत्व में जहानाबाद नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 30 में विद्वान अधिवक्ता श्री जितेंद्र कुमार सक्सेना के अध्यक्षता में वीर परिवार सहायता योजना 2025 एवं सितारा स्कीम के बारे में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर में विद्वान अधिवक्ता जितेंद्र कुमार सक्सेना ने बताया कि वीर परिवार सहायता योजना मुख्य रूप से भारतीय सैनिक, पूर्व सैनिक और उनके परिवारों के लिए मुक्त कानूनी सहायता योजना शुरू की गई है! यह योजना राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहा है इसका मुख्य उद्देश्य सैनिकों के घर में कानूनी मामले जैसे जमीन जायदाद, पारिवारिक विवाद से मुक्त रखना ताकि वह बिना चिंता के देश की सीमा पर ड्यूटी कर सके और भी ढेर सारी योजनाएं सैनिकों के लिए हैं तो पूरा जानकारी के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नालसा की आधिकारिक वेबसाइट पर देखें सकते हैं! पाराविधिक स्वयंसेवक पूनम कुमारी ने बताई की राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली द्वारा संचालित सितारा योजना 2023 है इस योजना के तहत जिले के सभी ट्रांसजेंडर को चिन्हित कर उनके पहचान पत्र रहने के लिए आवास तथा नालसा के द्वारा संचालित सभी लाभकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है! जिसमें जहानाबाद जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा अभी तक 12 ट्रांसजेंडर को परिचय पत्र बनाया गया है विशेष का आगे का काम जारी है! साथ ही 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में सभी लोग से अपील किया गया कि आप लोग राष्ट्रीय लोक अदालत में बढ़ चढ़कर भाग ले और अपने लंबित मामलों का निपटारा आपसी सहमति से कराये!

वजीरगंज में कार से 640 लीटर देसी शराब बरामद, तस्कर फरार

संवाददाता

वजीरगंज गया: वजीरगंज थाना क्षेत्र के कनौदी सड़क पर बीते शुक्रवार देर रात पुलिस ने कार्रवाई कर एक कार से 640 लीटर देसी शराब बरामद की है। शराब तस्कर मौके से फरार हो गया। थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कनौदी सड़क से शराब की खेप जा रही है। पुलिस ने नाकेबंदी कर एक मारुति सुजुकी डिजायर कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देख चालक कार छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। तलाशी लेने पर कार से बोरा में बंद 640 लीटर देसी शराब बरामद की गई। जब्त शराब व कार को थाना लाकर मामला दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि वाहन मालिक एवं फरार तस्कर की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। वजीरगंज पुलिस शराब तस्करी पर लगातार कार्रवाई कर रही है। पिछले 1 महीने में ये तीसरी बड़ी बरामदगी है।

बीएसएफ जवान अश्विनी कुमार का बीकानेर में निधन, रविवार सुबह पैतृक गांव पचरुखी पहुंचेगा पार्थिव शरीर

संवाददाता

मोहड़ा गया: मोहड़ा प्रखंड के सेवतर पंचायत अंतर्गत पचरुखी गांव निवासी एवं बीएसएफ जवान अश्विनी कुमार का राजस्थान के बीकानेर में निधन हो गया। वे शिक्षक रामशरण सिंह के पुत्र थे और वर्तमान में बीकानेर में ड्यूटी पर तैनात थे। मृतक के पुत्र शशिकांत साही ने बताया कि उनके पिता को वर्ष 1989 में बीएसएफ में नौकरी मिली थी। ड्यूटी के दौरान अचानक परिवार को सूचना मिली कि उनकी तबीयत खराब होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके कुछ समय बाद ही फोन पर उनके निधन की दुखद खबर दी गई। अश्विनी कुमार के निधन की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव और आसपास के क्षेत्र में भी शोक की लहर दौड़ गई है। परिजनों के अनुसार, अश्विनी कुमार का पार्थिव शरीर रविवार सुबह तक गया पहुंचने की संभावना है। उनके साथ ड्यूटी पर तैनात साथी जवान पार्थिव शरीर को लेकर आ रहे हैं। इसके बाद पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पचरुखी ले जाया जाएगा, जहां अंतिम दर्शन के बाद गया स्थित विष्णुपद क्षेत्र में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। अश्विनी कुमार के निधन से परिवार, गांव और क्षेत्र के लोगों में गहरा शोक व्याप्त है।

उनकी सेवाओं और योगदान को लोग भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहे हैं। वही अतरी थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि उनके आने तक का इंतजार है आते ही अतरी पुलिस व जेठियन ओपी पुलिस दल वल के साथ सलामी कार्य में भाग लेंगे '

बाढ़ में भाजपा की प्रेस वार्ता: सांसद शिवेश राम ने गिनाई मोदी सरकार के 12 साल की ऐतिहासिक उपलब्धियां

संवाददाता

बाढ़ के मलाही स्थित भाजपा कार्यालय में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से रखा गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद शिवेश राम उपस्थित रहे। उनके साथ बाढ़ के विधायक डॉ सियाराम सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज शर्मा तथा जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र प्रसाद सहित भाजपा नेता राजेश सिंह राजू भाजपा उपाध्यक्ष बाढ़, नगर मंडल तथा बीस सूत्री के अध्यक्ष संजय शाह भाजपा कार्यालय प्रभारी ब्रजेश यादव, भाजपा नेता संतोष कुमार समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राज्य सभा सांसद शिवेश राम ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में हुए विकास कार्यों को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को एक नई दिशा दी है और वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत किया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मोदी ने जवाहर लाल नेहरू के लंबे कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बने रहने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानमंत्री की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आधारभूत संरचना के क्षेत्र में तेजी से विकास किया है—सड़क, रेल, एयरपोर्ट और डिजिटल कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है।

प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल की प्रवक्ता सह विधान पार्षद डॉ उर्मिला ठाकुर से राजद नेताओं ने मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी प्राप्त की : एजाज अहमद

संवाददाता

पटना: बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल की प्रवक्ता सह विधान पार्षद डॉ. उर्मिला ठाकुर के पैर में फ्रैक्चर होने की सूचना के बाद आज राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री अरविन्द कुमार सहनी एवं अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता श्री उपेंद्र चंद्रवंशी ने उनके आवास पर पहुंचकर उनके स्वास्थ्य के संबंध में सारी जानकारी प्राप्त की और उनके जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की। इस संबंध में राष्ट्रीय जनता दल के नेता अशोक कुमार यादव ने बताया कि इन्हें कंप्लीट बेड रेस्ट करने और हर तरह की जांच-पड़ताल के बाद डॉक्टर ने बताया कि सारी रिपोर्ट के आधार पर आगे इलाज किया जाएगा।

बच्चों के संगीतमय कलरव से गूंजा असुरारी गांव

13 गांव के 98 बच्चे ले रहें हैं भाग

संवाददाता

बीहट बेगुसराय: असुरारी गांव का वातावरण बदला-बदला दिख रहा है। अहले सुबह से ही राजकीयकृत मध्य विद्यालय असुरारी, नगर परिषद बीहट का परिसर संगीत की धुन पर थिरक रहा है। उनके साथ 13 गांव के 98 बच्चों का सामूहिक स्वराभ्यास और व्यायाम उनके मन और तन दोनों को रोमांचित कर रहा है। सच है कि अब धीरे धीरे यहां का मौसम बदलने लगा है वातावरण सो रहा था अब आंख मलने लगा है। ये गीत इन दिनों रंग उमंग कार्यशाला के बच्चों के कलरव से आ रही है। ये बच्चे कल तक कला की विभिन्न विधाओं से अपरिचित थे, आज अपने जीवन के कई रंगों को पहचाना शुरू कर दिया है। ये जीवन जीने की कला सीख रहें हैं। ये प्रतिभागी विगत 7 जून से आकाश गंगा रंग चौपाल एसोसिएशन बरौनी द्वारा आयोजित शंभु साह स्मृति ग्रीष्मकालीन रंग कार्यशाला रंग उमंग में भाग ले रहे हैं। लगभग 98 की संख्या में ये बच्चे अलग-अलग गांव से राजकीयकृत विद्यालय असुरारी पहुंच रहें हैं लेकिन इन बच्चों के स्वर एक हो चुके हैं। इनकी बोली एक हो चुकी है। इनका शोर, इनका उल्लास -उमंग सब कुछ एक जैसा दिख रहा है और यह प्रयास आकाश गंगा के सदस्य कलाकार कर रहे हैं। संस्था के लगभग 25 प्रशिक्षक रोज-ब-रोज अहले सुबह से लेकर दोपहर बाद तक बच्चों को कला की विभिन्न विधाओं से अवगत करा रहे हैं। कोई नृत्य, तो कोई नाटक, कोई चित्रकला तो कोई संगीत। आप जिधर भी देखिए बच्चों की अपनी धुन है। कार्यशाला में भाग ले रही रूपा कहती है कि यह अवसर अब तक नहीं मिला था। इस अवसर के लिए मैं सभी प्रशिक्षकों का आभारी हूं। कार्यशाला में नृत्य सीख रही नैना, माही, काव्या का कहना है की सुदूर देहात में इस तरह से कभी भी हम बच्चों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का अनुभव नहीं मिल पाया था। आज हम सब प्रशिक्षित हो रहे हैं तो मन की उत्कंठा धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। जबकि कार्यशाला में भाग ले रही आयुषी, शांतनु, शिवानी, कृष, वैष्णवी, अस्मिता, अमृता, शालिनी, अर्चना, साक्षी, रागिनी, ऋतिका, राखी, आरुही, सत्यम, शिवांश, मौसम, सत्यम, अदिति, प्रहलाद, आरुषि, भारती सहित अन्य प्रतिभागी बच्चों ने कहा कि शायद जीवन में यह अद्भुत पल फिर नहीं मिल पायेगा। जहां इतने लोगों के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। कार्यशाला के बच्चे अब धीरे-धीरे अपनी बात रखनी शुरू कर दी है। संगीत के सारेगामा से लेकर अभिव्यक्ति के सबसे सशक्त माध्यम नाटक से भी जुड़ रहे हैं। कार्यशाला निर्देशक गणेश गौरव इन्हें खेल-खेल में कला की विभिन्न जानकारियों से लैस कर रहे हैं। संगीत प्रशिक्षक आनन्द, दिनेश दिवाना, अमर ज्योति, संतोष, येबलिराम, निखिल, कविता बच्चों को स्वर लय ताल के साथ नृत्य भी सीखा रहें हैं। फाइन आर्ट के मनीष कुमार, अंकित वर्मा ने रंग, माटी और कागज के माध्यम से कार्यशाला को रोचक बना दिया है। जबकि नृत्य में नरेश कुमार, साक्षी, अनिमेश, रोहित वर्मा अपना बेस्ट दे रहे हैं। नाटक को लेकर रवि वर्मा और कार्यशाला निर्देशक गणेश कुमार स्वयं बच्चों से रूबरू हो रहे हैं। कार्यशाला में राधे, जितेंद्र शर्मा, शिक्षक कृष्णनंदन कुमार, गौरी कुमारी सहित अन्य प्रशिक्षक हर बच्चों के पीछे मेहनत से लगे हुए हैं। एसोसिएशन के सचिव गणेश गौरव कहते हैं कि आकाशगंगा रोज-ब-रोज काम करने वाली संस्था है ये केवल संगीत, नाटक, चित्रकला मात्र के लिए ही काम नहीं करती बल्कि सामाजिक मुद्दों को लेकर आम आवाम तक जाने वाली महत्वपूर्ण संस्था है। एसोसिएशन के अध्यक्ष सह कार्यशाला प्रभारी डॉ कुंदन कुमार कहते हैं कि कार्यशाला स्थानीय जन समुदाय की भागीदारी से आयोजित है।

जिसमें असुरारी, हवासपुर, पिपरादेवस, मालती, हाजीपुर, बथोली, बीहट, सिमरिया, चकिया, गढ़हरा, चकवल, तेघड़ा, छितनौर सहित 13 गांव के बच्चे इस कार्यशाला में अपनी उपस्थिति दे रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कार्यशाला को देखने सुनने गांव के अभिभावक, जनप्रतिनिधि रोज-ब-रोज अपनी उपस्थिति दे रहे हैं। स्थानीय बीहट नगर परिषद के मुख्य पार्षद बबीता देवी, उप मुख्य पार्षद ऋषिकेश कुमार, वार्ड पार्षद अशोक कुमार, जदयू नेता रामनरेश सिंह, प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, पपरौर पैक्स अध्यक्ष हरिशंकर राय, असुरारी के सुनील कुमार, मिथिलेश कुमार, सन्तोष कुमार अपनी मेहनत से इस कार्यशाला को बेहतरीन बनाने में जुटे हुए हैं। आलम यह है कि प्रतिभागी बच्चों के अभिभावक भी अब कार्यशाला में अपनी उपस्थिति देने लगे हैं और वे भी खुद को प्रतिभागी के रुप में देखना चाहते हैं । बहरहाल कार्यशाला अपने परवान पर है।

महिला एवं बाल विकास गया द्वारा सखी वार्ता कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

गयाजी: महिला एवं बाल विकास निगम, गया द्वारा सखी वार्ता कार्यक्रम का आयोजन आंगनबाड़ी केंद्र (AWC) पैमार, प्रखंड वजीरगंज, जिला गया में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा तथा सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति अंतर्गत संचालित महिला हेल्पलाइन-181, जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन (DHEW), प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, वन स्टॉप सेंटर, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम, साइबर अपराध से बचाव तथा महिला सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम, गया से सुशांत आनंद, विशाल कुमार वर्मा एवं श्रीकांत कुमार ने उपस्थित महिलाओं को विभिन्न योजनाओं की पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी प्रदान की तथा महिला सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, लाभुक महिलाएँ एवं स्थानीय ग्रामीण महिलाओं की सक्रिय सहभागिता रही तथा सभी को सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

राष्ट्रीय प्रतिभा गौरव सम्मान-2026 से सम्मानित हुए पर्यावरणविद् प्रो. श्याम नंदन प्रसाद

संवाददाता

पटना: प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं पर्यावरण शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय समाजसेवी प्रो. श्याम नंदन प्रसाद को उनके उत्कृष्ट सामाजिक, शैक्षणिक एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी योगदान के लिए राष्ट्रीय प्रतिभा गौरव सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें शिक्षा, साहित्य, समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण एवं राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

इस अवसर पर प्रो. श्याम नंदन प्रसाद ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि देशभर के सभी पर्यावरण प्रेमियों, शुभचिंतकों, परिजनों, मित्रों तथा उनके ख्यातिप्राप्त ए.ई.एस. समूह के माननीय सदस्यों के सहयोग, शुभकामनाओं एवं आशीर्वाद का परिणाम है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी सहयोगियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सतत प्रोत्साहन और विश्वास के बिना यह सम्मान प्राप्त करना संभव नहीं था। साथ ही उन्होंने पार्श्व अंतरराष्ट्रीय वि. वि. धर्मार्थ ट्रस्ट के संस्थापक माननीय दिनेश्वर वर्मा जी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माननीय डॉ. राम रतन श्रीवास राधे-राधे जी के प्रति विशेष कृतज्ञता व्यक्त की। प्रो. प्रसाद ने भावुक शब्दों में कहा कि वे इस सम्मान को अपनी जन्मभूमि बाढ़ (पटना, बिहार) की पावन धरती को समर्पित करते हैं, जहां उनका जन्म हुआ और जिसने उन्हें समाज एवं राष्ट्र के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण, जन-जागरूकता तथा सतत विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करते रहने का संकल्प व्यक्त किया।

पटना विश्वविद्यालय के छात्र संघ पूर्व अध्यक्ष मनीष यादव एवं छात्र नेता दीपक कुमार अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में शामिल

संवाददाता

पटना: आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम, पटना में एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष मनीष यादव एवं छात्र नेता दीपक कुमार अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम के हाथों कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने पार्टी में शामिल नेताओं एवं कार्यकताओं का स्वागत करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी देश और समाज के हर वर्ग की आवाज को मजबूती से उठाने वाली पार्टी है। युवाओं की बढ़ती भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि छात्र

राजनीति से निकले युवा नेतृत्व के कांग्रेस परिवार में शामिल होने से पार्टी की विचारधारा और जनाधार को और बल मिलेगा। राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस सदैव लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक न्याय, संविधान और युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मनीष यादव, दीपक कुमार एवं उनके समर्थक संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। पार्टी में शामिल नेता मनीष यादव एवं दीपक कुमार ने कांग्रेस नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं तथा जनहित के मुद्दों पर मजबूती से काम करेंगे। मिलन समारोह का मंच संचालन पार्टी के वरिष्ठ नेता ब्रजेश प्रसाद मुनन ने किया। मिलन समारोह के मौके पर विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, सांसद पप्पू यादव, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, असितनाथ तिवारी, डा0 संजय यादव, स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, वैद्यनाथ शर्मा, पंकज यादव, उमैर खा, अरविन्द लाल रजक, राजीव मेहता, मृणाल अनामय, प्रेमचन्द सिंह, ई0 कमल कमलेश, चन्द्रभूषण राजपूत, डा0 अमन कुमार, नीतू सिंह निषाद, उदय शंकर पटेल, विनीता भगत, विमलेश तिवारी, रंजीत यादव, हीरा सिंह बग्गा, शालीग्राम शर्मा, इबरार रजा, राहुल भारद्वाज निशांत करपटने, मुन्द्रिका सिंह यादव, सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की वर्ष 2026 की द्वितीय बैठक संपन्न

संवाददाता

औरंगाबाद : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी, अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह की अध्यक्षता में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 तथा नियमावली, 1995 (समय-समय पर संशोधित) के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं अनुश्रवण समिति की वर्ष 2026 की द्वितीय बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत दर्ज कांडों की अद्यतन स्थिति, पीड़ितों को प्रदत्त राहत एवं पुनर्वास सहायता, लंबित मामलों की प्रगति तथा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। समिति द्वारा संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को मामलों के त्वरित निष्पादन, पीड़ितों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने तथा अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

साथ ही अधिनियम के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, पीड़ितों को त्वरित न्याय सुनिश्चित करने तथा विभागों के मध्य प्रभावी समन्वय स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया। अपर समाहर्ता, औरंगाबाद द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों एवं मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन किया जाए तथा पीड़ितों को नियमानुसार सहायता एवं संरक्षण

उपलब्ध कराया जाए।

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। समिति के सभी सदस्यों ने अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए निरंतर सहयोग एवं समन्वय बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) जयप्रकाश नारायण, सिविल सर्जन, पुलिस उपाधीक्षक (नोडल डीएसपी), वरीय कोषागार पदाधिकारी, लोक अभियोजक, निदेशक डीआरडीए अनुपम कुमार, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा अभियान), जिला कल्याण पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। समिति सदस्य माधेश्वर पासवान, श्री राजेश्वर पासवान सहित अन्य माननीय सदस्यों ने बैठक में सहभागिता की। इसके अतिरिक्त विधायक, ओबरा के प्रतिनिधि भी बैठक में उपस्थित रहे।

बभनडीहा क्रिकेट कमिटी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला संपन्न दाउदनगर बनी चैंपियन

संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद) : प्रखंड अंतर्गत ग्राम बभनडीहा में आयोजित क्रिकेट कमिटी टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल मुकाबला शुक्रवार को दाउदनगर और अतरौली की टीमों के बीच खेला गया। दर्शकों से खचाखच भरे मैदान में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः दाउदनगर की टीम ने शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया।

फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दाउदनगर की टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 विकेट के नुकसान पर 118 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अतरौली की टीम ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी की, लेकिन दाउदनगर के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी। निर्धारित 10 ओवर में अतरौली की टीम 8 विकेट के नुकसान पर केवल 70 रन ही बना सकी। इस प्रकार दाउदनगर ने 48 रन से जीत हासिल कर टूनार्मेंट की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दाउदनगर के रवि कुमार को "मैन ऑफ द मैच" तथा बालाजी को "मैन ऑफ द सीरीज" के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विजेता दाउदनगर टीम को 5, 000 रुपये नगद पुरस्कार एवं आकर्षक ट्रॉफी, जबकि उपविजेता अतरौली टीम को 2, 500 रुपये नगद पुरस्कार के साथ ट्रॉफी प्रदान की गई।

टूनार्मेंट के दौरान ओबरा विधानसभा क्षेत्र से बसपा के पूर्व प्रत्याशी संजय शर्मा, बभनडीहा के सरपंच मोहम्मद जावेद सिद्दीकी, पूर्व पैक्स अध्यक्ष प्रत्याशी सहजानंद कुमार डीकू, अभिषेक कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में कमिटी सदस्य बारिश अली, मोहम्मद खालिद, मोहम्मद शौकत, मोहम्मद मेराज एवं सुल्तान अहमद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मैच का आंखों देखा हाल जिसान अंसारी ने सुनाया, जबकि अंपायरिंग की जिम्मेदारी अंशु सिंह और शाहिद सिद्दीकी ने निभाई। टूनार्मेंट के सफल आयोजन से क्षेत्र के खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

प्रवेक्षण गृह, बेतिया में व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का सफल आयोजन

संवाददाता

बेतिया: आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आज प्रवेक्षण गृह, बेतिया में "पर्सनालिटी डेवलपमेंट कार्यशाला" का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों एवं किशोरों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सकारात्मक सोच, प्रभावी संवाद कौशल तथा जीवन मूल्यों का विकास करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदित्य मधुकर (नेशनल यूथ आइकन) ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए व्यक्तित्व विकास के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच तथा निरंतर सीखने की प्रवृत्ति अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों एवं युवाओं को अपने लक्ष्य निर्धारित कर दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को व्यक्तित्व विकास, प्रभावी संवाद कौशल, समय प्रबंधन, नेतृत्व क्षमता एवं नैतिक मूल्यों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। साथ ही विभिन्न प्रेरणादायक गतिविधियों एवं संवाद सत्रों के माध्यम से उन्हें जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर सीपीओ अजय पासवान एवं एडीसीपी दिलीप कुमार कामत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रवेक्षण गृह के प्रभारी अधीक्षक शंभू प्रसाद, हाउस फादर प्रमोद सिंह लोधी, पैरामेडिकल स्टाफ

राकेश कुमार, हाउस मदर साजिदा गुफरान, परामर्शदाता मिथिलेश कुमार, संगीत शिक्षक प्रभात कुमार तथा आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट के सचिव प्रभात कुमार झा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की कार्यशालाओं को अत्यंत उपयोगी बताते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट ने भविष्य में भी शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में इस प्रकार के रचनात्मक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

रामपुर गोनौली में 34.97 लाख लागत से पुल निर्माण को मिली प्रशासनिक मंजूरी: गरिमा

संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या-34 अंतर्गत रामपुर गोनौली मोहल्ला के निवासियों के लिए राहत भरी खबर है। लंबे समय से आवागमन और जल- निकासी की समस्या से जूझ रहे इस इलाके में अब पुल निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम बोर्ड ने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देते हुए 34 लाख 97 हजार 900 रुपये की लागत से पुल निर्माण योजना को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है।

महापौर ने बताया कि नगर निगम बोर्ड की बैठक में पारित इस योजना का उद्देश्य स्थानीय लोगों को बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराना है। बरसात के दिनों में रामपुर गोनौली के कई हिस्सों में जलभराव और रास्ता अवरुद्ध होने से लोगों को काफी परेशानी उठानी

पड़ती थी। खासकर स्कूली बच्चों, किसानों और मरीजों के लिए आवाजाही चुनौतीपूर्ण बनी रहती थी।

पुल निर्माण के बाद क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही आसपास के मोहल्लों और बाजारों तक पहुंच आसान हो जाएगी। स्थानीय नागरिकों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ा कदम बताया है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम बोर्ड से प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद नगर निगम प्रशासन के द्वारा जल्द ही निविदा प्रकाशन प्रक्रिया शुरू करने के साथ निर्माण कार्य को धरातल पर उतारा जाएगा। महापौर ने बताया कि यह योजना वार्ड-34 के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

संक्षिप्त खबरें

मोकामा के सुमन सिंह ने बिहार स्टेट हैमर थ्रो चैंपियनशिप में जीता गोल्ड, बढ़ाया शहर का मान

संवाददाता

मोकामा: मोकामा के फारसी महल्ला निवासी श्री रामानुज सिंह के सुपुत्र सुमन सिंह ने पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 92वीं बिहार जूनियर/सीनियर हैमर थ्रो स्टेट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 49.31 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह प्रतियोगिता 10 से 13 जून 2026 के दौरान आयोजित की गई। सुमन सिंह की इस उपलब्धि से पूरे मोकामा में खुशी का माहौल है। इससे पहले भी वे विभिन्न राज्यस्तरीय और अन्य खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मोकामा और बिहार का नाम रोशन कर चुके हैं। उनकी लगातार सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। स्थानीय खेल प्रेमियों और नागरिकों ने सुमन सिंह को बधाई देते हुए उम्मीद जताई है कि उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और पर्याप्त सहयोग मिले, ताकि वे राज्य स्तर की इस सफलता को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की उपलब्धियों में बदल सकें। सभी की कामना है कि सुमन आने वाले वर्षों में देश के लिए भी पदक जीतकर मोकामा और बिहार का गौरव बढ़ाएं।

विद्यालय में फेल व्यवस्था खत्म करने की बात कर के शिक्षा मंत्री ध्वस्त शिक्षा व्यवस्था पर पर्दा डाल रहे हैं: अरुण यादव

संवाददाता

पटना: राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने कहा कि बिहार की शिक्षा व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने के बजाय शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी विद्यालय में फेल व्यवस्था खत्म करने की बात कर बिहार की ध्वस्त शिक्षा व्यवस्था पर पर्दा डाल रहे हैं। प्रतिस्पर्धी परीक्षा के दौर में राज्य के शिक्षा मंत्री द्वारा इस तरह का बयान दुर्भाग्यपूर्ण है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि सरकार को थोड़ी सी भी शिक्षा व्यवस्था की चिंता है तो विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता, बेहतर शिक्षण, नियमित मूल्यांकन, अतिरिक्त कक्षाएं और कमजोर छात्रों के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम चलाने चलाये। सरकार बैठे लोगों को मालूम होना चाहिए कि शिक्षा में सुधार का रास्ता गुणवत्ता से होकर जाता है, केवल औपचारिक रूप से पास कराने से नहीं।

राजद प्रवक्ता ने कहा कि बिहार की एनडीए सरकार ने 20 बर्षों के शासनकाल में बिहार की शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को देशभर में हंसी का पात्र बना दिया है। एनडीए सरकार के पास विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुहैया कराने को लेकर किसी प्रकार का रोडमैप नहीं है। डिजिटल शिक्षा, पुस्तकालय, खेल मैदान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के मामले में बिहार अभी भी फिसड्डी राज्यों के श्रेणी में है। राजद प्रवक्ता ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर एनडीए सरकार अगर गंभीर रहता तो 20 वर्षों के लंबे शासनकाल के बावजूद हर मामले में शिक्षा व्यवस्था की दयनीय स्थिति नहीं रहती।

पूर्व सांसद ने विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लंबित वेतन-पेंशन एवं सेवांत लाभ देने के लिए मुख्यमंत्री का जताया आभार

संवाददाता

औरंगाबाद : भाजपा के पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पटना में मुख्यमंत्री आवास लोकसेवक भवन में मुलाकात कर राज्य के 13 विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के लंबित वेतन-पेंशन एवं सेवांत लाभ बकाया की समस्या से अवगत कराया था। बिहार सरकार ने समस्या को गंभीरता से लिया और राज्य के 13 विश्वविद्यालयों को वेतन-पेंशन भुगतान के लिए 999.84 करोड़ रुपए जारी कर दिया गया। इस मौके पर पूर्व सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने मेरी उपस्थिति में ही संबंधित अधिकारियों को इस गंभीर विषय के त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक निर्देश दिए थे।मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि राज्य सरकार द्वारा विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लंबित वेतन एवं पेंशन भुगतान के लिए 999.84 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इस राशि से सेवानिवृत्त कर्मियों के पेंशन भुगतान, उपादान (ग्रेच्युटी) अर्जित अवकाश, नकदीकरण, चिकित्सा भत्ता और अन्य देय लाभों के भुगतान किया जाएगा।उच्च शिक्षा विभाग के इस निर्णय से राज्य के हजारों शिक्षकों कर्मचारियों और पेंशनधारियों को राहत मिलेगी और जल्द हि उनकी राशि मिल जाएगी।विभाग ने विश्वविद्यालय प्रशासन को शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया है।इस महत्वपूर्ण एवं कर्मचारी हितैषी निर्णय के लिए मुख्यमंत्री के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता हूँ।यह निर्णय हजारों कर्मचारियों एवं पेंशनभोगियों के जीवन में राहत एवं विश्वास का संचार करेगा।

बर्थडे पार्टी के दौरान फायरिंग 11 खोखों के साथ युवक गिरफ्तार

संवाददाता

औरंगाबाद : शुक्रवार कि रात्री समय-11 बजे नगर थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि पुरानी सब्जी मंडी स्थित सौरभ कुमार सिंह के हाता में गोली फायरिंग करने की घटना घटी है। उक्त सूचना पर औरंगाबाद पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पुरानी सब्जी मंडी स्थित सौरभ कुमार सिंह के हाता से कुल-11 फायर किया हुआ खोखा के साथ अभियुक्त रविकान्त कुमार को विधिवत गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में नगर थाना कांड संख्या-383/26, दिनांक-13.06.2026 के अन्तर्गत सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया गया। काण्ड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद के निर्देशन में अनुपुपदा सदर-1 के नेतृत्व में एक विषेश टीम का गठन कर काण्ड में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की अविलंब गिरफ्तारी हेतु निर्देषित किया गया। उक्त गिरफ्तार अभियुक्त ने अपना अपराध स्वीकार किया एवं अपने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि इस हाता व जमीन के मालिक सौरभ कुमार सिंह अपने तीन-चार साथियों के साथ अपना जन्मदिन मनाने आया एवं अपने पास रखे पिस्तौल से 10-15 राउण्ड फायरिंग किया। फायरिंग उपरांत फायर किया हुआ 11 खोखा मुझे रखने के लिए दिया तत्पश्चात अपने दोस्तो के साथ चला गया। उक्त गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है एवं अग्रतर विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही हैं।

रोहतास में सड़क किनारे खेल रहे दो वर्षीय बच्चे को डंपर ने कुचला

संवाददाता

सासाराम। रोहतास जिले के तिलौथू प्रखंड के अमझोर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। पड़रिया एनएचटीसी पथ पर एक डंपर की चपेट में आने से दो वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने वाहन जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतक 2 वर्षीय अनुराग शर्मा अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसके पिता अजीत शर्मा फोर व्हीलर चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। इकलौते पुत्र की मौत के बाद परिवार पूरी तरह टूट गया है। मां चंदा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं परिजन और ग्रामीण उन्हें सांत्वना दे रहे हैं।

इस घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पड़रिया गांव निवासी अजीत शर्मा का दो वर्षीय पुत्र अनुराग शर्मा घर के पास खेलते-खेलते सड़क पर पहुंच गया। उसी दौरान डेहरी से बंजारी की ओर जा रहा एक डंपर अनियंत्रित होकर बच्चे को कुचल दिया। मां द्वारा आवाज लगाने के बावजूद बच्चा संभल नहीं सका और हादसा हो गया।

नीट यूजी पेपर लीक और सीबीएसई की अनियमितताओं पर कांग्रेस का व्यापक प्रदर्शन, धर्मेंद्र प्रधान की बर्खास्तगी की मांग

▶ 12 वर्षों में 89 पेपर लीक का रिकॉर्ड बना चुकी है भाजपा एनडीए सरकार: राजेश राम ▶ छात्रों का भविष्य अधर में लटका, अवसर की समानता को खत्म कर रही है मोदी सरकार: राजेश राम

संवाददाता

पटना: विगत 3 मई को आयोजित नीट यूजी परीक्षा पेपर लीक और सीबीएसई में रिजल्ट और कॉपी में अनियमितताओं के बाद कांग्रेस के कड़े विरोध के दबाव में केंद्र सरकार ने नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दिया और सीबीएसई में हुई अनियमितताओं पर जांच समिति का गठन कर दिया लेकिन अब भी इस मामले में दोषियों की पूरी गिरफ्तारी नहीं होने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के उदासीनता के कारण बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में बिहार के कांग्रेसजन ने व्यापक प्रदर्शन और प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में 89 परीक्षा प्रश्नपत्र लीक हुए हैं और खुद एनटीए के अधीन नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र चार बार लीक हो चुके हैं, जिससे केंद्रीय परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की मोदी सरकार ने ऐसी भ्रष्ट व्यवस्था बना दी है कि अमीर परिवारों के बच्चों को ही मेडिकल सीटें और नौकरियां मिलेंगी, जबकि गरीब परिवारों के छात्रों को उम्मीद के सहारे हर बार धोखा ही खाना पड़ेगा। भाजपा के नेतृत्व वाली इस एनडीए सरकार के तहत शिक्षा व्यवस्था पूरी तरीके से ध्वस्त हो चुकी है।

इस व्यवस्था को बदलने के लिए और छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से कांग्रेस पार्टी लगातार सड़कों पर संघर्ष कर रही है। आज बिहार के छात्रों के हक के लिए हम सड़कों पर हैं। वर्तमान सरकार को अविलंब एनटीए के तहत आयोजित होने वाली नीट परीक्षा में पारदर्शिता और पेपर लीक की समस्या को खत्म करना चाहिए और आगामी 21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा के साथ भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर गंभीरता बरतनी चाहिए। साथ ही सीबीएसई के मामले को उठाते हुए उन्होंने कहा कि मेधावी छात्रों के भविष्य को खराब करने की यह प्रणाली भाजपा सरकार के शिक्षा व्यवस्था को पंगु बनाने की नीति के तहत है ताकि छात्रों का भविष्य अधर में लटका रहे। कॉपी की जांच, मूल्यांकन और परिणामों के प्रकाशन में भारी अनियमितता को उजागर करने वाले छात्रों पर ही केंद्र की सरकार दबाव बना रही है जबकि अपने सिस्टम में व्याप्त गड़बड़ियों को चिन्हित नहीं कर रही है।

कांग्रेस के कार्यकताओं ने इस दौरान अर्थी जुलूस भी निकाल कर अपना विरोध दर्ज किया। प्रदर्शन में विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा0 मदन मोहन झा, सांसद पप्पू यादव, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, मीडिया चेयरमैन राजेश राठौड़, ब्रजेश प्रसाद मुनन, असितनाथ तिवारी, डा0 संजय यादव, स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, वैद्यनाथ शर्मा, पंकज यादव, उमैर खा, अरविन्द लाल रजक, राजीव मेहता, मृणाल अनामय, प्रेमचन्द सिंह, ई0 कमल कमलेश, चन्द्रभूषण राजपूत, डा0 अमन कुमार, नीतू सिंह निषाद, उदय शंकर पटेल, विनीता भगत, विमलेश तिवारी, रंजीत यादव, हीरा सिंह बग्गा, शालीग्राम शर्मा, इबरार रजा, राहुल भारद्वाज निशांत करपटने, मुन्द्रिका सिंह यादव, सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

नाबार्ड एवं बिहार सरकार के प्रयास से बिहार के तीन पारंपरिक उत्पादों: नालंदा का बावन बूटी, गया का पथरकट्टी एवं भोजपुर के पीढ़िया पेंटिंग, को मिला भौगोलिक संकेतक (GI) टैग

संवाददाता

पटना: राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक तथा बिहार सरकार के संयुक्त प्रयासों से बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक एवं हस्तशिल्प विरासत को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। बिहार के तीन विशिष्ट पारंपरिक उत्पादों—नालंदा बावन बूटी साड़ी एवं फैब्रिक, गया पत्थरकट्टी स्टोन क्राफ्ट तथा भोजपुर पिढ़िया पेंटिंग—को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग प्रदान किया गया है। यह उपलब्धि राज्य के शिल्पकारों, बुनकरों एवं ग्रामीण उत्पादक समुदायों के लिए गर्व का विषय है।

GI टैग किसी उत्पाद की विशिष्टता, गुणवत्ता और भौगोलिक पहचान को कानूनी संरक्षण प्रदान करता के अंतर्गत किया जाता है। GI टैग प्रदान करने का कार्य भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री, चेन्नई द्वारा किया जाता है। बिहार के इन तीन उत्पादों के GI पंजीकरण की प्रक्रिया में Human Welfare Association (HWA), वाराणसी के महासचिव, पद्मश्री डॉ. रजनीकांत का महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहयोग प्राप्त हुआ। नाबार्ड ने उत्पादक समूहों, शिल्पकार संगठनों तथा स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर इन उत्पादों के दस्तावेजीकरण, पंजीकरण और GI टैग प्राप्त करने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नालंदा जिले की प्रसिद्ध बावन बूटी बिहार की प्राचीन बुनकरी परंपरा का एक अद्वितीय उदाहरण है। इस विशिष्ट वस्त्रकला में कपड़े पर 52 प्रकार के पारंपरिक बौद्ध एवं सांस्कृतिक प्रतीकों (बूटी) को हाथकरघे पर बुना जाता है। इस कला का विकास मुख्य रूप से बसवन बिगहा और आसपास के क्षेत्रों में हुआ, जहाँ पीढ़ियों से बुनकर परिवार इस परंपरा का संरक्षण करते आ रहे हैं। इसी प्रकार, गया जिले के पत्थरकट्टी गाँव की पत्थर शिल्पकला लगभग 300 वर्षों से अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के कारीगर स्थानीय काले ग्रेनाइट पत्थरों से भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, देवी-देवताओं तथा अन्य कलात्मक प्रतिमाओं का निर्माण करते हैं। यह भी माना जाता है कि विष्णुपद मंदिर के निर्माण में यहाँ के ग्रेनाइट पत्थरों का उपयोग किया गया था। वहीं, भोजपुर क्षेत्र की पिढ़िया पेंटिंग बिहार की लोक चित्रकला की एक विशिष्ट शैली है, जिसे मुख्यतः महिलाएँ पारंपरिक पर्व-त्योहारों और सामाजिक अवसरों पर बनाती रही हैं। इस कला में प्राकृतिक रंगों एवं पारंपरिक प्रतीकों के माध्यम से लोक जीवन, पारिवारिक संबंधों, धार्मिक आस्थाओं तथा ग्रामीण संस्कृति का सजीव चित्रण किया जाता है। इन तीनों उत्पादों को GI टैग प्राप्त होने से बिहार के हस्तशिल्प एवं हथकरघा क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। इससे स्थानीय कारीगरों, बुनकरों तथा महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित होंगे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा, दरभंगा द्वारा "12 साल बेमिसाल"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं एवं खिलाड़ियों को नई पहचान और बेहतर अवसर प्राप्त हुए : मुकेश महासेठ

संवाददाता

दरभंगा। 12 साल बेमिसाल" अभियान के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सफल 12 वर्षों के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय परिसर स्थित नागेंद्र झा स्टेडियम में खिलाड़ियों के सम्मान में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को मोमेंटो एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मुकेश महासेठ ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं एवं खिलाड़ियों को नई पहचान और बेहतर अवसर प्राप्त हुए हैं। जिला महामंत्री गजेंद्र मंडल ने कहा कि युवा शक्ति ही विकसित भारत की आधारशिला है और खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है।

जिला महामंत्री सह पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष, ल० ना० मिथिला विश्वविद्यालय सूरज चौधरी ने कहा प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्षों का कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। उन्होंने युवाओं से खेल, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। वरिष्ठ खिलाड़ी गुंजेश झा एवं संतोष कुमार ने खिलाड़ियों को सम्मानित किए जाने पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा ऐसे कार्यक्रम खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। प्रमुख रूप से जिला वरिष्ठ खिलाड़ी विजय राम, बैद्यनाथ कुमार, महेश पासवान, गणेश पासवान, उपाध्यक्ष अजय यादव, रवि चंद्रवंशी, नितिन झा, जितेंद्र मिश्रा, विकास साहू, सौरभ सुमन एवं अरुण कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, युवा कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य खिलाड़ियों का सम्मान करते हुए 12 साल बेमिसाल अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों एवं युवाओं के सशक्तिकरण के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना था।

अमरेंद्र नारायण झा ने लोक अभियोजक पद पर योगदान की तिथि से 10 जून तक महज एक वर्ष में सत्र न्यायालयों में सैकड़ों गंभीर प्रकृति के लंबित वादों में त्वरित न्याय निर्णय कराने में सफल रहे

संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा न्यायमंडल में अमरेंद्र नारायण झा ने लोक अभियोजक पद पर योगदान की तिथि से 10 जून तक महज एक वर्ष के कार्यकाल में सत्र न्यायालयों में सैकड़ों गंभीर प्रकृति के लंबित वादों में त्वरित न्याय निर्णय कराने में सफल रहे हैं।पीपी श्री झा ने वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर हत्या समेत अति पुराने गंभीर मामलों को चिन्हित कर अभियोजन पक्ष से न्यायालयों में मुस्तैदी से गवाहों की गवाही एवं अन्य आवश्यक कार्य के प्रति संजीदगी से प्राथमिकता तय कर न्याय निर्णय का मार्ग प्रशस्त कराया। इस कार्य में न केवल स्वंय, अपितू अपर लोक अभियोजकों का टीम गठित कर कुशल निर्देशन प्रदान किया। इसका सकारात्मक परिणाम दिखा और अति गंभीर32 पुराने सत्रवादों में न्याय निर्णय कराकर न्याय की बाट जोह रहे न्याय अतिथियों को अदालत से न्याय दिलाया। 20 वर्षों से अधिक समय से लंबित सत्रवादों में विभिन्न न्यायालयों द्वारा 32 पुराने सत्रवादों

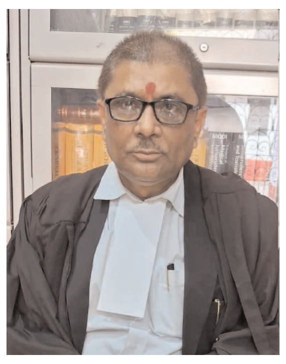

में से हत्याकांड के 13 सत्रवादों में कूल 42 हत्याभियुक्तों को आजीवन सश्रम कारावास की सजा हुई। 10 सत्रवादों में जूर्मियों को सजा तथा पीड़ित न्याय अतिथियों को न्याय दिलाकर न्यायालय के प्रति अपराधियों में खौफ, तथा पीड़ितों को न्यायालय के प्रति आस्था को जीवन्त किया। इसके अतिरिक्त अपराधियों में कानून का खौंफ बनी रहे। अपराध करने से डरे, इसके लिए 10 जून 25 से 10 जून 26 तक सत्र अदालतों में नियमित जमानत आवेदन की सूनवाई के दौरान कूल 378 मामलों में 421 अभियुक्तों का जमानत विभिन्न अदालतों द्वारा खारिज की गई। गंभीर अपराध के 392 मामले में कूल 673 आरोपियों का न्यायालय से अग्रिम जमानत आवेदन खारिज कराने में अभियोजन पक्ष सफल रहा। पीपी श्री झा ने एक भेंट में प्रेस को बताया जिले के अपराधियों में कानून का खौफ कायम रहे, तथा हिंसा के शिकार पीड़ितों को सत्र अदालतों से त्वरित और समयवद्ध न्याय मिले इसकी अग्रिम रुपरेखा तैयार कर ली गई है। इसके लिए पुराने एवं गंभीर प्रकृति के 50 सत्रवादों को चिन्हित किया गया है। जिसका स्पीडी ट्रायल के तहत बिचारण के लिए न्यायालयों से अनुरोध किया जा रहा है। मुकदमे के बिचारण के लिए ससमय गवाहों की गवाही के लिए न्यायालयों में उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए प्रशासनिक सहयोग पाने के लिए सम्यक पहल की गई है। पीपी श्री झा ने आगे कहा अभियोजन टीम का आगामी अन्य रुटीन कार्यों के अलावे, पुराने और गंभीर 50 सत्रवादों में त्वरित न्याय निर्णय सुनिश्चित कराना है।

अवैध दवा दुकानों का खैर नहीं होगी कार्रवाई : कन्हैया किशोर

चेक पोस्ट में अवैध दवा दुकान में हुई छापामारी, दवाएं हुई जप्त

संवाददाता

बेतिया। अवैध दवा दुकानों का खैर नहीं होगी कार्रवाई। उक्त बातें कन्हैया किशोर सिंह, प्रभारी औषधि निरीक्षक शहरी ने नगर के चेक पोस्ट स्थित गुड्डू मेडिकल अवैध दवा दुकान में छापामारी के दौरान दुकानदार को फटकार लगाते हुए कही।आगे श्री सिंह ने बताया कि इस दवा दुकानों को सप्लाई देने वाले थोक विक्रेताओं पर भी जांच की जा रही है उन पर भी कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी इस अवैध दुकान से लगभग 53 प्रकार की दवाएं जप्त की गई और सैंपल कलेक्ट कर जांच में भेजा जायेगा ।

आगे उन्होंने कहा कि उक्त छापामारी जिला पदाधिकारी एवं विभाग के वरिय पदाधिकारी के दिशा निर्देश में की जा रही है इस छापामारी में सतीश कुमार सिंह औषधि निरीक्षक नरकटियागंज आदि मौजूद रहे।

नरकटियागंज में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही

टूटे खंभों के सहारे चल रही बिजली आपूर्ति; ग्रामीणों में हादसे का डर

संवाददाता

नरकटियागंज। प्रखंड की राजपुर तुमकड़िया पंचायत अंतर्गत मठीया गांव में बिजली विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। तेज आंधी के कारण गिरे विद्युत पोलों को बदलने के बजाय, विभाग ने उसी स्थिति में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है, जिससे गांव में कभी भी बड़ी दुर्घटना होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, बीते सोमवार की शाम आई तेज आंधी में गांव के तीन बिजली के खंभे टूटकर गिर गए थे। इनमें से एक खंभा प्रदीप साह के घर के समीप, दूसरा रामबाबू सोनी के घर के पास और तीसरा खंभा छठ घाट के निकट गिरा था। ग्रामीणों ने बताया कि खंभे गिरने के बाद तार भी जमीन पर आ गए, जिनमें करंट दौड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के

दो दिन बाद बिजली विभाग ने बिना नए खंभे लगाए या तार दुरुस्त किए, टूटे हुए खंभों के सहारे ही बिजली आपूर्ति चालू कर दी। वार्ड सदस्य शानू मिश्रा, रामाधार ठाकुर, बलिंद्र शर्मा, बिनय कुमार और रामबाबू कुमार सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में विभाग के अधिकारी और अधीनस्थ कर्मियों को कई बार सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर स्थिति का जायजा लेने नहीं पहुंचा है। ग्रामीणों का कहना है कि टूटे पोल और सड़क किनारे बिखरे तार किसी भी समय बड़ी अनहोनी को दावत दे सकते हैं, लेकिन विभाग इस ओर से पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। उन्होंने अविलंब नए पोल लगवाकर व्यवस्थित रूप से बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इस संबंध में साठी प्रशाखा के जेई राहुल कुमार ने बताया कि क्षेत्र में आई तेज आंधी के कारण कई जगहों पर विद्युत पोल और तार क्षतिग्रस्त हुए थे। विभाग द्वारा मरम्मत का कार्य लगातार किया जा रहा है।

राजपुर मठीया गांव में गिरे पोलों की सूचना मिली है और वहां भी जल्द ही नए पोल लगाकर समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

बटाने नदी स्थित पुल के समीप आज से प्रारंभ होगा डायवर्सन निर्माण कार्य

संवाददाता

औरंगाबाद : जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निदेर्शानुसार बटाने नदी स्थित पुल के समीप डायवर्सन निर्माण कार्य कल दिनांक 14 जून 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। यह निर्णय आमजन की सुरक्षा, संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। गौरतलब है कि कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, औरंगाबाद द्वारा राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-139 (पुराना एनएच-98) के कि.मी.-141 पर अवस्थित बटाने पुल की तकनीकी जांच एवं पथ निरीक्षण के क्रम में सूचित किया गया था कि 225 मीटर लंबाई वाले उक्त पुल की वर्तमान स्थिति यथोचित नहीं पाई गई थी। उक्त परिस्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा तत्काल प्रभाव से बटाने पुल पर भारी वाहनों के परिचालन पर पूर्ण रोक लगाने का निर्णय लिया गया।

साथ ही आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पुल से केवल हल्के वाहनों के परिचालन की अनुमति प्रदान की गई तथा वैकल्पिक यातायात व्यवस्था लागू की गई। आवागमन को सुचारु, सुरक्षित एवं निर्बाध बनाए रखने के उद्देश्य से पुल के समीप डायवर्सन निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उक्त कार्य हेतु कुल 4 करोड़ 56 लाख रुपये की निविदा स्वीकृत की गई है। प्रस्तावित योजना के अनुसार अगले दो माह के भीतर डायवर्सन निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

डायवर्सन निर्माण कार्य की समीक्षा एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने हेतु एनएचएआई के कार्यपालक अभियंता द्वारा संबंधित संवेदक (कॉन्ट्रैक्टर) के साथ स्थल निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि निर्माण अवधि के दौरान निर्धारित यातायात व्यवस्था एवं प्रशासनिक निर्देशों का पालन करते हुए सहयोग प्रदान करें, जिससे कार्य समय पर पूर्ण हो सके तथा आवागमन सुरक्षित एवं व्यवस्थित बना रहे।

औरंगाबाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर ढाई घंटे के अंदर अपहृत व्यक्ति को किया बरामद

संवाददाता

औरंगाबाद : देवजरा थानाध्यक्ष को मुकेश कुमार पाल के अपहरण के संबंध में एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें कुछ अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा अपहरण कर लेने कि बात बताई गई। इस संदर्भ में गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिक्षक महोदय अम्बरीष राहुल ने औरंगाबाद द्वारा अनु०पु०पदा० सदर-01 के नेतृत्व में थानाध्यक्ष देवजरा, थानाध्यक्ष देव एवं थानाध्यक्ष मुफस्सिल के साथ एक विशेष टीम का गठन किया गया एवं अपहृत व्यक्ति कि बरामदगी तथा कांड में संलिप्त अभियुक्तों कि अविलंब गिरफ्तारी हेतू निर्देषित किया गया। उक्त गठित विशेष टीम द्वारा अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत प्रमुख चौक-चौराहों पर नाकाबंदी कर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया इसी क्रम में मुफस्सिल थाना अन्तर्गत ओरा पुल के नीचे एक संदिग्ध चार चक्का वाहन पुलिस बल को देखकर भागने लगा जिसका पीछा कर पाण्डेयपुर पुल के नीचे सशस्त्र बल के सहयोग से उक्त गाड़ी को पकड़ा गया। वाहन तलाशी के क्रम में एक व्यक्ति जिसका मुंह बंधा हुआ था, को सकुशल बरामद किया गया एवं

संलिप्त 5 अभियुक्तों को एक देशी कट्टा के साथ किया गिरफ्तार

अग्रतर तालाशी के क्रम में गाडी के डिक्की में रखे एक बैग से 1 देशी कट्टा बरामद किया। तत्पश्चात गाड़ी में बैठे अन्य पांच व्यक्तियों से हथियार के संबंध में पूछताछ करने पर कोई संतोषजनक जबाब नहीं दिया गया तत्पश्चात बरामद देशी कट्टा को विधिवत जप्ती सूची तैयार कर उक्त पांचो व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में मुफस्सिल थाना कांड संख्या-275/26, दिनांक-13.06.2026 के अन्तर्गत सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई। गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछ-ताछ के क्रम में अपना-अपना अपराध स्वीकार किया तथा गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा हैं। अग्रतर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

इंग्लैंड ने टी20 वर्ल्ड कप में बनाया रिकॉर्ड स्कोर, श्रीलंका को दी करारी शिकस्त

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इंग्लैंड ने शुक्रवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन में श्रीलंका को 87 रनों से हराकर अपने T20 वर्ल्ड कप अभियान की जबरदस्त शुरूआत की। टीम ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर टूनामेंट के इतिहास में अपना सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया। फ्रेया केम्प ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया और मेजबान टीम को बड़ी जीत दिलाने में मदद की। पहले बल्लेबाजी करते हुए, इंग्लैंड की टॉप-तीन बल्लेबाजों ने यह सुनिश्चित किया कि मिडिल-ऑर्डर की बल्लेबाजों की जरूरत ही न पड़े। डैनी वायट-हॉज ने बल्लेबाजी की कमान संभाली और 62 गेंदों पर नाबाद 105 रन बनाए, जिसमें 13 बाउंड्री शामिल थीं। एमी जोन्स ने 38 गेंदों पर 53 रन बनाए, जिसमें चार बाउंड्री और एक छक्का शामिल था। श्रीलंकाई टीम के लिए एकमात्र विकेट मल्की मदारा ने लिया। वायट हॉज ने नाबाद 105 रन बनाए जिससे इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह टूनार्मेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर है। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 132 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से केवल चार बल्लेबाज दोहरे अंक में पहुंचे जिनमें नीलशिखा सिल्वा ने सर्वाधिक 39 रन बनाए।

इंग्लैंड की तरफ से बाएं हाथ की तेज गेंदबाज फ्रेया केम्प ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 21 रन देकर चार विकेट लिए, जिसमें एक ओवर में तीन विकेट शामिल हैं। वायट हॉज और एमी जोन्स ने इंग्लैंड को शानदार शुरूआत दिलाई।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: रिफ्यूजी कैंप से वर्ल्ड कप तक, ऑस्ट्रेलियाई टीम के इन खिलाड़ियों का सफर आपको हैरान कर देगा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दुनिया के कई देशों में प्रवासी विरोधी माहौल के बीच आस्ट्रेलिया ने अपनी विश्व कप फुटबॉल टीम में कई प्रवासियों को शामिल करके संदेश दिया है कि यह खेल सभी के लिये है। आस्ट्रेलिया समेत दुनिया के कई देशों में इस समय प्रवासी विरोधी माहौल देखा जा रहा है जिनमें सह मेजबान अमेरिका भी शामिल है। प्रोफेशनल फुटबॉलर्स आस्ट्रेलिया द्वारा जारी वीडियो में आस्ट्रेलियाई विश्व कप खिलाड़ी अवेर माबिल भी है जो कीनिया में एक शरणार्थी शिविर में पैदा हुआ था और जिसके माता पिता दक्षिणी सूडान से हैं। माबिल ने कहा ,'' इस जर्सी के पीछे बहुत बड़ी 'जर्नी' (सफर) है। आस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम में होने के कई मायने हैं लेकिन लक्ष्य एक ही है , देश का नाम रोशन करना।'' माबिल आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल तीन खिलाड़ियों में से हैं जिनका जन्म शरणार्थी शिविर में हुआ। फॉरवर्ड मोहम्मद ताउरे का जन्म गिनिया के ऐसे ही शिविर में हुआ और उसके माता पिता लाइबेरिया से हैं। स्ट्राइकर नेस्टोरी इरांकुंडा तंजानिया के शरणार्थी शिविर में पैदा हुआ जब उनके माता पिता बुरूंडी से भाग निकले थे। अब परिवार एडीलेड में रहता है। ताउरे और इरांकुंडा पहली बार विश्व कप खेलेंगे जबकि माबिल दूसरी बार फुटबॉल के इस महासमर में उतरेंगे। आस्ट्रेलियाई फुटबॉल टीम (सॉकरूज) का यह संदेश दुनिया भर के प्रवासियों के लिए एक मुश्किल समय में आया है। इस महीने की शुरूआत में उत्तरी आयरलैंड में चाकू से हुए एक हमले के बाद दो रातों तक काफी दंगे हुए, जिन्हें प्रवासियों के खिलाफ भड़काऊ बयानों ने और हवा दी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रवास के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं। वीजा पाबंदियों का असर विश्व कप पर भी पड़ा है और सोमालिया के रेफरी ओमर आर्टन को देश में घुसने की इजाजत नहीं दी गई।

विराट कोहली का केन विलियमसन के लिए भावुक संदेश: 'प्रतिद्वंद्वी से दोस्त तक का सफर बेहद खास'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के बाद, भारत के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के महान क्रिकेटर केन विलियमसन की जमकर प्रशंसा की है। कोहली ने विलियमसन की क्रिकेट उपलब्धियों के लिए अपनी तारीफ और उनके बीच के निजी रिश्ते, दोनों का ज़िक्र किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सालों तक एक-दूसरे के खिलाफ खेलने से बनी आपसी इज्जत और दोस्ती को भी याद किया। X पर एक पोस्ट में कोहली ने लिखा कि सालों में एक विरोधी से दोस्त बनने तक का सफर। इतने सालों तक आपको बैटिंग करते और आपके खिलाफ खेलते हुए देखना बहुत अच्छा रहा, लेकिन उससे भी ज्यादा, मैं हमारी दोस्ती और खेल व उसके बाहर की चीजों पर हमारी एक जैसी सोच को अहमियत देता हूँ। हमारी हर बातचीत और मुलाकात मेरे लिए बहुत खास है। भाई, मैं हमेशा आपके लिए सबसे अच्छी चीजों की कामना करता हूँ।

आपने अपना काम बखूबी किया है, अब आपको इसका पूरा आनंद लेना चाहिए और आराम करना चाहिए। बहुत बढ़िया दोस्त, ज़िंदगी तो अभी शुरू हुई है। विलियमसन के इस ऐलान के साथ ही उनके इंटरनेशनल करियर का समापन हो गया, जिसमें उन्होंने न्यूजीलैंड के लिए 378 इंटरनेशनल मैच खेले। न्यूजीलैंड क्रिकेट (NZC) की वेबसाइट के अनुसार, 35 वर्षीय विलियमसन न्यूजीलैंड के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के तौर पर अपना करियर खत्म कर रहे हैं। उन्होंने कुल 19,346 रन बनाए, जिसमें 48 शतक और छह दोहरे शतक शामिल हैं।

रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ रचेंगे इतिहास, अमरनाथ का दशकों पुराना रिकॉर्ड तोड़ेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के ओपनर रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलेंगे। अनुभवी बल्लेबाज की फि टनेस पर नजर थी और BCCI की मेडिकल टीम ने उन्हें मैचों में खेलने की मंजूरी दे दी है। पहले मैच में खेलते ही रोहित इतिहास रच देंगे। वह वनडे मैच खेलने वाले भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। वह मोहिंदर अमरनाथ का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ देंगे, जो भारत के पूर्व बैटिंग ऑलराउंडर थे और 1983 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। अमरनाथ ने जब भारत के लिए अपना आखिरी वनडे मैच खेला था, तब उनकी उम्र 39 साल और 36 दिन थी। जब रोहित 13 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ पहला वनडे खेलने उतरेंगे, तो उनकी उम्र 39 साल और 44 दिन होगी। कुल मिलाकर, नीदरलैंड के पूर्व खिलाड़ी नोलन क्लार्क वनडे खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। जब उन्होंने अपने देश के लिए आखिरी वनडे मैच खेला था, तब उनकी उम्र 47 साल और 257 दिन थी।

शनिवार को धर्मशाला में अफगानिस्तान के खिलाफ पहली वनडे सीरीज के साथ जब भारत 2027 वर्ल्ड कप की तैयारी औपचारिक रूप से शुरू करेगा, तो रोहित की मैच फि टनेस की तो परीक्षा होगी ही, साथ ही टीम मैनेजमेंट चोट-प्रवण हार्दिक पांड्या के बैक-अप के तौर पर नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी बारीकी से नजर रखेगा। IPL के दौरान हैमस्ट्रिंग की हल्की चोट से उबरने के बाद, रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए पूरी तरह फिट हो गए हैं, जबकि बेहतरीन खिलाड़ी विराट कोहली हैमस्ट्रिंग की एक दुर्लभ चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

'खिताब के बजाय अच्छी शुरूआत पर हो ध्यान'

अपना छठा वर्ल्ड कप खेल रहे क्रिस्टियानो रोनाल्डो का मंत्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दुनिया के महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर इतिहास रचने की दहलीज पर हैं। 41 वर्षीय रोनाल्डो अपने करियर का छठा विश्व कप खेलने जा रहे हैं, जो उनके महान प्रतिद्वंद्वी अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ संयुक्त रूप से सबसे अधिक विश्व कप खेलने का एक सर्वकालिक रिकॉर्ड है। इस 48 टीमों के मेगा टूनार्मेंट में पुर्तगाल को खिताब का मजबूत दावेदार माना जा रहा है, लेकिन रोनाल्डो का मानना है कि टीम को सीधे ट्रॉफी के बारे में सोचने के बजाय 'स्टेप-बाय-स्टेप' (धीरे-धीरे) आगे बढ़ना चाहिए।

रोनाल्डो ने कहा, ''अच्छी शुरूआत करना, पहले और दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन करना और फिर ग्रुप में पहले स्थान पर रहना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद हम केवल एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हमें धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा। अच्छी शुरूआत सबसे महत्वपूर्ण है।'' पुर्तगाल ग्रुप के में अपना पहला मैच बुधवार को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेलेगा।

इसके बाद उसकी टीम 23 जून को ह्यूस्टन में ही उज्बेकिस्तान से भिड़ेगी और 27 जून को मियामी में कोलंबिया के खिलाफ ग्रुप चरण का अपना अंतिम मैच खेलेगी। रोनाल्डो ने कहा, ''टूनार्मेंट के आगे बढ़ने के साथ जब मुकाबला कड़ा हो जाएगा और मनोवैज्ञानिक और शारीरिक थकान अपना असर दिखाने लगेगी, तभी पता चलेगा कि असली चैंपियन कौन हैं। अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर खड़े 41 साल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के पास अपनी कैबिनेट में विश्व कप ट्रॉफी शामिल करने का यह आखिरी और सुनहरा मौका हो सकता है। रोनाल्डो का यह शांत, अनुभवी और व्यावहारिक दृष्टिकोण दिखाता है कि पुर्तगाल की टीम बिना किसी अतिरिक्त दबाव के मैदान पर उतरने की तैयारी कर रही है, जिसकी शुरूआत बुधवार को कांगो के खिलाफ मुकाबले से होगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: ब्राजील को पहला झटका, नेमार मोरक्को के खिलाफ नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ब्राजील के हेड कोच कार्लो एंसेलोटी ने कन्फर्म किया है कि स्टार फॉरवर्ड नेमार, काफ इंजरी (पिंडली की चोट) के कारण मोरक्को के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। ब्राजील 14 जून को मेटलाइफ स्टेडियम में ग्रुप उ का अपना कैंपेन शुरू करेगा, लेकिन समय पर ठीक न हो पाने के कारण 34 साल के नेमार उपलब्ध नहीं होंगे। नेमार की स्थिति के बारे में बात करते हुए एंसेलोटी ने कहा कि फॉरवर्ड खिलाड़ी में सुधार हो रहा है और वह जल्द ही वापसी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह जल्द से जल्द फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि वह अगले हफ़्ते पूरी ट्रेनिंग में लौट सकेंगे। टूनार्मेंट से पहले पिंडली में चोट लगने के कारण

नेमार के पहले मैच में खेलने पर संदेह था। हालांकि अब उन्हें मोरक्को के खिलाफ मैच से बाहर कर दिया गया है, लेकिन एंसेलोटी को उम्मीद है कि यह ब्राजीलियाई स्टार टीम के बाकी ग्रुप-स्टेज मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। ब्राजील 19 जून को हैती का सामना करेगा और उसके बाद 24 जून को ग्रुप उ के अपने आखिरी मैच में स्कॉटलैंड से भिड़ेगा। मोरक्को के खिलाफ यह मुकाबला दोनों देशों के बीच वर्ल्ड कप का सिर्फ. दूसरा मैच होगा।

टी20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक की भिड़ंत

खिताब की ओर पहला कदम बढ़ाने उतरेगी टीम इंडिया की महिला ब्रिगेड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हर विभाग में संतुलित भारतीय टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के पहले मैच में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ सलामी बल्लेबाजों स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से अच्छी शुरूआत की उम्मीद होगी। पिछले साल वनडे विश्व कप जीतने वाली हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत की नजरें लगातार दूसरे आईसीसी खिताब पर लगी हैं। पाकिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड भी बेहतरीन रहा है। भारत ने टी20 प्रारूप में पाकिस्तान के खिलाफ 13 मैच जीते जबकि तीन में पराजय का सामना किया है। पिछली बार 2024 में दुबई में टी20 विश्व कप में दोनों टीमों का सामना हुआ था जिसमें भारत छह विकेट से जीता था। उसके बाद से सफेद गेंद के क्रिकेट में भारतीय टीम के प्रदर्शन में निरंतरता देखी गई है। भारत ने पहली बार वनडे पिश्व कप जीता और अब लगभग वही टीम टी20 खिताब के लिये जोर आजमाइश करेगी। टूनार्मेंट से पहले भारत ने आस्ट्रेलिया को 2 . 1 से और इंग्लैंड को 3 . 2 से हराया जबकि श्रीलंका पर 5 . 0 से जीत दर्ज की। उसे

हालांकि दक्षिण अफ्रीका (4 . 1) और इंग्लैंड (2 . 1) ने उनकी धरती पर हुई श्रृंखलाओं में हराया। भारत के प्रदर्शन की कुंजी सलामी बल्लेबाजों मंधाना और शेफाली से मिलने वाली शुरूआत है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ फरवरी में 82 रन बनाने के बाद मंधाना ने अगले छह मैचों में 13, 12, 37, 0, 32 और आठ रन बनाये हैं। शेफाली ने जोहानिसबर्ग में 64 रन बनाने के बाद अगले पांच मैचों में 9, 4, 2, 22 और 11 रन बनाये। फातिमा सना की कप्तानी वाली पाकिस्तान टीम के खिलाफ उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। सना जबर्दस्त फॉर्म में है और पिछले साल बल्ले से उनका औसत 50 से अधिक और गेंदबाजी में 25 से कम रहा है। उन्होंने हाल ही में कराची में जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंद में टी20 अर्धशतक बनाया था। भारतीय गेंदबाजों को उनके बल्ले पर अंकुश लगाने के लिये काफी मेहनत करनी होगी खासकर जब अमनजोत कौर और काशवी गौतम चोट के कारण बाहर हैं। हरमनप्रीत कौर ने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाकर फॉर्म में वापसी की जो मध्यक्रम के लिये अच्छा संकेत है। जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष और भारती फुलमाली पर भी रन बनाने की जिम्मेदारी होगी। पाकिस्तान के पास बायें हाथ की स्पिनर नशरा संधू के रूप में उम्दा गेंदबाज है। विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाये थे लेकिन उन्हें मौजूदा स्ट्राइक रेट 99 को बेहतर करना होगा। हरफनमौला दीप्ति शर्मा को बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देना होगा हालांकि पिचें उनकी आफ स्पिन गेंदबाजी के अनुकूल नहीं होंगी। टीमें :

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रौड्रिग्स, भारती फुलमाली, दीप्ति शर्मा, रिचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदनी शर्मा, अरूंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्रेयांका पाटिल, राधा यादव। पाकिस्तान : फातिमा सना (कप्तान), गुल फिरोजा, आयशा जफर, इरम जावेद, एमन फातिमा, आलिया रियाज, नतालिया परवेज, सायरा जुबीन, मुनीबा अली, तुबा हसन, रमीन शमीम, सादिया इकबाल, नशरा संधू, डायना बेग, तस्मिया रूबाब। मैच का समय : शाम सात बजे से।

पीवी सिंधु का ऑस्ट्रेलियन ओपन का सफर खत्म, यामागुची ने सेमीफाइनल में हराया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु की 2026 सीजन में अपना पहला बड़ा खिताब जीतने की कोशिश जारी रही, लेकिन शनिवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में उन्हें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अकाने यामागुची से हार का सामना करना पड़ा। Olympics.com के अनुसार, BWF सुपर 500 टूनार्मेंट में 43 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी को दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी यामागुची से 22-20, 21-12 से हार का सामना करना पड़ा। यह 2026 BWF वर्ल्ड टूर पर सिंधु का दूसरा सेमीफाइनल था। इससे पहले, वह जनवरी में मलेशिया ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल तक पहुँची थीं, जहाँ उन्हें चीन की वांग झियी ने हराया था। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट का BWF सर्किट पर सबसे हालिया खिताब 2024 में लखनऊ में हुए सैयद मोदी इंटरनेशनल में आया। कांटे की टक्कर वाले शुरूआती गेम में सिंधु ने मजबूत शुरूआत की और मिड-गेम ब्रेक तक थोड़ी बढ़त बनाए

रखी। ब्रेक के बाद यामागुची ने लगातार छह पॉइंट जीतकर मैच पर अपनी पकड़ बना ली, लेकिन सिंधु ने वापसी करते हुए फिर से मोमेंटम हासिल किया और एक बार फिर आगे निकल गईं। मैच आखिरी क्षण तक रोमांचक बना रहा, सिंधु ने 20-19 पर मैच प्वाइंट बचाया, लेकिन अंततः पहला सेट गंवा दिया। दूसरे सेट में यामागुची ने शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा और लगातार सात प्वाइंट जीतकर 13-6 की बढ़त हासिल कर ली और मैच पर अपना नियंत्रण बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। इस हार के साथ ही सिंधु का टूनार्मेंट से सफर समाप्त हो गया और ऑस्ट्रेलियन ओपन से सभी भारतीय खिलाड़ी बाहर हो गए।

फोलारिन बालोगुन के डबल गोल से अमेरिका की धमाकेदार शुरूआत

परागवे को 4-1 से रौंदकर रचा इतिहास

नई दिल्ली, (एजेंसी)। घरेलू धरती पर 32 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद खेल रहे अमेरिका ने फुटबॉल विश्व कप में अपने अभियान का ऐसा शानदार आगाज किया है जिसे इतिहास हमेशा याद रखेगा। नए कोच मॉरीशियो पोचेटीनो के मार्गदर्शन में खेलते हुए अमेरिकी टीम ने पराग्वे को 4-1 से करारी शिकस्त दी। यह विश्व कप के इतिहास में अमेरिका की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम में 70,492 दर्शक मौजूद थे, जो टीम के आक्रामक खेल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए।

अमेरिका की विश्व कप में यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने इस टूनार्मेंट में कभी तीन से अधिक गोल नहीं किए थे। यही नहीं अमेरिकी टीम ने पहले हाफ में तीन गोल दागे जो विश्व कप में उसका रिकॉर्ड है। क्रिश्चियन पुलिसिच ने पहले हाफ में शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दो गोल करने में मदद की। अमेरिका ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया लेकिन उसने खाता आत्मघाती गोल से खोला था।

बालोगुन ने 31वें और पहले हाफ के इंजरी टाइम में गोल करके अमेरिका को मध्यांतर तक 3-0 से आगे रखा था। दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के आखिरी क्षणों में जियो रेना ने एक और गोल दागा। इस तरह से अमेरिकी टीम ने विश्व कप के किसी मैच में पहली बार चार गोल किए। अमेरिका ने चार साल पहले कतर में खेले गए विश्व कप में अपने चार मैचों में कुल मिलाकर केवल तीन गोल किए थे। नए कोच मॉरीशियो पोचेटीनो के मार्गदर्शन में अलग शैली में खेल रही अमेरिका की टीम ने अपने खेल से स्टेडियम में

मौजूद 70,492 दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पुलिसिच को उनके बाएं पैर की पिंडली के पिछले हिस्से में चोट लगने और उसके बाद कुछ जकड़न महसूस होने के बाद एहतियात के तौर पर हाफ टाइम के बाद मैदान पर नहीं उतारा गया और उनकी जगह सेबेस्टियन बर्हाल्टर ने ली। पुलिसिच ने कहा, ''सकारात्मक सोच रखें। मुझे नहीं लगता कि इसमें कुछ खास है।'' पराग्वे की तरफ से एकमात्र गोल मॉरीसियो ने 73वें मिनट में किया, लेकिन 16 साल में अपना पहला विश्व कप खेल रही दक्षिण अमेरिका की यह टीम शुरू में पिछड़ने के बाद किसी भी समय वापसी नहीं कर पाई। पुलिसिच के शानदार खेल की बदौलत डेमियन बोबाडिला ने सातवें मिनट में आत्मघाती गोल कर दिया।

इसके बाद बालोगुन ने 31वें मिनट में और फिर पहले हाफ के इंजरी टाइम के पांचवें मिनट में गोल दागा। न्यूयॉर्क में जन्मे और लंदन में पले-बढ़े स्ट्राइकर बालोगुन ने विश्व कप में पदार्पण करते हुए 1930 के बाद टूनार्मेंट में किसी अमेरिकी खिलाड़ी द्वारा एक से अधिक गोल करने का कारनामा किया। बालोगुन ने इंग्लैंड की तरफ से खेलने की बजाय तीन साल पहले अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने का विकल्प चुना था।

अगर वह इंग्लैंड की तरफ से खेलना चाहते तो हो सकता था कि उन्हें टीम में जगह नहीं मिलती। लेकिन अब वह अमेरिका के फुटबॉल नायक बन गए हैं। पुलिसिच ने अमेरिका के पहले दो गोल में अहम भूमिका निभाई। एसी मिलान की तरफ से खेलने वाले इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी ने सातवें मिनट में चतुराई से दो डिफेंडरों को चकमा दिया और वेस्टन मैककेनी को पास दिया, जिनका शॉट पराग्वे के मिडफील्डर बोबाडिला के पांव से लगकर गोल में चला गया। उन्होंने बालोगुन के पहले गोल में भी मदद की। इसके बाद पहले हाफ के इंजरी टाइम में मलिक टिलमैन ने तेजी से दौड़ रहे बालोगुन को एक लंबा पास दिया, जिन्होंने जगह बनाने के लिए थोड़ा रुककर ऊपरी कोने में एक शानदार शॉट लगाकर दर्शकों में जबरदस्त जोश भर दिया। हॉलीवुड से 10 मील दक्षिण में खेले गए इस मैच को देखने के लिए अमेरिका की कई हस्तियां पहुंची थी। इनमें टॉम क्रूज, जॉर्ज लुकास, बिल गेट्स, हाले बेरी, लियोनार्डो डिकैप्रियो और करीम अब्दुल-जबार भी शामिल थे।

मेजबान यूएसए ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का किया धमाकेदार आगाज, पैराग्वे को 4-1 से रौंदा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मेजबान अमेरिका ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को पराग्वे पर 4-1 से जीत के साथ अपने फीफा वर्ल्ड कप 2026 अभियान की जबरदस्त शुरूआत की। इस जीत में फोलारिन बालोगुन और क्रिश्चियन पुलिसिक का शानदार प्रदर्शन अहम रहा। बालोगुन ने दो गोल किए, जबकि पुलिसिक ने शानदार खेल दिखाया; उन्होंने लगातार पैराग्वे के डिफेंस को परेशान किया और कई अटैकिंग मूव्स में अहम भूमिका निभाई, जिससे मेजबान टीम ने शुरूआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा।

वरअ ने 7वें मिनट में शुरूआती बढ़त बना ली, जब पुलिसिक ने वेस्टन मैककेनी को एक शानदार पास देकर डिफेंस को भेद दिया; इस मूव के आखिर में डेमियन बोबाडिला ने गेंद को अपनी ही नेट में डाल दिया। इसके बाद 31वें मिनट में बालोगुन ने पुलिसिक के सटीक क्रॉस को गोल में बदलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। फॉरवर्ड खिलाड़ी ने स्टॉपेज टाइम (90+8वें मिनट) में अपना दूसरा गोल किया। उन्होंने दो डिफेंडरों को छकाया और अपनी टीम की आसान जीत पक्की कर दी; उनकी टीम पूरे मैच में हावी रही।पैराग्वे ने 73वें मिनट में मौरिसियो मैगलहेस के जरिए गोल का अंतर कुछ कम किया, लेकिन वे मजबूत अमेरिकी टीम के खिलाफ लगातार वापसी करने में नाकाम रहे। हेड कोच मौरिसियो पोचेटिनो ने हाफ-टाइम में पुलिसिक को आराम देने का फैसला किया और उनकी जगह सेबेस्टियन बरहाल्टर को मैदान पर उतारा, क्योंकि वरअ आगे के लंबे टूनार्मेंट को ध्यान में रखते हुए अपनी टीम को मैनेज कर रहा था। मैच के आखिर में, जियो रेना ने दूर से एक शानदार शॉट लगाकर स्कोर को और बेहतर बनाया; उन्होंने टॉप कॉर्नर में गोल करके मेजबान टीम की शानदार शुरूआती जीत पर मुहर लगा दी। ग्रुप के एक और मैच में, कनाडा ने बोस्निया और हजेगोविना के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ के साथ अपने अभियान की शुरूआत की, जिसमें काइल लारिन ने 78वें मिनट में बराबरी का गोल करके टीम को एक पॉइंट दिलाया।

वर्ल्ड कप जीतने का सपना छोड़ो! क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल टीम को दी बड़ी सलाह, कहा- अच्छी शुरूआत जरूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो का मानना है कि उनकी टीम को विश्व कप फुटबॉल के खिताब के बारे में सोचने की बजाय अच्छी शुरूआत पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस 48 टीम के टूनार्मेंट में पुर्तगाल की टीम भी दावेदारों में शामिल है और 41 वर्षीय रोनाल्डो अपना छठा विश्व कप खेलेंगे, जो अर्जेंटीना के प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेस्सी के साथ सबसे अधिक विश्व कप खेलने का रिकॉर्ड है।

रोनाल्डो ने कहा, ''अच्छी शुरूआत करना, पहले और दूसरे मैच में अच्छा प्रदर्शन करना और फिर ग्रुप में पहले स्थान पर रहना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद हम केवल एक मैच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हमें धीरे-धीरे आगे बढ़ना होगा। अच्छी शुरूआत सबसे महत्वपूर्ण है।'' पुर्तगाल ग्रुप के में अपना पहला मैच बुधवार को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेलेगा।

टीम इंडिया की नई पहेली: कोहली-पंड्या के बिना कैसी होगी प्लेइंग इलेवन, कोच गंभीर की अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विराट कोहली और हार्दिक पांड्या की चोटों ने कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत का 2027 वनडे वर्ल्ड कप का सफर शनिवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (HPCA) स्टेडियम में शुरू हो रहा है, जहाँ वे तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे में अफगानिस्तान का सामना करेंगे। तीसरे नंबर पर कौन बल्लेबाजी करेगा ? अगर बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल की बात मानें, तो मैनेजमेंट विराट कोहली की नंबर 3 वाली जगह पर दो या तीन बल्लेबाजों को रोटेट करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जहां तक नंबर 3 स्लॉट की बात है, तो हम इस सीरीज के दौरान इस पर विचार करेंगे। चाहे ईशान (किशन) हों, केएल (राहुल) हों या यशस्वी (जायसवाल), यह एक अच्छा मौका है। उन्होंने कहा कि हमारे कुछ वनडे मैच होने वाले हैं और हम खिलाड़ियों को अलग-अलग पोज़िशन पर खेलने का मौका देंगे ताकि हमें बेहतर अंदाजा हो सके कि हम टीम को कैसे बनाना चाहते हैं और हमारे पास क्या-क्या विकल्प हैं। हार्दिक पांड्या के न होने से 2027 वनडे वर्ल्ड कप से पहले भारत के लिए दूसरे ऑप्शन खोजने की प्रक्रिया तेज हो गई है, और बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्केल का मानना है कि नितिश कुमार रेड्डी को मौका मिलना चाहिए। मोर्केल

ने कहा कि आप हमेशा अपने ऑप्शन देखते हैं, चाहे वह बैटिंग हो, बॉलिंग हो या ऑलराउंडर हों। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से, हार्दिक कैंप में शामिल होने से ठीक पहले मामूली चोट के कारण यह सीरीज नहीं खेल पा रहे हैं। लेकिन फिर भी, यह नितिश कुमार रेड्डी के लिए एक और मौका है। वह पिछले कुछ सालों से शानदार खेल रहे हैं और उन्होंने अपने खेल पर काफी मेहनत की है। स्क्वाड में आने वाले नए बॉलर्स की तरह, इस रोल वाले खिलाड़ियों के लिए भी यह मौका है कि वे आगे आएं और शायद सेलेक्टर्स के लिए मुश्किल खड़ी कर दें। मॉर्कल को उम्मीद है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर इस श्रृंखला में इन युवा खिलाड़ियों को मौका देंगे। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि गौतम इन खिलाड़ियों को भारतीय टीम की जर्सी में खेलने का अवसर देंगे।

संक्षिप्त खबरें

बीजेपी का पंजाब मिशन 2027: सभी 117 सीटों पर अकेले लड़ेगी चुनाव, अब नहीं गठबंधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 13 जून को नई दिल्ली में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग के बाद, भारतीय जनता पार्टी ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की अपनी योजना की पुष्टि की है। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने पत्रकारों से कहा कि हमने पंजाब की राजनीति पर चर्चा की। यह बहुत अच्छी बैठक थी। पंजाब के लिए हमारा एकमात्र एजेंडा विकास है। हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे; अभी गठबंधन की कोई बात नहीं हो रही है। हम पंजाब में बीजेपी की सरकार बनाएंगे।

बीजेपी नेता मनप्रीत सिंह बादल ने भी पंजाब की आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए डबल-इंजन सरकार बनाने के मकसद से, बिना किसी गठबंधन के हर सीट पर चुनाव लड़ने की पार्टी की रणनीति की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी नेता नितिन नवीन की अगुवाई में पंजाब बीजेपी की बैठक हुई। इस बैठक में पंजाब के सामने मौजूद चुनौतियों, उनके समाधान और आने वाले चुनावों को लेकर लोगों की उम्मीदों पर चर्चा की गई। हमने इस बात पर विचार किया कि पंजाब को आर्थिक और सामाजिक संकट से कैसे बाहर निकाला जाए और उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा को कैसे बहाल किया जाए। यह तय किया गया कि पार्टी सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

यूपी में 21 साल का 'नकली ब्रिगेडियर' अरेस्ट, साथ में थे नकली एनएसजी कमांडो, आर्मी ने दबोचा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले में, स्टेशन हेडक्वार्टर शाहजहाँपुर और स्थानीय पूर्व सैनिकों के एक गुप्त ऑपरेशन के दौरान, भारतीय सेना के ब्रिगेडियर का रूप धरने वाले 21 साल के एक व्यक्ति को गिरफ़्तार किया गया। आरोपी ब्रिगेडियर की वर्दी में था और उसके साथ कुछ साथी भी थे जो सुरक्षाकर्मी होने का नाटक कर रहे थे; इसके बाद स्थानीय पुलिस ने मामले की आगे जांच शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, यह ऑपरेशन 12 जून को चलाया गया था। इससे पहले दो महीनों तक शाहजहाँपुर और आस-पास के इलाकों में एक संदिग्ध व्यक्ति के घूमने-फिरने की खुफिया जानकारी मिली थी, जो खुद को सेना का अधिकारी बता रहा था। सेना ने कहा कि बार-बार मिल रही रिपोर्टों से एक ऐसे व्यक्ति को लेकर चिंता पैदा हुई है जो खुद को सेना का उच्च-पदस्थ अधिकारी बता रहा है। जानकारी मिलने पर, शाहजहाँपुर स्टेशन हेडक्वार्टर के एडमिनिस्ट्रेटिव कमांडेंट कर्नल जेएस जगलान ने स्थानीय पूर्व सैनिकों के साथ मिलकर संदिग्ध की पहचान की पुष्टि की और उसे गिरफ्तार करने के लिए एक ऑपरेशन की योजना बनाई।

योजना के तहत, संदिग्ध को स्थानीय छात्रों को सम्मानित करने के बहाने शहीद संग्रहालय में आयोजित एक कार्यक्रम में बुलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस व्यवस्था से उन्हें संदिग्ध को पहले से भनक लगे बिना उसकी पहचान की पुष्टि करने में मदद मिली। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर, उस व्यक्ति और उसके साथियों की पहचान की गई और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। संदिग्ध की पहचान 21 वर्षीय आर्यन वर्मा के रूप में हुई। अधिकारियों का आरोप है कि वह भारतीय सेना में ब्रिगेडियर की वर्दी पहनकर आया था और एक टाटा हैरियर गाड़ी में यात्रा कर रहा था, जिस पर वन-स्टार प्लेट और आर्मी हेडक्वार्टर का झंडा लगा हुआ था।

बिल्कुल बर्दाश्त नहीं...ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर हमले को लेकर किसे दी सीधी चेतावनी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान पर आरोप लगाया कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन से हमला करने की नाकाम कोशिश की। इस कथित घटना का ज़िक्र करते हुए ट्रंप ने कहा ल रात होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर उनका ड्रोन हमला पूरी तरह नाकाम रहा और यह हरकत बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया और न ही यह बताया कि वे किन जहाजों की बात कर रहे थे। खबर लिखे जाने तक ईरानी अधिकारियों ने इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस इलाके में हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य अभियानों में दर्जनों भारतीय नाविकों वाले 3 तेल टैंकर फंस गए हैं। 8 जून को अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे वाले टैंकर 'मैरीवेक्स' को बेकार कर दिया, जिस पर 24 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे। उन सभी को सुरक्षित बचा लिया गया। दो दिन बाद, पलाऊ के झंडे वाले एक और टैंकर, 'सेटेबेलो' पर अमेरिकी हमला हुआ। इस जहाज पर 24 भारतीय नाविक सवार थे, जिनमें से तीन की हमले में मौत हो गई। एक तीसरे टैंकर, 'जलवीर' पर भी हमला हुआ, जो गिनी-बिसाऊ के झंडे के साथ चल रहा था और जिस पर 20 भारतीय क्रू सदस्य सवार थे। ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान ने चल रही बातचीत के बारे में गलत जानकारी लीक की है और कहा कि तेहरान के सार्वजनिक बयानों में उन शर्तों का ज़िक्र नहीं है जिन पर दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी थी। ट्रंप ने लिखा, ईरान ने 'फेक न्यूज' को जो शर्तें बताई हैं, उनका लिखित रूप में तय हुई शर्तों से कोई लेना-देना नहीं है।

पहले हंसे, फिर पिया पानी और ऐसे अमेरिका यूरोप को डुबो आए जयशंकर, हिले सारे पत्रकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिमी देशों को जिस तरह से भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर आईना दिखाते हैं, उसकी तारीफ तो पाकिस्तान जैसा दुश्मन देश भी करता है। एक बार फिर विदेशी षड्यंत्र भारत के खिलाफ रचा गया। लेकिन जब विदेशी लोग यही षड्यंत्र भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर के सामने चलाने की कोशिश करते हैं तो उन्हें तर्क के साथ जोरदार तमाचा भी मिलता है।

कोई भी कार्यक्रम में अगर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से किसी देश के बारे में पूछ लिया जाए और विदेश मंत्री ऐसे हंसे तो यह समझ लीजिए कि उस देश की शामत आने वाली है। इस बार बारी यूरोप की थी। यूरोपीय देशों और उनकी मीडिया के पाखंड को भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कुछ ही सेकंड के अंदर बहुत बुरी तरह से धराशाई कर दिया। जिसके बाद यूरोप अपनी यह गलती शायद ही फिर कभी दोहराने की हिम्मत दिखा पाए। दरअसल बता दें यह पूरा मामला जो है यह फिनलैंड से सामने आया। आदत से मजबूर फिनलैंड में एक विदेशी पत्रकार ने डॉ. एस जयशंकर के सामने फिर वही सवाल पूछ लिया। पत्रकार ने सवाल पूछते हुए यह कहा कि यूरोप के लोग यह मानते हैं कि भारत आज भी रूस के प्रति बहुत ज्यादा सहानुभूति रखता है। हमारे हिसाब से यह दुखद भी है और नैतिक रूप से गलत भी क्योंकि भारत लगातार रूस से तेल खरीद रहा है। अब पत्रकार को यह लगा होगा कि भारत की तरफ से वही पुरानी सफाई सामने आएगी। लेकिन उसे यह नहीं पता था कि सामने जो उनके सामने बैठे हैं वह भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर हैं। सवाल सुनते ही भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर मुस्कुराए। थोड़ा सा पानी उन्होंने पिया और फिर एक ऐसा जवाब दिया जिसने पूरे हॉल का माहौल ही बदल कर रख दिया।

भारतीय नाविकों की मौत पर भारत का डबल एक्शन!

अमेरिकी राजनयिक को किया तलब, जयशंकर ने रुबियो को चेताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद भारत और अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से फोन पर बात की और खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के हमलों के खिलाफ भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया। इन हमलों में बुधवार को तीन निर्दोष भारतीय नाविकों की मौत हो गई थी। जयशंकर ने 'एक्स' पर अपनी पोस्ट में रुबियो के साथ हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा, ''वाणिज्यिक जहाजों के खिलाफ इस तरह की घातक कार्रवाई उचित नहीं है।'' इस सप्ताह ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन जहाजों पर हमले हुए। इनमें से एक हमले में बुधवार को तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई। जयशंकर ने कहा, ''आज शाम अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात की। मैंने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना के उन हमलों के खिलाफ भारत का कड़ा विरोध दोहराया, जिनमें तीन भारतीय नाविकों की जान गई है।'' भारत ने इस मामले में अपना विरोध दर्ज कराने के लिए नयी दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को भी तलब किया था। इससे पहले

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया था और कहा था कि यह ''पूरी तरह अस्वीकार्य'' है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए दावा किया, ''होर्मुज जलडमरूमध्य से निकल रहे भारतीय जहाजों के खिलाफ बीती रात उनका (ईरान का) पूरी तरह विफल ड्रोन हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्हें तुरंत अपने तौर-तरीके सुधारने होंगे। इस सप्ताह ओमान तट के पास भारतीय चालक दल वाले तीन वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में बुधवार को तीन भारतीय नाविकों की दुखद मौत हो गई थी, जिसके बाद से क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर वैश्विक चिंताएं बढ़ गई हैं। इस घटनाक्रम के बीच भारत सरकार ने भी कड़ा रुख अख्तियार किया है। नई दिल्ली ने वाणिज्यिक जहाजों पर हुए इन हमलों को "बेहद चिंताजनक" बताया है। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत ने इन हमलों के विरोध में नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रभारी अधिकारी को तलब किया है।

भारत ने इस गंभीर मुद्दे को अमेरिका के समक्ष बेहद सख्ती से उठाया है और जहाजों की सुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्गों में से एक है। इस क्षेत्र में भारतीय जहाजों को निशाना बनाए जाने और उसके बाद अमेरिका-ईरान के बीच शुरू हुए इस 'ब्लेम गेम' (आरोप-प्रत्यारोप) ने खाड़ी क्षेत्र में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है।

टीएमसी में बगावत के सुर थमे

अभिषेक बनर्जी पर नरम पड़े कल्याण, बोले- 'बेटा है, पिता माफ करता है'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की पार्टी में बढ़ती ताकत पर सवाल उठाने और सार्वजनिक रूप से उन पर निशाना साधने के दो दिन बाद ही, शनिवार को टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने सुलह का रुख अपनाया। उन्होंने अभिषेक को अपना "बेटा" बताया और पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी को तोड़ने की धमकी देने वाले बागी गुट के खिलाफ एकजुटता दिखाई। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि वह मेरे बेटे जैसा है। बेटे की सभी गलतियों को माफ करना पिता का काम होता है। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब टीएमसी गहरे आंतरिक संकट से जूझ रही है; बागी सांसद और विधायक संसद और राज्य विधानसभा, दोनों जगहों पर एक अलग गुट को समर्थन देने का दावा कर रहे हैं। बागियों की कोशिशों को खारिज करते हुए, सेरामपुर से चार बार के सांसद ने आरोप लगाया कि विपक्ष को सुनियोजित तरीके से निशाना

बनाया जा रहा है और उन्होंने BJP पर पार्टी को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है। पश्चिम बंगाल में कभी ऐसी स्थिति नहीं आई जब विपक्ष का सफाया हो गया हो। यह CM (सुवेंदु अधिकारी) प्रतिशोध की भावना रखने वाले हैं। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। बनर्जी ने बागी नेताओं के अभियान को भी खारिज करते हुए कहा, "उन्हें जो करना है, करने दें। उन्हें बीजेपी की शरण में ही रहना होगा। यह सब एक चाल है। टीएमसी के वरिष्ठ नेता ने बागियों के इस दावे पर सवाल उठाया कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास के लिए काम कर रहे हैं; उन्होंने कहा कि यह तर्क सही नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास का हवाला देते हैं, लेकिन जो लोग अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा तक नहीं कर सकते, वे क्या काम करेंगे? जब पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र ही खत्म हो गया है, तो पिछले एक महीने में क्या विकास हुआ है, जबकि मुख्यमंत्री के साथ बातचीत भी हुई थी? टीएमसी के वरिष्ठ नेता ने इखढ और कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने का आरोप भी लगाया। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, "BJP हमें परेशान कर रही है, पुलिस हमें परेशान कर रही है। पश्चिम बंगाल में किसी भी विपक्ष को कभी ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा है, जैसी स्थिति का हम सामना कर रहे हैं। जो 19 सांसद BJP में जा रहे हैं, उन्हें BJP स्वीकार नहीं करेगी।

असम में 18+ के लिए सीधा आधार नहीं, अवैध अप्रवासी रोकने को कड़े हुए नियम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। असम कैबिनेट ने एक अहम कदम उठाते हुए 18 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए रेगुलर एनरोलमेंट प्रोसेस के जरिए आधार कार्ड जारी करने पर रोक लगाने का फैसला किया है। इसका मकसद अवैध प्रवासियों को आधार कार्ड हासिल करने से रोकना है। इस फैसले की घोषणा करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य सरकार यह पक्का करना चाहती है कि कोई भी अवैध प्रवासी आधार एनरोलमेंट सिस्टम का फायदा न उठा सके।

नई पॉलिसी के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों को आधार कार्ड जारी किए जाते रहेंगे। हालांकि, 18 साल से ज्यादा उम्र के किसी भी व्यक्ति को आधार कार्ड पाने के लिए एक खास वेरिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। ऐसे मामलों में, संबंधित डिप्टी कमिश्नर को सरकार को एक प्रस्ताव भेजना होगा, और सरकार ही इसे जारी करने के बारे में आखिरी फैसला लेगी।

पंजाब में समय से पहले हो सकते हैं विधानसभा चुनाव, भगवंत मान ही होंगे 'आप' का सीएम चेहरा : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पंजाब की सियासत में एक बार फिर बड़ी हलचल शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि पंजाब में विधानसभा चुनाव अपने निर्धारित समय (फरवरी 2027) से पहले, इसी साल नवंबर 2026 में हो सकते हैं। बठिंडा में एक विशाल रोड शो को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने यह बात कही।

इसके साथ ही उन्होंने आगामी चुनावों के लिए भगवंत मान को ही पार्टी का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया है।

केजरीवाल ने भगवंत मान को पार्टी के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के तौर पर भी पेश किया और कहा, ''हमें उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाना है।'' केजरीवाल ने बठिंडा में मुख्यमंत्री भगवंत मान, आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अमन

अरोड़ा सहित अन्य नेताओं के साथ रोड शो को संबोधित किया। उन्होंने पिछले महीने हुए नगर निकाय चुनावों में आम आदमी पार्टी के शानदार प्रदर्शन के लिए लोगों का आभार जताया।

बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी के चार पार्षद बरनाला, मोगा, बटाला और बठिंडा नगर निगमों के महापौर निर्वाचित हुए। केजरीवाल ने कहा, ''मुझे बताया गया है कि चुनाव फरवरी 2027 के बजाय नवंबर 2026 में होंगे। ऐसे में अब केवल चार महीने बचे हैं। हमें अभी से काम में जुट जाना चाहिए और भगवंत मान को फिर से मुख्यमंत्री बनाना है।''

केरल के मुख्यमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केरल में वीआईपी सुरक्षा और नेताओं को मिलने वाली धमकियों को लेकर पुलिस महकमा पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन और उनके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आरोपी की पहचान अट्टिंगल निवासी सोनी थॉमस के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार शाम छह बजकर 50 मिनट पर एक अज्ञात व्यक्ति ने तिरुवनंतपुरम सिटी जिला पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीपीसीसी) में फोन कर दावा किया कि वह मुख्यमंत्री और उनके परिवार की हत्या कर देगा। इस संबंध में एक प्राथमिकी में कहा गया है कि जब उससे इसका कारण पूछा गया तो कॉल करने वाले व्यक्ति ने कथित तौर पर कहा कि उसे सतीशन पसंद नहीं हैं। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी ने शाम छह बजकर 53 मिनट पर दोबारा फोन किया और फिर धमकी दी। प्राथमिकी के अनुसार, फोन कॉल रिसीव करने वाले पुलिस अधिकारी के साथ अभद्र का इस्तेमाल करने के साथ ही आरोपी ने यह भी पूछा कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं या नहीं। इसके तुरंत बाद कैंटोनमेंट पुलिस ने मामला दर्ज कर उस फोन नंबर का पता लगाना शुरू किया। शनिवार सुबह पुलिस ने अट्टिंगल से थॉमस को हिरासत में ले लिया। राब के नशे में था। अधिकारियों ने बताया कि उसे आज अदालत में पेश किया जाएगा। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि कन्नूर जिले के मय्यिल पुलिस थाने में भी एक अलग मामला दर्ज किया गया है। यह मामला थालिपरंबा के विधायक टी. के. गोविंदन को शुक्रवार को मिली जान से मारने की धमकी से संबंधित है। पुलिस के अनुसार, गोविंदन को शाम करीब चार बजे फोन आया था, जिसमें कथित तौर पर उनके साथ गाली-गलौज की गई और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

'सभी क्रू मेंबर सुरक्षित', ओमान के पास एक और भारतीय जहाज पर हमले की खबर गलत, विदेश मंत्रालय का खंडन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ओमान की खाड़ी में लगातार बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार ने शनिवार को उन खबरों को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिनमें भारतीय क्रू वाले एक और वाणिज्यिक जहाज को निशाना बनाए जाने का दावा किया जा रहा था। विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि जहाज पर सवार सभी भारतीय सुरक्षित हैं और हमले की खबरें 'गलत' हैं। कई बिना पुष्टि वाली खबरों में दावा किया गया था कि मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले तेल और केमिकल टैंकर, MT लियाकी फ्रीडम को शुक्रवार रात ओमान की खाड़ी में निशाना बनाया गया, जब उसने VHF (वेरी हाई फ्रीक्वेंसी) पर जवाब देना बंद कर दिया था।

खबरों में दावा किया गया था कि टैंकर पर कई भारतीय सवार थे और हताहत होने की आशंका थी। हालांकि, भारत सरकार ने इन खबरों का खंडन करते हुए कहा है कि सभी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं।

दिल्ली दंगा मामला: क्या उमर खालिद और शरजील इमाम, को मिलेगी जमानत, कोर्ट ने पुलिस से मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली दंगों की बड़ी साज़िश के मामले में आरोपी शरजील इमाम ने कड़कड़डूमा कोर्ट में जमानत के लिए दूसरी अर्जी दाखिल की है। इससे पहले, 5 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। नई जमानत अर्जी में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के 6 महीने बाद भी मामले में कोई खास प्रगति नहीं हुई है और वह पिछले 6 सालों से हिरासत में हैं। उमर खालिद की ओर से भी रेगुलर जमानत के लिए एक और अर्जी दाखिल की गई है। एडिशनल सेशंस जज (ASJ) समीर बाजपेयी ने शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर शरजील इमाम की जमानत अर्जी पर जवाब मांगा। इससे पहले, कोर्ट ने 9 जून को उमर खालिद की जमानत अर्जी पर नोटिस जारी किया था। इन मामलों की सुनवाई 4 जुलाई को होगी। शरजील इमाम की ओर से कहा गया है कि 5 जनवरी, 2026 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हुई अहम घटनाओं को देखते हुए दूसरी जमानत अर्जी दाखिल की गई है। अर्जी में यह भी बताया गया है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के छह महीने से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद, ट्रायल की कार्यवाही में कोई खास प्रगति नहीं हुई है; आरोप तय करने (चार्ज फ्रेमिंग) पर बहस अभी भी अधूरी है

और याचिकाकर्ता इस FIR में लगभग छह साल से लंबी जेल की सजा काट रहा है। वकील अहमद इब्राहिम ने शरजील इमाम के लिए जमानत अर्जी दाखिल की है। कहा गया है कि इस अर्जी को दाखिल करने की तारीख तक, ट्रायल कोर्ट के सामने मामला आरोप तय करने के चरण तक भी नहीं पहुँचा है। आरोप पर बहस अभी पूरी नहीं हुई है। जैसा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही गुलफिशा फातिमा मामले के पैराग्राफ 118 में नोट किया था - बचाव पक्ष की दलील दर्ज करते हुए कि मामला तब आरोप पर बहस के चरण में था और 'पारंपरिक अर्थों में ट्रायल की दिशा में कोई खास प्रगति नहीं' हुई थी - याचिका में कहा गया है कि छह महीने बाद भी स्थिति पूरी तरह से वैसी ही बनी हुई है।

टूट गया भारत के सब्र का बांध

आधी रात फोन घुमाकर जयशंकर ने अमेरिका को डांटा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिम एशिया आज उस ज्वालामुखी की तरह है जो फट चुका है। चारों तरफ बारूद की गंध है। आसमान से बम बरस रहे हैं और समंदर की लहरें अब लाल हो रही हैं। लेकिन इस युद्ध की आग में जब बेगुनाह भारतीयों की जान चली जाती है तो दिल्ली का सिंहासन डोल जाता है। होर्मुज के समंदर में अमेरिका ने वो कायराना हरकत की जिसने भारत के सब्र का बांध तोड़ दिया। भारत के तीन जांबाज नाविकों की जान चली गई और वजह महाशक्ति होने का अहंकार। ये दिन इतिहास में अमेरिका की उस सशस्त्र डकैती के नाम पर दर्ज होगा जिसने तीन भारतीय परिवारों को उम्र भर का दर्द दे दिया। लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होती है। अमेरिका ने सोचा था कि वह झूठ बोलेगा और भारत मान लेगा।

ट्रंप ने ईरान पर उंगली उठाई। लेकिन भारत ने उसी उंगली को मरोड़कर अमेरिका को आईना दिखा दिया और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आधी रात को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को फोन पर जो सुनाया उसे सुनकर वाशिंगटन के गलियारों में सन्नाटा पसर गया। ओमान की खाड़ी तेल टैंकर एम्प्टी

सिट्टे बेलो शांति से अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ रहा था। इस जहाज पर कोई लड़ाकू विमान नहीं था। कोई मिसाइलें नहीं थी। इस पर सवार थे 24 भारतीय नागरिक जो अपने घर बार से दूर समंदर के सीने पर मेहनत कर रहे थे। तभी अचानक अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों ने इस कमर्शियल जहाज को घेर लिया। बिना किसी चेतावनी के, बिना किसी ठोस वजह के अमेरिका ने इस शांतिपूर्ण जहाज पर हमला कर दिया। गोलों की उस बरसात में जहाज दहल उठा और हमारे 21 भारतीय भाइयों ने मौत को करीब से देखा और किसी तरह अपनी जान बचाई। लेकिन तीन भारतीयों की जान इस अमेरिकी सनक में भेंट चढ़ गई। डेक कैडेड आदित्य शर्मा इंजन फिटर शिवंद चौरसिया और चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश यह सिर्फ नाम नहीं यह भारत के वह बेटे हैं जिनके प्राण अमेरिका की गलतफहमी और अहंकार ने छीन लिए। इन तीन भारतीयों की जान जाने की खबर जैसे ही भारत पहुंची, देश का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। अब देखिए अमेरिका की चालाकी। हमला खुद किया, भारतीयों की जान खुद ली लेकिन दुनिया के सामने आकर क्या बोले। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा कर दिया कि यह हमला ईरान के ड्रोंस ने किया है। ट्रंप ने कोशिश की कि वह भारत को बरगला लिया जाए और इस पूरे कांड का ठीकरा ईरान पर फोड़ दिया जाए। अमेरिका चाहता था कि भारत इस पर ईरान से लड़ने लगे और अमेरिका पर्दे के पीछे अपनी इस बड़ी गलती को छिपा ले। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप शायद भूल गए कि सामने मोदी का भारत है। भारत ने उनकी बातों पर भरोसा करने की बजाय अपनी खुद की हाई लेवल जांच शुरू की। सेटेलाइट डाटा खंगाले गए। बचे हुए नाविकों के बयान लिए गए और वह सच सामने आया जिसने अमेरिका की पूरी प्लानिंग को मिट्टी में मिला दिया। भारत ने कंफर्म किया कि हमला किसी ईरानी ड्रोन ने नहीं बल्कि अमेरिकी नौसेना के जहाज से हुआ है। अमेरिका की चाल पकड़ी गई और अब भारत का स्टैंड क्लियर एंड लाउड था।

हमला तुमने किया है और हिसाब भी तुम ही दोगे। जब पानी सिर से ऊपर चला गया तब हरकत में आए भारत के चाणक्यनी एस जयशंकर उन्होंने ना केवल अमेरिकी राजदूत को दिल्ली में तलब किया बल्कि सीधे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो को फोन लगाया। अब बताया जा रहा है कि यह बातचीत किसी कूटनीतिक मुलाकात जैसी बिल्कुल नहीं थी। जयशंकर साहब ने रूबियो को फोन पर बुरी तरह हड़काया।

'अब इस युद्ध को खत्म करने का समय आ गया है': ट्रंप ने नेतन्याहू से कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर 'कुछ ही दिनों में' हस्ताक्षर हो सकते हैं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा है कि ईरान के साथ कुछ ही दिनों में शांति समझौता हो सकता है। ट्रंप ने नेतन्याहू से फोन पर बातचीत के दौरान कहा, यह डील है। यह एक बहुत अच्छी डील है और अब इस युद्ध को खत्म करने का समय आ गया है।

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब वॉशिंगटन और तेहरान, दोनों जगहों के अधिकारियों का कहना है कि समझौता होने के करीब है, हालांकि इसे अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, नेतन्याहू को यह एहसास हो गया था कि वे ट्रंप को इस डील को आगे बढ़ाने से नहीं रोक सकते। बताया जाता है कि बातचीत के दौरान इजराइली नेता ने ट्रंप से कहा कि उन्हें भरोसा है कि अंतिम समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी चिंताओं का समाधान किया जाएगा। यह घटनाक्रम नेतन्याहू के पहले के रुख में एक बड़ा बदलाव दिखाता है। संघर्ष की शुरूआत से ही उनका तर्क था कि युद्ध से तेहरान में सत्ता परिवर्तन हो सकता है। अब, जब कुछ ही महीनों में चुनाव होने वाले हैं, उनके राजनीतिक विरोधियों ने उन पर आरोप लगाया है कि ट्रंप की शांति शर्तों को मानकर उन्होंने इजराइल को एक "आश्रित देश" बना दिया है। अधिकारियों ने बताया कि नेतन्याहू ने इस हफ़्ते की शुरूआत में ईरान के ऊर्जा और बुनियादी ढाँचे के ठिकानों पर बड़े हमले करने की योजना बनाई थी, लेकिन ट्रंप ने आखिरी समय में इस कदम को रोक दिया। ट्रंप की इस सार्वजनिक घोषणा से नेतन्याहू हैरान रह गए कि एक समझौता हो चुका है। हालांकि इजराइली नेताओं ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप की आलोचना करने से परहेज किया है, लेकिन अधिकारी प्रस्तावित समझौते को लेकर संशय में हैं। एक चिंता यह है कि ईरान इस समझौते का इस्तेमाल तेल बेचकर अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए कर सकता है, जबकि अपने परमाणु कार्यक्रम पर ठोस रियायतें देने में देरी कर सकता है। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि ट्रंप अमेरिकी हितों पर आधारित समझौता कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजराइल को उम्मीद है कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मिसाइलों और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों के संबंध में साझा सिद्धांतों की रक्षा की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक और मुद्रक राजेश कुमार रंजन के द्वारा आमीन प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट न0.193, डॉक्टर्स कॉलोनी, रोड न0. 7, पोस्ट अगमकुंआ, छोटी पहाड़ी, पटना बिहार-800007 से मुद्रित एवं ग्राम पिपराही, पोस्ट दिनापट्टी, सुपौल बिहार-852218 से प्रकाशित-प्रसारित, फोन- 8051344056, 9471220794